www.epaper.azadsipahi.in

* ओड़िशा संस्करण

08 सितंबर, 2025
आश्विन, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 319

भारत में 3 घंटे 28 मिनट तक ब्लड मून नजर आया साल का आखिरी चंद्र ग्रहण

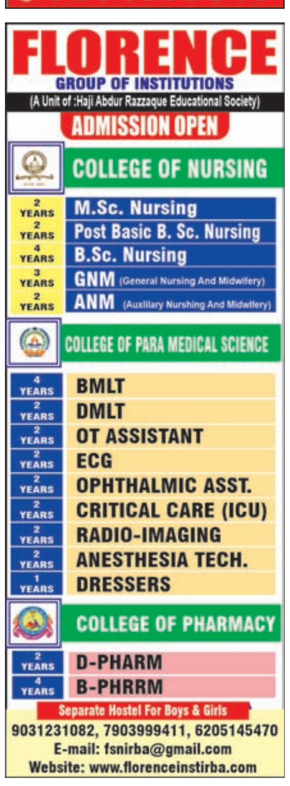

बेजुबान हूं लेकिन कष्ट में हूं: 'मिष्टी' की मौत से सामने आया ओरमांझी जू का कड़वा सच

आजाद सिपाही खास

■ अव्यवस्था ने बिरसा जैविक उद्यान को बना दिया है वन्य प्राणियों की कब्रगाह

■ भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही के कारण खतरे में आ गया है इसका भविष्य

अनुज

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। झारखंड की राजधानी से करीब 20 किलोमीटर दूर ओरमाझी में बेहद खूबसूरत भगवान बिरसा मुंडा जैविक उद्यान है। इस जू में जानवरों का दीदार करने भारी संख्या में लोग आते हैं। यहां बहुत सारे जानवर हैं। जो जू को आकर्षक बनाते हैं। इसकी खूबसरती के पीछे बेजुबान जानवरों का दर्द भी छिपा है। जिसके लिए उद्यान प्रशासन पूरी तरह से जिम्मेदार है। इस जैविक उद्यान में एकमात्र मादा जिराफ थी। जिसका नाम 'मिष्टी' था। जिसकी 3 सिंतबर को मौत हो गयी। इससे झारखंडवासियों में दुख के साथ रोष भी था। 'मिष्टी' की मौत की रिपोर्ट में पैर में जख्म होने की पुष्टि की गयी। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि जख्म की वजह से ही वह बाड़े में गिर गयी और गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गयी। यह वजह दलील के लिए भले ही सही हो, लेकिन 'मिष्टी' की मौत ने कई सवालों को जन्म दे दिया है। इन सवालों के दायरे में जैविक उद्यान का प्रशासन आता है। जिसकी लापरवाही भी सामने आती है। पिछले कुछ वर्षों से उद्यान की जो स्थिति हो रही, वह गंभीर है। अगर हालात नहीं सुधरे तो 'मिष्टी' की असमायिक मौत कोई आखिरी घटना नहीं रह जायेगी।

कोलकाता से लाया गया था मादा जिराफः मादा जिराफ मिष्टी को 8 अगस्त 2025 को जैविक उद्यान ओरमांझी लाया गया था। कोलकाता के वन्य प्राणी उद्यान अलीपुर से जीव आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत रांची को मादा जिराफ मिली थी। उसकी उम्र करीब 6 वर्ष थी। किसी जू में जिराफ की औसत आयु 19 से 20 वर्ष होती है। अगर वह जंगल में रहे, तो उसकी उम्र अमूमन 17 से 18 साल तक होती है। मिष्टी ने 3 सितम्बर 2025 को मात्र 6 वर्ष (रांची लाने के एक महीने के भीतर) में ही दम तोड़ दिया। यानी बचपन में ही उसकी मौत हो गयी।

बच्चों की तरह लालन-पालन और प्रेम करते दैनिक कर्मी: भगवान बिरसा जैविक उद्यान की देखरेख की जिम्मेदारी पहले दैनिक वेतनभोगी कर्मियों के जिम्मे थी। दैनिक वेतनभोगी मजदूर उद्यान और वन्य प्राणियों के रख-रखाव और उनके खान-पान का ख्याल रखते। उनके लिए उद्यान के जीव-जंतु अपने बच्चों की तरह थे। अपने बच्चों के लिए प्रेम भाव से काम करते थे। इसका कारण था कि इनमें से अधिकांश दैनिककर्मी स्थानीय थे। क्षेत्र में पर्यटकों के आने और नाम होने के कारण उन्हें भवनात्मक लगाव और जिम्मेदारी का अहसास था।

जैविक उद्यान अपने बुरे दिन से गुजर रहा

जैविक उद्यान में 2016-17 तक सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था। हालात ऐसे बने कि हाल के वर्षों में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। सुधार के नाम पर यहां के दैनिक मजदूरों को हटा दिया गया। वन विभाग ने स्थायी कर्मियों की तैनाती शुरू कर दी। इसके बाद से शुरू हुआ बदहाली का दौर। वन्य प्राणियों को संरक्षित करने के उद्देश्य से बनाया गया यह जैविक उद्यान अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही का शिकार बनता चला जा रहा है। हाल के दिनों में यह उद्यान अधिकारियों का चरागाह बन गया है। केज की मरम्मत हो, वन्य प्राणियों का खाना हो या भवन निर्माण, सभी में गड़बड़ी होने लगी। भवन निर्माण के नाम पर जंगल की कटाई हो रही है। स्थायी कर्मियों ने मनमानी शुरू कर दी है। उद्यान में सबसे अधिक गड़बड़ी श्रमिकों की हाजिरी में होती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह आरोप लग रहे कि यदि 10 श्रमिक काम कर रहे होते हैं, तो हाजिरी उससे अधिक संख्या की बना दी जाती है। इसके बाद पारिश्रमिक की बंदरबांट होती है। हाजिरी से लेकर दूसरे सभी कार्यों में कमीशन मांगा जाने लगा है।

उठता रहा है वन्य प्राणियों के खाने में गड़बड़ी का मामला

उद्यान में रखे गये वन्य प्राणियों के खाने में लापरवाही का आरोप भी लग रहे हैं। यहां न तो वधशाला है और न भोजन की जांच के लिए प्रयोगशाला। मांसाहारी वन्य प्राणियों जैसे शेर, बाघ, चीता, तेंदुआ आदि को बाहर से लाया गया मांस उबाल कर दिया जाता है। प्रयोगशाला के अभाव में न तो भोजन की गुणवत्ता की जांच होती है और न ही इसकी मात्रा तय रहती है।

निदेशक पर लगते रहे हैं आरोप

इस उद्यान के निदेशक जब्बार सिंह हैं। उद्यान की अव्यवस्था का आरोप उन पर लग रहा है। उद्यान में हाल के दिनों में कई वन्य प्राणियों की मौत हुई है। जिराफ मिष्टी की मौत से पहले 'शशांक' नामक शेर की हुई थी। 'शशांक' को इसी साल जुलाई में लाया गया था। निदेशक जब्बार सिंह ने उसे युवा बताया था। 'शशांक'की उम्र 14 साल बतायी गयी थी। शेर की कुछ दिनों बाद मौत हो गयी। शेर की औसत आयु 18 से 20 साल होती है। यानी वह शेर वृद्ध था। जब शेर मर गया, तो यह सच सामने आया। जबार सिंह पांच साल से निदेशक के पद पर हैं। बिरसा उद्यान की गिरती स्थिति को लेकर उन पर कई तरह के आरोप लग रहे हैं।

'मिष्टी' की मौत पर सवाल उठ रहे

जानकारों का कहना है कि किसी भी वन्य प्राणी को एक चिड़ियाघर से दूसरे चिड़ियाघर लाये जाने पर 30 दिनों तक क्वारेंटाइन (अलग और अकेले) रखने का नियम है। जिससे वह नयी जगह के वातावरण के अनुरूप खुद को ढाल सके। 'मिष्टी' को 8 अगस्त को भगवान बिरसा जैविक उद्यान लाया गया था। केवल एक सप्ताह बाद 15 अगस्त से उसका सार्वजनिक प्रदर्शन किया जाने लगा। यानी उद्यान प्रबंधन ने निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया। जानकार कहते हैं, संभव है कि कम समय मिलने के कारण मिष्टी खुद को नये वातावरण में नहीं ढाल पायी होगी। इससे पैदा हुए तनाव में रहने की वजह से उसको समस्या उत्पन्न हुई होगी। दूसरा सवाल जिराफ को रखने के लिए उद्यान में पहले से बने बाड़े पर लगभग 60 लाख रुपये खर्च कर उसे बेहतर बनाने का दावा किया गया। यह स्पष्ट नहीं हुआ कि इतनी राशि खर्च कर बाड़े में कौन सी सुविधाएं बहाल की गयी थीं। अगर सुविधाएं बहाल की गयीं थीं, तो मिष्टी को चोट कैसे लग गयी? तीसरा सवाल चोट लगने के बाद संक्रमण नहीं फैले, इसके लिए क्या उचित व्यवस्था की गयी थी?

कहानी बनाना हो तो बनाइए, लेकिन आरोप निराधार हैं: जब्बार सिंह

उद्यान की अव्यवस्था संबंधी आरोपों पर निदेशक जब्बार सिंह ने कहा कि जिराफ की मौत से उद्यान कर्मियों के बीच मातम है। यहां के वन्य प्राणियों के रख-रखाव और खान-पान की व्यवस्था में कोई गड़बड़ी नहीं है। जमशेदपुर और बोकारो के जैविक उद्यानों के मुकाबले यहां अच्छी व्यवस्था है। कहानी बनानी है तो बनाइये। हम आपको कहानी देते हैं। मुझ पर लगे सारे आरोप निराधार हैं।

गुवा में शहीदों को सीएम हेमंत आज देंगे श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को गुवा जायेंगे और शहीद स्थल पर गुवा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन एवं परिसंपत्ति तथा नियुक्ति पत्र का वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पश्चिमी सिंहभूम के जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने को नोवामुंडी प्रखंड अवस्थित गुवा शहीद स्थल का निरीक्षण भी किया। उपायुक्त द्वारा गुवा शहीद स्थल, हेलीपैड, सभास्थल सहित अन्य स्थानों का भौतिक अवलोकन किया गया। उन्होंने द्वारा मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के तैयारी को लेकर टेंट की व्यवस्था आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था, समुचित लाइट साउंड की व्यवस्था, पार्किंग की व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। सारी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है।

रातू में जमीन कारोबारी की गोली मारकर हत्या

गोलीबारी में एक अन्य घायल
पुलिस मामले की कर रही जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी के रातू थाना क्षेत्र के झखराटांड़ इलाके में रविवार की देर शाम एक जमीन कारोबारी की हत्या गोली मारकर कर दी गयी। अपराधियों की गोली से वहां मौजूद बलमा नाम का व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि जिस व्यक्ति की हत्या हुई है, वो जमीन कारोबार से जुड़ा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार शाम मृतक झखराटांड़ के बिरसा चौक के पास थे, तभी कुछ अपराधी वहां पहुंचे और उन्होंने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले में जमीन कारोबारी की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं, हमले में घायल हुए बलमा को गोली मुंह में लगी और उनके जबड़े में फंस गयी। घायल बलमा को तुरंत पास के सीएचसी रातू अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत काफी नाजुक थी। सीएचसी के चिकित्सक ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है। पुलसि घटना स्थल पर हुंच कर मामले की जांच कर रही है।

चाइबासा में पुलिस और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़

दस लाख का इनामी नक्सली अमित हांसदा ढेर

भाकपा माओवादी का जोनल
कमांडर था हांसदा

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाइबासा में रविवार की सुबह सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ गोइलकेरा थाना क्षेत्र के रेलापराल जंगल में हुई। इस मुठभेड़ में भाकपा माओवादी का जोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन मारा गया है। अपटन पर झारखंड सरकार ने 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस मुख्यालय ने नक्सली के मारे जाने की पुष्टि की है।

बोकारो का रहने वाला था नक्सली: प्राप्त जानकारी के अनुसार मारा गया नक्सली झारखंड के बोकारो जिले का रहने वाला था। चाइबासा पुलिस के अनुसार सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों ने अचानक पुलिस पर हमला कर दिया। नक्सलियों की गोलीबारी का सुरक्षाबलों ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों ओर से चली गोलीबारी के बीच जवानों का दबाव बढ़ता देख कई नक्सली घने जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। इसके बाद सर्च अभियान में एक नक्सली का शव मिला।

सर्च अभियान में मिला शवः मुठभेड़ खत्म होने के बाद सुरक्षाबलों ने जंगल में सघन सर्च अभियान चलाया। सर्च के दौरान जवानों को एक नक्सली का शव मिला। जिसकी पहचान जोनल कमांडर अमित हांसदा के रूप में हुई। हांसदा के पास से हथियार और कारतूस भी बरामद किये गये।

2026 तक नक्सलियों का हो जायेगा खात्मा

झारखंड पुलिस ने दावा किया है कि मार्च 2026 तक नक्सलियों का खात्मा हो जायेगा। झारखंड के अभियान आइजी डॉ माइकल राजएस ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ झारखंड में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। राज्यभर में अभी तक 95 प्रतिशत नक्सली खत्म हो गये हैं। नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे सर्च अभियान में पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है। इसके तहत हम 2026 तक नक्सलियों के साम्राज्य को खत्म करने में सफल होंगे।

चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर वेरिफिकेशन करेगा

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआइआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) करने की तैयारी में है। इसको लेकर दिल्ली में 10 सितंबर को बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक बैठक में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी शामिल होंगे। इसमें देशभर में एसआइआर कराने को लेकर रणनीति पर चर्चा होगी।

भाजपा सांसदों की कार्यशाला में सबसे पीछे बैठे मोदी

पार्टी ने जीएसटी स्लैब में बदलाव
पर प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भाजपा सांसदों की दो दिन की कार्यशाला का रविवार को पहला दिन था। यह कार्यशाला दिल्ली में संसद भवन परिसर में हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसमें शामिल हुए। वे हॉल में सबसे पीछे की पंक्ति में बैठे। गोरखपुर से सांसद रविकिशन और राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत ने मोदी की फोटो पर पोस्ट भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यशाला में भाजपा सांसदों ने जीएसटी स्लैब में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया गया। यह कार्यशाला दो दिन में चार सेशन में होगा। इसमें पार्टी के इतिहास और विकास पर चर्चा और सांसदों की कार्यकुशलता बढ़ाने पर काम किया जाना है। साथ ही कार्यशाला का मकसद उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले 100 फीसदी वोटिंग के लिए सांसदों को सही ट्रेनिंग देना है। ट्रेनिंग सेशन में सांसदों को बैलट पेपर पर सही निशान लगाने, चुनाव अधिकारी की ओर से दिया गया पेन का इस्तेमाल करने और बैलट पेपर को सही तरीके से मोड़कर बॉक्स के अंदर डालने की जानकारी दी जायेगी, ताकि वोट अमान्य न हों। दरअसल, गुप्त मतदान में पार्टी व्हिप लागू नहीं होता है। ऐसे में एनडीए का फोकस क्रॉस वोटिंग रोकने और अवैध वोटों को कम करने पर है।

बताते चलें कि उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सिंतबर को हो रहा। इस दिन ही मतदान के बाद मतगणना होगी। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। वहीं, इंडिया गठबंधन ने रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है।

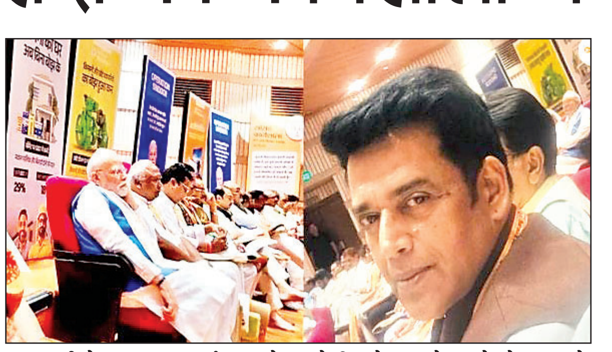

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Channel
Subscribe NOW

वर्षों से श्मशान घाट पर रखे दो दर्जन से भी ज्यादा अस्थि कलश, सुध लेनेवाला कोई नहीं

बलिराम पांडेय बताते हैं कि पुराण में वर्णित है कि अस्थि कलश को समय से पवित्र जल में विसर्जित कर देना चाहिए

दीपक कुमार

बोकारो (आजाद सिपाही)। कहा जाता है कि यह संसार मोह माया है, जहां लोग सदियों तक न केवल अपने पूर्वजों की यादों संजोए रखते हैं। बल्कि उनके प्रति सम्मान का भाव भी रखते हैं। एक अर्थ में यही सांसारिक जीवन की खूबसूरती भी है। साथ ही, भारतीय संस्कृति की पहचान भी। किंतु, वर्तमान दौर में समाज का एक तबका इन परंपराओं से दूर होता जा रहा है। आमतौर पर लोग अपने परिजन की मृत्यु के बाद अग्नि संस्कार के उपरांत उनकी अस्थियों को मिट्टी के कलश में बांध कर श्मशान घाट में रखवा कर तीन दिन बाद उन अस्थि कलश को किसी पवित्र नदी में प्रवाहित कर उनकी मोक्ष की प्रार्थना करते है, लेकिन अब हम आपको एक ऐसी सच्चाई से रूबरू करा रहे हैं, जो चास स्थित श्मशान घाट में देखने को मिली। यहां रखे दर्जनों अस्थि कलश वर्षों से मोक्ष की बाट जोह रहे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई भी नहीं।

समाज में ऐसे लोग भी है, जो अपने परिजन की अंतिम संस्कार करने के बाद श्मशान घाट में अस्थि कलश तो रखवा दी, परंतु वर्षों बाद भी उसे लेने कोई परिजन नहीं आये। उनके पूर्वजों की अस्थियां आज भी वहीं पड़ी हुई है। हालांकि इन अस्थि कलशों पर परिजनों के नाम-पते भी लिखे हुए हैं।

गरगा घाट श्मशान घाट की देखरेख करने वाले व्यवस्थापक लखन महता बताते हैं कि वर्षों से यहां ये अस्थि कलश रखे हुए है,

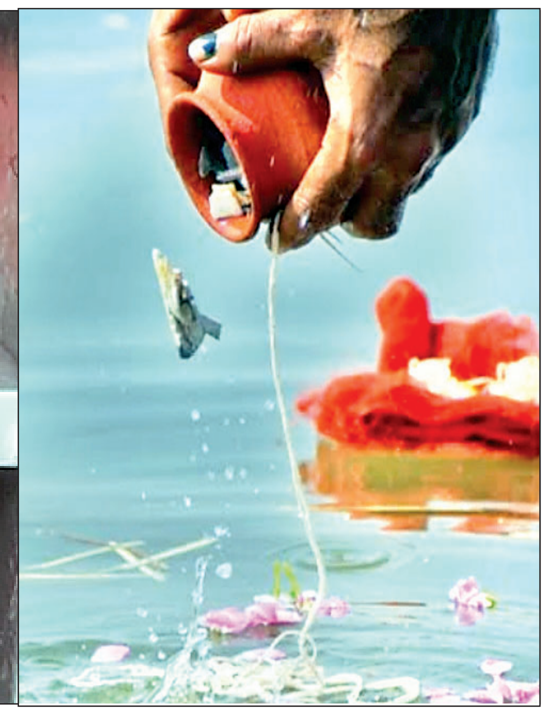

जिसे कोई भी अब तक लेने नहीं आया। एक अस्थि कलश तो 22 वर्षों से यहीं पड़ा हुआ है। वहीं श्मशान घाट पर वर्षों से विधि विधान कराने वाले बलिराम पांडेय बताते हैं कि पुराण में वर्णित है कि अस्थि कलश को समय से पवित्र जल में विसर्जित कर देना चाहिए। बहरहाल वर्षों से यहां रखे अस्थि कलश को अपनों का इंतजार है। ऐसे में इन्हें मोक्ष मिलेगी तो आखिर कैसे। यह यक्ष प्रश्न है। पितृ मोक्ष की बात करें तो हिंदू (सनातन) धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृपक्ष का पखवारा अपने पितृ मोक्ष शांति के लिए पवित्र माना जाता है। लोग अपने पितरों को जल अर्पित कर उनकी मोक्ष मिलने की प्रार्थना करते है। गरुड़ पुराण के अनुसार भी ऐसा माना जाता है कि किसी के अंतिम संस्कार के बाद एक विशेष अनुष्ठान मृतक की आत्मा को पुनर्जन्म चक्र से मुक्त करने में सहायता करता है।

किसी भी शव के अंतिम संस्कार के बाद मृतक की अस्थियां एवं राख को एकत्रित कर पारंपरिक मिट्टी कलश में रख उन अवशेषों को किसी पवित्र नदी में प्रवाहित कर दिया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से मृत व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष मिलती है और वे पुनर्जन्म चक्र से मुक्त हो जाते है। पितृपक्ष में ज्ञात अज्ञात सभी पूर्वजों का तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान जैसे कर्मकांड किये जाते हैं, परंतु घाट पर रखे ये कलश समाज के एक ऐसे सच को उजागर करते हैं, जो शर्मसार करनेवाला है। वस्तुतः जीते-जी जिनका सम्मान हुआ हो या नहीं, लेकिन मृत्यु के बाद उनकी ऐसी अनदेखी सचमुच चिंतनीय है।

हालांकि इस कर्मकांड का एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी है। दरअसल हड्डियों में गंधक और पानी का मेल पारा और मर्करी सल्फाइड शॉट बनाता है, जो पानी को शुद्ध करने के साथ साथ जल की जीवाणु नाशक क्षमता को भी बढ़ाता है। शायद यही कारण है कि हमारे पूर्वजों ने ऐसी परंपरा को बढ़ावा दिया।

सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने को लेकर भाजपा महानगर की बैठक

नरेंद्र मोदी का जीवन देश को समर्पित है : गणेश मिश्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अगामी 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलने वाला भाजपा के राष्ट्रीय कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने के निमित्त रविवार को भाजपा, रांची महानगर कार्यालय में महानगर अध्यक्ष वरुण कुमार की अध्यक्षता में कार्यशाला हुई।

कार्यशाला में मुख्य रूप से प्रदेश के मंत्री एवं मुख्य वक्ता गणेश मिश्रा, रांची विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जयसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष के के गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा, महामंत्री द्वय बलराम सिंह एवं जितेंद्र वर्मा उपस्थित रहे एवं कार्यशाला को संबोधित किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को 75 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। पार्टी ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी-शास्त्री जयंती तक सेवा पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का जीवन देश को समर्पित है। पार्टी के कार्यकर्ता 8 प्रकार के सेवा कार्यक्रम एक पखवाड़ा तक चलायेंगे। रांची विधायक सीपी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सेवा पखवाड़ा के माध्यम से जन-जन तक जाकर स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, रक्तदान शिविर जैसे सेवा कार्य जनता के बीच जाकर करें।

विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि रचनात्मक कार्यक्रम से जनता में पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ती है। भाजपा सिर्फ सत्ता के लिए नहीं, बल्कि जन सेवा के लिए कार्य करती है। महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के माध्यम से रांची के सभी 19 मंडलों के करीब 900 बूथों तक सेवा कार्य किया जायेगा। हर मंडल से 20 कार्यकर्ताओं की टोली बनायी गयी है। सेवा कार्य में पूरे राजधानी में 10 हजार कार्यकर्ता 15 दिनों तक लगाकर इस अभियान को सफल बनायेंगे।

कार्यशाला में प्रदेश के नेता सुबोध सिंह गुड्डू, रमेश सिंह, ऊषा पांडेय, संजय जयसवाल, अरुण झा, निशि जयसवाल, सुनील साहू, राजश्री जयंती, पंकज सिंहा, राजू सिंह, बसंत दास, अनीता वर्मा, संजीव चौधरी, विनय सिंह, विकास रवि, पूनम जयसवाल, विना मिश्रा, बालसाई महतो, सोनू सिंह, पायल सोनी, रमित नारायण सिंह, राकेश शर्मा, रवि मुंडा, ओमप्रकाश पांडेय, अशोक मिश्रा, इंद्रजीत यादव, विशाल साहू, पप्पू जयसवाल, राम मनोज साहू, उमेश यादव, रामजी प्रसाद, पीयूष विजयवर्गीय, रामलगन राम, सुबेश पांडेय, रणधीर सिंह, सुभाष अग्रवाल, सुजीत शर्मा, नवीन सोनी, अशोक मिश्रा, विनोद महतो, ऋषभ गखड़ सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहें।

केंद्रीय कार्यालय में आजसू रांची महानगर की बैठक

आजसू कार्यकर्ता अभी से ही नगर निकाय चुनाव की तैयारी में जुट जायें : सुदेश महतो

योजनाएं सिर्फ कागजों में, जमीन पर नतीजे शून्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में रांची महानगर की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो उपस्थित रहे। बैठक में रांची महानगर क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने, जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देने तथा आगामी रणनीति पर चर्चा की गयी। सुदेश महतो ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि संगठन विस्तार के साथ-साथ प्रत्येक वार्ड और गली तक पहुंचकर आम जन की आवाज को आगे बढ़ायें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता नगर निकाय चुनाव की तैयारी में जुट जायें।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार नगर निकाय चुनाव को लेकर गंभीर नहीं है। ओबीसी आरक्षण को समाप्त कर बड़ी आबादी को उनके अधिकार से वंचित किया गया है। इस विषय पर आजसू पार्टी ने पंचायत चुनाव के दौरान भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और

न्यायालय के निर्देशानुसार ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया को सुनिश्चित कराया, लेकिन सरकार नगर निकायों में सही ढंग से प्रक्रिया पूरी करने की इच्छाशक्ति नहीं दिखा रही है।

विस्थापन के मुद्दे पर भी उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त की। सुदेश महतो ने कहा कि पिछले सौ वर्षों से खनन कार्य चल रहा है। आज तीसरी पीढ़ी अपने अधिकार की मांग कर रही है, लेकिन सरकार केवल कागजी आंकड़ों के सहारे आंखों में धूल झोंकने का काम कर रही है। उन्होंने मांग की कि विस्थापन संबंधी विषयों पर विचार और समाधान के लिए एक स्वतंत्र आयोग का गठन किया जाये। वर्तमान आयोग आधिकारविहीन बनाया गया है।

कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के विषय पर भी चर्चा हुई। इस पर सुदेश महतो ने कहा कि यह केवल एक वर्ग की नहीं, बल्कि उन तमाम समुदायों की मांग है, जो लंबे समय से अपने अधिकार से वंचित हैं। बड़े समुदायों को अलग-थलग रख कर न्याय नहीं किया जा सकता। पार्टी का स्पष्ट मत है कि सभी वंचित समाजों को उनका हक मिलना चाहिए।

बैठक में घर वापसी कार्यक्रम के तहत हरित पार्टी के कोकर मंडल के पूर्व अध्यक्ष लाल महतो एवं उनकी टीम तथा पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष रांची विश्वविद्यालय विक्की वर्मा आजसू परिवार में शामिल हुए।

बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित रहे : बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा, केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह, केंद्रीय महासचिव सरजीत मृधा, केंद्रीय सचिव कुमुद वर्मा, केंद्रीय सचिव नईम अंसारी, बुद्धिजीवी मंच के सदस्य सह मीडिया प्रभारी मनोज महतो, बुद्धिजीवी मंच के प्रधान महासचिव मुकुंद मेहता, केंद्रीय सचिव सह महानगर प्रभारी जितेंद्र सिंह, महिला महानगर अध्यक्ष सीम सिंह, केंद्रीय सदस्य प्रभा महतो, छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष मेरी तिर्की, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक ज्योत्सना केरकेट्टा, सत्येंद्र सिंह, केंद्रीय सचिव विजेता वर्मा तथा केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान।

रांची महानगर के पदाधिकारियों में रांची महानगर अध्यक्ष सह केंद्रीय प्रवक्ता ज्ञान सिंहा, वरीय उपाध्यक्ष बंटी यादव, महासचिव रमेश गुप्ता, उपाध्यक्ष आशीष पाठक, वीरेंद्र प्रसाद, राकेश सिंह, प्रदीप जायसवाल, सचिव अनिल गुप्ता, जय श्रीवास्तव, अभिषेक राज नायक, निर्मल उरांव, महानगर संयोजक सुरेंद्र लिंडा, महादेव मुंडा, केंद्रीय सचिव हरीश कुमार, प्रदेश युवा संयोजक चेतन प्रकाश और अमित कुमार शामिल रहे।

सूर्या हांसदा हत्या मामले की सीबीआइ जांच हो : बाबूलाल

नगड़ी के रैयतों को जमीन वापसी को लेकर सभी प्रखंडों में प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को प्रेस वार्ता के माध्यम से राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा है। बाबूलाल ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता सूर्या हांसदा की पुलिस द्वारा की गयी नृशंस हत्या और नगड़ी के आदिवासी रैयतों से रिम्स-2 के नाम पर राज्य सरकार द्वारा जमीन छीने जाने को भाजपा ने गंभीरता से लिया है। पार्टी ने पहले भी सदन से लेकर सड़क तक आवाज बुलंद की है, लेकिन राज्य सरकार अपनी जिद पर अड़ी है। इसलिए भाजपा फिर इस मुद्दे को लेकर जोरदार आंदोलन करने जा रही। बाबूलाल मरांडी ने पार्टी द्वारा आगामी 11 सितंबर को दोनों

मुद्दों को लेकर राज्य के सभी 216 प्रखंडों में प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम से प्रखंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम तय किया है।

बाबूलाल ने कहा कि सूर्या हांसदा मामले को राज्य पुलिस एनकाउंटर बता रही है, लेकिन उसकी बेरहमी से हत्या की गयी है। दूसरी ओर नगड़ी रांची में आदिवासी रैयतों की खेतिहर जमीन सरकार रिम्स 2 के नाम पर छीन रही है। बाबूलाल ने कहा कि अवैध खनन माफियाओं दलाल, बिचौलियों ने स्व. सूर्या हांसदा को रास्ते से हटाने के लिए सुनियोजित तरीका अपनाया। देवघर जिला के मोहनपुर ले जाकर उन्हें थर्ड डिग्री टॉर्चर किया गया। उनके शरीर पर पाये जानेवाले बड़े-बड़े धब्बे यह साबित कर रहे। और फिर जब उनकी मौत हो गयी, तो उन्हें गोली मारी गयी। उन्होंने कहा कि प्रेस तक को घटनास्थल से दूर रखा गया और पोस्टमार्टम के बाद शव को सौंपा गया। पुलिस द्वारा बताये गये तथाकथित एनकाउंटर स्थल पर खून के छींटे भी नहीं पाये गये, जिससे बिल्कुल साफ है कि उनकी हत्या की गयी है। बाबूलाल मरांडी ने घोषणा की कि दोनों मुद्दों पर आगामी 11 सितंबर को भाजपा के लाखों कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल होंगे। अलग अलग प्रखंडों में प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा।

भाजपा समानांतर सरकार चलाने के भ्रम से बाहर निकल कर विकास में सहयोग करे : विनोद पांडेय

भाजपा सत्ता से बेदखली का मातम अब तक नहीं मना पायी : विनोद पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाये गये आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सत्ता से बेदखल भाजपा को आज भी समानांतर सरकार चलाने का भ्रम हो गया है। हर मुद्दे पर भ्रम फैला कर जनता को गुमराह करना ही भाजपा का एजेंडा है। श्री पांडेय ने कहा कि सूर्या हांसदा प्रकरण में भाजपा जिस तरह से राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कर रही है, वह आदिवासी समाज का अपमान है। झामुमो के वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं विधायक हेमलाल मुर्मू पहले ही सूर्या के

आपराधिक जीवन का पूरा विवरण सार्वजनिक कर चुके हैं। ऐसे व्यक्ति को सामाजिक कार्यकर्ता बता कर भाजपा जनता की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को प्रदेश की जनता को बताना चाहिए कि आखिर सूर्या पर दर्ज 24 से अधिक मुकदमों का सच क्या था। सच तो यह है कि प्रदेश की लोकप्रिय हेमंत सरकार को अस्थिर करने का षड्यंत्र त्याग दे।

नगड़ी भूमि विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री पांडेय ने कहा कि भाजपा जानबूझ कर आधे-अधूरे तथ्यों को पेश कर रही है। रैयतों की भावनाओं का सम्मान हेमंत सरकार ने किया है और विकास के साथ अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित कर रही है। जमीन अधिग्रहण का निर्णय पूर्ववर्ती सरकारों में लिया गया था, जिसे लेकर संघर्ष भी हुआ। हेमंत सरकार ने हमेशा संवाद की पहल की है, लेकिन भाजपा सस्ती राजनीति के लिए किसानों को भड़काने से बाज नहीं आ रही।

श्री पांडेय ने कहा कि यदि बाबूलाल मरांडी सचमुच आदिवासी समाज और गरीबों के हितैषी हैं, तो केंद्र की भाजपा सरकार से झारखंड के बकाया खनिज राजस्व, विशेष पैकेज और एमएसपी की गारंटी की मांग करें।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को चाहिए कि वे झूठ की राजनीति छोड़ कर जनता की भावनाओं के अनुरूप सकारात्मक सहयोग करें। हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड को विकास की नयी ऊंचाइयों पर ले जाना हमारी प्राथमिकता है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	32.8 °c	23.4 °c
सूर्यास्त (आज) :	18.01 बजे	
सूर्योदय (कल) :	05.33 बजे	

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 08 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

वित्त मंत्री राधाकृषण किशोर ने शपथ पत्र भर कर जनता को दिया नेत्रदान का संदेश

- मृत्युपरांत नेत्रदान करने वाले 30 परिवारों को वित्तमंत्री राधाकृषण किशोर ने किया सम्मानित
- नेत्रदान जागरूकता के लिए ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन में युवाओं ने दौड़ लगायी
- लगातार 23 सालों से हो रहा रन फॉर विजन एवं 7 वर्षों से ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का आयोजन
- कश्यप मेमोरियल आई बैंक में अब तक करीब 1015 कॉर्निया ट्रांसप्लांट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को 40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा में ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन का भव्य आयोजन आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब एवं कश्यप मेमोरियल आई बैंक के संयुक्त तत्वावधान में संत जेवियर्स कॉलेज परिसर, रांची में किया गया। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री राधाकृषण किशोर ने दौड़ को रंग-बिरंगे बैलूनों को आसमान में उड़ाते हुए रवाना किया। इस दौड़ में संत जेवियर्स कॉलेज एवं उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची, एनएसएस के सैकड़ों युवाओं एवं शहर के कई गणमान्य लोगों ने लिया भाग। ब्लाइंड फोल्डेड रन के बाद नेत्रदान जागरूकता रैली निकाली गयी। इसमें वित्तमंत्री राधाकृषण किशोर आइएमए रांची एवं झारखंड, झारखंड स्टेट सर्विस एसोसिएशन, एफजेसीसीआइ, सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची एवं उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब के अध्यक्ष अनुज सिन्हा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। पिछले 7 वर्षों से रन फॉर विजन का रन की थीम ब्लाइंड फोल्ड रखी जा रही है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करना था।

रन फॉर विजन के विजेताओं को आई-डेक प्रेजिडेंट अनुज सिन्हा, रजिस्ट्रार संत जेवियर्स कॉलेज डॉ फादर प्रभात केनेडी सोरेंग, डॉ प्रोफेसर अनिर्बन गुप्ता, आइएमए झारखंड के सचिव डॉ प्रदीप सिंह, आइएमए रांची के अध्यक्ष डॉ शेखर चौधरी, झारखण्ड स्टेट सर्विस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ बिमलेश सिंह, एफजेसीसीआइ रांची के अध्यक्ष परेश गट्टानी, पदमश्री मुकुंद नायक एवं कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ बीपी कश्यप द्वारा सम्मानित किया गया। नेत्रदान जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आइएमए रांची एवं झारखंड, झारखंड स्टेट सर्विस एसोसिएशन, एफजेसीसीआइ, सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची एवं उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

डॉ भारती कश्यप, मेडिकल डायरेक्टर, कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने बताया की आज यहां कश्यप मेमोरियल आई बैंक और आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में हम लोग लगातार सातवीं बार ब्लाइंडफोल्डेड रन फॉर विजन का आयोजन कर रहे हैं। यह 23वां रन फॉर विजन है। यह अपने आप में यूनिक और अनूठा है। इसलिए भी राज्य के बड़े ट्राइबल लीडर्स जैसे शिबू सोरेन, अर्जुन मुंडा, बाबूलाल मरांडी, महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने रन फॉर विजन में न केवल भाग लिया है, बल्कि शपथ पत्र भर के स्थानीय लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित भी किया है। अब तक हम लोगों ने 1015 नेत्र प्रत्यारोपण किये हैं और पिछले 5 वर्ष में अब तक कुल 490 नेत्र प्रत्यारोपण किये हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि झारखंड बिहार का नेत्र प्रत्यारोपण की शुरुआत का श्रेय हमें प्राप्त है और आज भी झारखंड का सबसे ज्यादा नेत्र प्रत्यारोपण हमारी संस्था द्वारा किया जाता है।

अंत में कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के डिप्टी डायरेक्टर डॉ बिभूति कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन किया और उन्होंने कर्यक्रम में मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों, नेत्रदान करने वाले लोगों के परिजनों एवं कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद कहा।

इस अभियान से जुड़ कर नेत्रदान करनेवाले परिवारों को वित्तमंत्री राधाकृषण किशोर द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित होनेवालों में सत्यनारायण अग्रवाल, गोपाल राम अग्रवाल, पुखराज रामपुरिया, उषा परसरामपुरिया, नंदलाल राठौड़, मीरा बुधिया, गीता देवी, राधे श्याम केजरीवाल, शांति देवी मानसिंका, दिलीप कुमार बुधिया, आनंद राम भगत, रीता देवी, प्रेमा धनुका, गीताश्री मलिक, गीताश्री बजाज, सावित्री देवी टांटिया, उमा मेहरा, गौरी देवी राठौड़, कैलाश प्रसाद चौधरी, कमला देवी सुदीप कुमार कर्म, बाल मुकुंद गुप्ता, चनिया देवी, लक्ष्मी देवी परसुरामपरिया, जमुना देवी खेतान, बिमल जैन, योगेंद्र नारायण सिन्हा, इंदु अग्रवाल, संतोष कुमार अग्रवाल और मीरा प्रतापसिंह रायपत शामिल हैं।

ब्लाइंड फोल्ड रन फॉर विजन के 10 ग्रुप के विजेता बच्चे

ग्रुप	प्रथम विजेता	द्वितीय विजेता
ग्रुप 1	अंजलि कुमारी तनु कुमारी	सान्वी खलखो नेहा कुमारी
ग्रुप 2	अंजलि कुमारी शानवी सिंह	आकांशा जालक्सो साक्षी हांसदा
ग्रुप 3	मेरा मुर्मू दीपशिखा बोरा	अनोखी हांसदा मिसल खलखो
ग्रुप 4	सुप्रिया गारी सृष्टी कुमारी	अर्चना सोरेन निशि किस्पोट्टा
ग्रुप 5	निशा कच्छप चंचल कुमारी	अलका इंदवार नेहा साव
ग्रुप 6	सुंदरम कुमार अनुराग एक्का	प्रिंस साव रोहित कुमार
ग्रुप 7	संजीव कुमार ताशीन अकबर	विक्रम देव शाश्वत पाठक
ग्रुप 8	अरुण उरांव सौरभ राज	अमन कुमार शिवम
ग्रुप 9	आयुष प्रभाकर आर्यन राज	मयंक भारती करण यादव
ग्रुप 10	स्वर्णदीप प्रवीण एक्का	ध्रुव कुमार गुप्ता लक्ष्मीकांत महतो

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।
- **वृष** आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।
- **मिथुन** आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- **कर्क** आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।
- **सिंह** कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।
- **कन्या** काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
- **तुला** कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।
- **वृश्चिक** चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।
- **धनु** समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
- **मकर** नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।
- **कुंभ** रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।
- **मीन** किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

संडे ऑन साइकिल में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली/रांची। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत दिल्ली में आयोजित संडे ऑन साइकिल में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुआ। इसे ओलंपियन, पहलवान और पद्म श्री पुरस्कार विजेता साक्षी मलिक ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केंद्रीय खेलकूद एवं युवा मामले के मंत्री मनसुख मंडाविया, राज्य मंत्री रक्षा खड़से, राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और सांसद नवीन जिंदल सहित कई सांसद एवं नागरिक मौजूद रहे।

देशभर में स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया और विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण अभियान है। संडे ऑन साइकिल अब समाज के हर वर्ग का अभियान बन चुका है। अब तक इसमें समाज के विभिन्न वर्गों - शिक्षकों, पत्रकारों, डॉक्टरों, सशस्त्र बलों के कर्मियों आदि की सक्रिय भागीदार देखने को मिली है। इस यात्रा को जारी रखते हुए आज आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी पर गर्व के संदेश के साथ आज जनप्रतिनिधि भी इसमें शामिल हुए। बहुत जल्द यह अभियान रांची में भी आरंभ किया जायेगा।

वाहेगुरु से बाढ़ग्रस्त पंजाब और आसपास के लोगों की सलामती के लिए अरदास की

रांची (आजाद सिपाही)। प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे पंजाब एवं आसपास के राज्यों के लोगों की सलामती के लिए रविवार को गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा कृष्णा नगर कॉलोनी में विशेष दीवान सजाया गया। गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा कृष्णा नगर कॉलोनी में रोजाना सजनेवाले सुबह के दीवान में सुबह 8.30 बजे से साध संगत द्वारा श्री जपुजी साहिब का सामूहिक पाठ पढ़ा गया। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने वाहेगुरु से अरदास कर प्राकृतिक आपदा से जूझ रहे पंजाब के लोगों की सलामती की अरदास की। सत्संग सभा के प्रधान अर्जुन देव मिढ़ा ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि पंजाब में बाढ़ से स्थिति भयावह हो गयी है। वाहेगुरु की मेहर से सब कुछ जल्दी ठीक होने की कामना है। दीवान में सुरेश मिढ़ा, मनीष मिढ़ा, हरगोविंद सिंह, मोहन काठपाल, हरीश मिढ़ा, रमेश पपनेजा, इंदर मिढ़ा, आशु मिढ़ा, नवीन मिढ़ा, राकेश गिरधर, शीतल मुंजाल, रेशमा गिरधर, इंदु पपनेजा, नीता मिढ़ा, ममता थरेजा, बिमला मिढ़ा समेत अन्य उपस्थित थे।

टीम तुलसी पटेल ने गिरिडीह चैंबर के पदाधिकारियों से मिल कर मांगा समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर चुनाव को लेकर टीम तुलसी पटेल ने रविवार को गिरिडीह जिले को दौरा किया। टीम के सदस्यों ने गिरिडीह जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से मुलाकात कर सार्थक संवाद किया। अध्यक्ष पद के दावेदार तुलसी पटेल ने अपने समर्थन में वोट मांगते हुए राज्य के व्यापारियों और उद्योगपतियों के उद्योग का कैसे विकास हो, उस पर अपना विजन बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के व्यापारियों और उद्योगपतियों के सहयोग से उद्योग जगत का समग्र विकास संभव है। सरकार के साथ तालमेल बैठाकर काम करेंगे। संवाद करने से ही व्यवसायियों और उद्योगपतियों की समस्याओं का निदान होगा। तुलसी पटले अपनी टीम का परिचय कराया और कहा कि टीम में अनुभवी और उर्जावान सदस्यों का संगम है। इसका लाभ आने वाले समय चैंबर को मिलेगा। बैठक में लगभग 100 मतदाता शामिल होकर समर्थन और सुझाव दिये। सभी लोगों ने समर्थन देने की बात कही।

बैठक के बाद गिरिडीह चैंबर के कोषाध्यक्ष विकास खेतान के पिता के निधन पर शोक जताया गया। मौके पर अशोक पांडे, निर्मल झुनझुनवाला, प्रदीप अग्रवाल, अशोक जैन, गुणवंत सिंह मोंगिया, प्रमोद कुमार, राजेंद्र भरतीया, राजेंद्र बगड़िया श्रवण केडिया, रालेश मोदी, मुकेश जलान, राजेश मोदी, अनूप तुलस्यान, संजय साव, प्रदीप जालान, अनिल टिबड़ेवाल, शंभू जैन, दिनेश खेतान, ध्रुप संथोलिया, अनूप तुलस्यान आदि मौजूद थे।

श्री दुर्गापूजा महोत्सव 2025 को सफल बनाने के लिए युवा दस्ता रांची की बैठक

- बैठक में युवा दस्ता के संगठन का विस्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री दुर्गापूजा महोत्सव 2025 को सफल बनाने के लिए युवा दस्ता रांची की बैठक श्री दुर्गा मंदिर, लेक रोड, बड़ा तालाब के प्रांगण में हुई। इसमें युवा दस्ता के संस्थापक सह मुख्य संग्रक्षक राजीव रंजन मिश्रा, विश्व हिंदू परिषद के महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी, श्री राम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह, समाजसेवी उपेंद्र रजक, राज किशोर, गोपाल पारीक, कुमार रोशन साहू उपस्थित थे।

बैठक की अध्यक्षता पीयूष आनंद ने की एवं संचालन मंटू दुबे ने किया। बैठक में धन्यवाद ज्ञापन ज्योति शंकर साहू द्वारा दिया गया। बैठक में शामिल सभी नये सदस्यों का स्वागत पट्टा पहनकर किया गया एवं सेवा कार्य का संकल्प दिलाया गया।

बैठक में युवा दस्ता के संगठन का विस्तार किया गया। इसमें मुख्य संरक्षक - संजय सेठ (राज्य रक्षा मंत्री सह सांसद रांची), प्रदीप वर्मा (राज्यसभा सांसद), संरक्षक - रामधन बर्मन , कुणाल अजमानी , प्रणय कुमार , रवि कुमार पिंकू , किशोर साहू , शंकर दुबे , रमेश सिंह , महेश चंद्रा , कुमार गणेश साहू, उपाध्यक्ष - करण नायक, मीडिया प्रभारी - नवनीत पांडेय।

युवा दस्ता ग्रामीण क्षेत्र : मुख्य संरक्षक मदन कुमार साहू, अध्यक्ष मनीष कुमार केसरी, कार्यकारी अध्यक्ष मुन्ना बड़ाईक, महामंत्री ज्योति शंकर साहू, उपाध्यक्ष सिकंदर महतो, मंत्री अरविंद जैसवाल, सह मंत्री हेमंत साहू और कार्यसमिति सदस्य में डॉ विनोद सिंह, डीएन सिंह, अखिलेश मिश्रा, सुनील साहू, सत्रुधन साहू, सुमित कुमार प्रसाद शामिल हैं।

बैठक में जिला प्रशासन से सड़क के गड्ढों को भरने, खराब स्ट्रीट लाइट की ठीक करने, झूलते हुए बिजली के तार ठीक करने और सुचारू रूप से बिजली व्यवस्था ठीक करने की मांग की गयी।

बैठक में तय किया गया कि पिछले 35 वर्षों से राजधानी में पूजा को सौहार्दपूर्ण सफल बनाने वाला युवा दस्ता अपने 36वे वर्ष में और भी जोश एवं गंभीरता से अपनी भूमिका निभायेगा। इस वर्ष सैकड़ों सक्रिय कार्यकर्ता एवं नौजवान मां भवानी के दर्शनार्थियों के सेवा एवं सुरक्षा में अपना योगदान देंगे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 सितंबर को युवा दस्ता के सक्रिय एवं युवा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा पूजा के दौरान जिला प्रशासन के साथ तालमेल कर शहर के सभी पूजा पंडालों की सुरक्षा एवं दर्शनार्थियों की सुरक्षा में हजारों सदस्य कार्य करेंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए दस्ता के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि युवा दस्ता पिछले 35 वर्षों से रांची में अपना सेवा दे रहा है। इस वर्ष दस्ता के 36वें वर्ष भी अपनी सेवा देने के लिए तैयार है। श्री मिश्रा ने नये सदस्यों को युवा दस्ता के द्वारा किये जाने वाले सेवा कार्यो से अवगत कराया।

उपेंद्र रजक ने कहा कि हमारे दस्ता के सदस्य रांची के विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण कर उनकी समस्याओं को जानेंगे। मंटू दुबे ने कहा कि शांतिपूर्ण पूजा संपन्न कराने के लिए सरकार एवं जिला प्रशासन से पूजा के दौरान पूर्ण शराबबंदी करने की मांग गयी है।

बैठक में प्रकाश चंद्र सिन्हा, कैलाश पारीक, शुभम जैसवाल, रवि कुमार पटवा, अभी कुमार पटवा, संदीप केसरी, विक्की कुमार , राजीव नाग, आयुष सिंह, हिमांशु राज, बिकाश चौधरी, सत्यम मिश्रा, युवराज महतो, अखिलेश कुमार मिश्रा, आदित्य कुमार अटल, निशु पासवान, संतोष कुमार सोनी सहित सैकड़ों पदाधिकारी, सदस्य, प्रभारी एवं क्षेत्रीय प्रभारी शमिल थे।

16 से 22 सितंबर तक एक्सपो उत्सव की धूम

मोराबादी में मेले का भूमि पूजन किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेसीआइ रांची का बहुप्रतीक्षित एक्सपो उत्सव 2025, 16 से 22 सितंबर तक मोरहाबादी मैदान में आयोजित होगा। झारखंड का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर और कंज्यूमर फेस्ट माने जाने वाले इस मेले की शुरुआत रविवार को भूमि पूजन के साथ हुई। पूजा-अर्चना के बाद अब अगले 8 दिनों में मोराबादी मैदान मेले के लिए पूरी तरह तैयार हो जायेगा।

इस बार एक्सपो उत्सव पूरे 7 दिनों तक चलेगा। दुर्गा पूजा और दिवाली से पहले यह मेला खरीदारी के लिए शानदार मौका लेकर आयेगा। कपड़े, गाड़ियां, मोटरसाइकिल, ई-स्कूटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, रसोई उपकरण, घर सजावट का सामान, बच्चों के खिलौने और अन्य जरूरी चीजें यहां आसानी से मिलेंगी। मेले में आम लोगों के लिए प्रवेश सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक होगा। शनिवार को नाइट बाजार और रविवार को कुछ अतिरिक्त समय के लिए मेला खुला रहेगा। भूमि पूजन समारोह में एक्सपो उत्सव के मुख्य संचालक सिद्धार्थ जयसवाल, मंजूषा जयसवाल, अध्यक्ष प्रतीक जैन, विक्रम चौधरी, सौरभ शाह और नवीन गाड़ोदिया मौजूद थे।

राज्य सरकार रोहिंग्या, बांग्लादेशी को बसाती है और झारखंडियों को उजाड़ रही : बाबूलाल मरांडी

बेघर लोगों को लेकर जायेंगे मुख्यमंत्री आवास

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार की शाम बिरसा चौक के निकट हरमू बाईपास रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान के नाम पर बेघर हुए लोगों से मुलाकात की और हाल जाना।

श्री मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार निकम्मी और निरंकुश भी है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार राज्य में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बसाने में तो कोई कसर नहीं छोड़ती, लेकिन 50 वर्षों से अधिक समय से किसी प्रकार अपनी झोपड़ी, घर बना कर रहने वाले गरीबों को उजाड़ने में तनिक भी देर नहीं करती। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोग सभी झारखंडवासी हैं कोई विदेशी खानाबदोश नहीं। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में आज सैकड़ों लोग बीमार बुजुर्गों, छोटे छोटे बच्चों, महिलाओं के साथ खुले आसमान के नीचे जिंदगी बिताने को मजबूर हो गये हैं। कहा कि यह कार्रवाई संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। सरकार लोगों के पुनर्वास की चिंता किये बगैर उजाड़ रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार अगर उजड़े लोगों की चिंता दूर नहीं करती तो वे प्रभावित लोगों, परिवारों के साथ मुख्यमंत्री आवास जायेंगे। सभी प्रभावित गरीब परिवार मुख्यमंत्री आवास में घुस कर वहीं रहने को विवश होंगे।

खेल मनोविज्ञान के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए नामांकन शुरू

रांची (आजाद सिपाही)। खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में करियर के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के मनोविज्ञान विभाग के अंतर्गत खेल मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की शुरूआत वर्तमान सत्र से की जा रही है। इस पाठ्यक्रम में आवेदन करने हेतु विद्यार्थियों को मनोविज्ञान विषय में स्नातक की उपाधि प्राप्त होनी चाहिए। इस पाठ्यक्रम से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त विद्यार्थी खेल मनोविज्ञानी के तौर पर खेल टीमों, कालेजों, मनोवैज्ञानिक क्लिनिक और भारतीय खेल प्राधिकरण जैसे संगठनों से जुड़ कर आजीविका प्राप्त कर सकते है। साथ ही शिक्षण और स्वनियोजित सलाहकार के तौर पर भी रोजगार प्राप्त कर सकते है। इस पाठ्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी विभागाध्यक्ष डॉ मीनाक्षी कुजूर से प्राप्त की जा सकती है।

श्री राधा-कृष्ण मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद का वितरण किया गया

भजन- कीर्तन में भक्तगण खूब झूमे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में रविवार को 226वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का महाप्रसाद श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा 101 किलो दूध का केसरिया खीर का महाप्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग सुबह 10 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाया गया। तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

भजन जागरण के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने कृष्ण दरबार में मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झुमाया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गयी। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि चंद्र ग्रहण सूतक के कारण अपराह्न-12:50 बजे पूरा मंदिर का पट दिन-भर के लिए बंद कर दिया गया था। मंदिर का पट 8 सितंबर को प्रातः 5:30 बजे खुलेगा। इस अवसर पर विजय अग्रवाल, निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, नंद किशोर चौधरी, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, मधुसूदन जाजोदिया, संजय सर्राफ, बिष्णु सोनी, सुरेश अग्रवाल, सुरेश चौधरी, पवन पोद्दार, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं-पुरुष उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ और ज्ञान भूमि संस्था का नामकुम में मेगा ब्लड कैंप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ और ज्ञान भूमि संस्था के बैनर तले नामकुम बस्ती के कजरिया शोरूम परिसर में मेगा ब्लड कैंप का आयोजन रविवार को किया गया। इसमें 100 यूनिट से अधिक ब्लड डोनेशन किया गया। इस मौके पर 65 वर्षीय आरपी सिंह ने 55 बार रक्तदान किया इन्होंने घोषणा किया कि जब तक ताकत रहेगी, समाज के लिए रक्तदान करते रहेंगे। इस ब्लड कैंप में पारस हॉस्पिटल की टीम ने शमीम अंसारी, प्रिया केरी, सुजीत कुमार, निखिल कुमार, सौरभ कुमार, मुस्कान सहित कई का योगदान रहा।

इस मौके पर राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रजापति के द्वारा रक्तदान शिविर का उद्घाटन फीता काट के किया गया। जन्मभूमि संस्था के द्वारा दिनेश प्रजापति को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रजापति, प्रताप कुमार, ललन प्रजापति, सूरज प्रजापति, गणेश प्रजापति, हीरालाल प्रजापति, गोपाल प्रजापति , ज्ञान भूमि संस्था के अध्यक्ष गणेश प्रजापति, बिरसा पाहन, रणविजय सिंह, अखिलेश चंद्र, शंकर कुमार गुप्ता सहित कई लोगों ने अहम योगदान दिया।

बिजली व्यवस्था ध्वस्त, एक ही जगह पर जमे अफसर इसके लिए हैं जिम्मेदार : अजय राय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने रांची की बदहाल बिजली व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से बिजली से संबंधित समस्याओं के समाधान की मांग की। ऐसा नहीं होने पर उन्होंने राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी।

अजय राय ने रविवार को कहा कि रांची के लोग रोजाना घंटों अंधेरे में जीने को मजबूर हैं और विभाग के अधिकारी मलाई काट रहे हैं। लेकिन सरकार ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारियों पर कार्रवाई नहीं करती। उन्होंने भ्रष्टाचार और लापरवाही के लिए सीधे विभागीय अफसरशाही को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं पर फर्जी बिल थोपे जा रहे हैं। किसी पर लाखों रुपये का बकाया दिखाया जा रहा है, तो कहीं छोटे दुकानदारों और मध्यम वर्गीय परिवारों का कनेक्शन बिना नोटिस काट दिया जाता है। स्मार्ट मीटर के नाम पर भी अवैध वसूली जारी है। बिजली विभाग अब सेवा देने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता को लूटने वाला गिरोह बन चुका है।

अजय राय ने बताया कि हिनू, डोरंडा, बूटी मोड़, कांके रोड, कांटाटोली, चुटिया, धुर्वा और अन्य इलाकों में रोजाना 5-6 घंटे की अंधाधुंध कटौती हो रही है।

अजय राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि राजधानी की बिजली व्यवस्था पर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हो, वर्षों से जमे अफसरों को हटाया जाये और उपभोक्ता समस्याओं के समाधान के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई जाये। ऐसा नहीं होने पर संघ जनता के साथ राज्यव्यापी आंदोलन करेगा।

जीएसटी में कटौती का लाभ करोड़ों लोगों को मिलेगा: सांवरमल अग्रवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत सरकार ने जीएसटी काउन्सिल द्वारा टैक्स के सैल्ब में किये गये मिलेगा। यहां की पहचान में बढ़ोतरी होगी। यह बात झारखंड प्रदेश भारतीय जनता के पूर्व प्रदेश मिडिया प्रभारी सांवरमल अग्रवाल ने कहा है कि इस के साथ ही यहां की कला, संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर बाजार के साथ आदिवासी समुदाय समृद्ध की ओर कदम बढा पायेगा तथ इन क्षेत्रों में काम करने वाले मलोगों की आय बढ़ेगी। झारखंड में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इन क्षेत्रों में टैक्स ढांचे को पारदर्शी और उपभोक्ता हितैषी व रोजगार की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए बनाने अहम निर्णय है। अब हस्तकला, हस्तशिल्प, जनजाति कला पर 12 प्रतिस्त के स्थान पर 5 प्रतिशत जीएसटी लिया जायेगा, जिससे इन वस्तुओं के लिए बाजार की उपलब्धता के साथ रोजगार के अवसर में भी बढ़ोतरी होगी। झारखण्ड में रेशम व हाथकरघा को को लाम होगा। पूर्व में इन पर 18 प्रतिशत बदलें 5 प्रतिशत टैक्स लगने से बूनकरो को तो राहत मिलेगी ही, ग्रामीण कारिगरो को रोजगार के मार्ग उपलब्ध होंगे और उनकी आय में वृद्धि के साथ वे अपने बच्चों के लिए खरीदगी भी पहले से ज्यादा कर पायेंगे।

टैक्स ढांचे में सुधार पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के झारखण्ड प्रदेश के पूर्व मिडिया प्रभारी सह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सांवरमल अग्रवाल ने कहा है कि राज्य में वन आधारित उद्योग (लकड़ी व बास) पर 12 प्रतिशत के स्थान पर 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा तो इस क्षेत्र में लोगों की आमदनी बढ़ेगी, वहीं कृषि, लाख व वन उत्पादन 12 से 5 प्रतिशत किया गया है, जिस से इन क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को काफी लाभ व रोजगार के अवसर पैदा होंगे, जिस से गांव के विकास होगे, नवीन ऊर्जा एवं ग्रामीण विद्युतीकरण पर भी जीएसटी 12 के बदले 5 प्रतिशत किया गया है, गांव गांव में उजाला की रौशनी का लाभ भी वहां के लोगो मिल पायेगा।

सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम से मना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल, पुन्दाग में शिक्षक दिवस का उत्सव बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर, सबसे पहले शिक्षकों को नागपुरी गीतों के साथ मंच पर आमंत्रित कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आदरणीय प्रधानाचार्य मो नेजातुल्लाह और उप-प्रधानाचार्या मंजु पांडे की उपस्थिति में हुई। प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षकों को उनके निस्वार्थ सेवा और समर्पण के लिए धन्यवाद दिया, जबकि उप-प्रधानाचार्य मंजु पांडे ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यालय के निदेशक दीपक कुमार सिन्हा और राम प्रवेश भारती ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। बच्चों ने स्वागत गीत गाकर कार्यक्रम को और भी खास बना दिया।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षकों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए उपहार देकर सम्मानित किया। साथ ही, कुछ पूर्व शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया, जिनमें मंजु पांडे, जोहरा जमाल, पूनम मुंडा, जगरनाथ मरांडी, और रेबा टोप्पो जैसे नाम शामिल थे। नन टीचिंग स्कूल स्टाफ, सुनीता दी , रेखा दी और कौशल भैया इस समारो में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्मिता सिम्मी मिंज एवं आराध्या कुमारी ने किया।

वेटिकन सिटी के प्रारूप पर बन रहा आरआर स्पोर्टिंग क्लब का पूजा पंडाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आरआर स्पोर्टिंग क्लब रातू रोड का पंडाल नयी थीम पर बन रहा है। इस बार वेटिकन सिटी की थीम पर पूजा पंडाल बनाया जा रहा है। वहां की शैली पर बना यह पंडाल शहर के अन्य पूजा पंडालों से अलग होगा। इस बार भी जोरशोर से पूजा महोत्सव का आयोजन होगा। शहर के बड़े पूजा पंडालों में से एक इस पूजा पंडाल में दर्शकों की भीड़ उमड़ती है। यहां की पूजा पिछले वर्षों की तुलना में भव्य होगी।

यहां आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए वेटिकन सिटी की तर्ज पर बना पंडाल का सौंदर्य एक अलग अंदाज में होगा। इस बार यहां के पूजा आयोजन का कुल बजट 85 लाख रुपए है। इसमें केवल पंडाल के निर्माण पर 68 लाख रुपए खर्च होंगे। लाइटिंग पर आठ लाख और पूजा के अन्य आयोजन पर पांच लाख रुपए खर्च होंगे। पंडाल का निर्माण जोरशोर से हो रहा है। इसके निर्माण में 60 से 70 कारीगर दिन-रात लगे हैं और उसे मूर्त रूप दे रहे हैं।

पूजा को सफल बनाने में मुख्य संरक्षक- विक्की यादव, अध्यक्षः राहुल यादव, कोषाध्यक्षः रोहित यादव, कार्यकारिणी उपाध्यक्षः अभिमन्यु सिंह यादव, मुख्य पुजारीः संतोष पाठक, सचिवः अजित कुमार, महासचिवः धर्मेंद्र कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्षः बब्लू सिंह, सुभाष राय और मनोज अग्रवाल, उपाध्यक्षः साजन सेठ, अभिषेक तिवारी, बिट्टू चौधरी, सचिन चौधरी, दीपक वर्मा, टिंकू यादव सुरज वर्मा, वरिष्ठ प्रचार मंत्रीः राजू राय, महामंत्रीः राजा सिंह, शुभम चौधरी, रवि यादव, प्रिंस गुप्ता, संजीव सिंह, साहिल वर्मा, उमेश गुप्ता, सानी, महेंद्र, अजित पाठक, अजय तिवारी मंत्री नीरज तिवारी, चुन्नू मिश्रा, सेंटी यादव, गौरव, प्रचार मंत्रीः बिट्टू साही, मीडिया प्रभारी आयुष राज वर्मा राजवीर चौधरी, मुख्य सलाकार टुनटुन सिन्हा ये लोग दिन रात लगे है।

सुनील सहाय झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट मनोनीत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय को झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन का (सत्र 2025-29) एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट मनोनीत किया गया है।

झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ. मधुकांत पाठक ने संघ की वार्षिक आम सभा में लिए गए निर्णय के बाद श्री सहाय को उक्त आशय से संबंधित मनोनयन पत्र सौंपा।

डॉ. पाठक ने कहा कि श्री सहाय के अनुभव, समर्पण एवं दूरदर्शिता से झारखंड ओलंपिक संघ को कुशल मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इसके साथ ही झारखंड में खेलकूद को बढ़ावा मिलेगा। खेल के क्षेत्र में श्री सहाय के सहयोग व उनकी सक्रिय भागीदारी से संघ को मजबूती मिलेगी। वहीं, राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। श्री सहाय के झारखंड ओलंपिक संघ के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट मनोनीत होने पर उनके शुभचिंतकों, खिलाड़ियों, रिश्तेदारों, परिजनों व मित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

महत्वपूर्ण खबरें

रोटी बैंक रांची को मिली चावल बनाने की मशीन

रांची (आजाद सिपाही)। समाज के दानदाताओं द्वारा रोटी बैंक रांची को चावल बनाने की मशीन दान में प्राप्त हुई। इसका विधिवत पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस मशीन में एक घंटे में साठ किलो चावल बनेगा। यह चेन्नई से लायी गयी है। विदित हो कि रोटी बैंक रांची के द्वारा साढ़े पांच वर्षों से झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स परिसर सहित अन्य स्थानों पर जरूरतमंदों को प्रतिदिन निःशुल्क भोजन कराया जा रहा है , जिसका एकमात्र सामाजिक उद्देश्य कोई भूखा न सोये। दाताओं ने कहा कि समाज में रोटी बैंक मानवीय कार्य कर रहा है, इनका सहयोग करना हमारा परम कर्तव्य है। चावल बनाने की मशीन दान कर हम सभी को सुखद अनुभूति हो रही है। रोटी बैंक रांची के संस्थापक विजय पाठक ने दान दाताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि आपका सहयोग सदैव हमें मानवीय कार्य के लिए प्रेरित करता रहेगा। चावल बनाने का मशीन मिल जाने से सेवा कार्य करना और भी आसान होगा ।

वन बंधु परिषद ने एकल विद्यालय के आचार्यों को किया सम्मानित

खूंटी (आजाद सिपाही)। वन बंधु परिषद ने खूंटी जाकर वहां के एकल विद्यालय के 33 एकल आचार्यों को किया सम्मानित। वन बंधु परिषद की रांची शाखा ने आज खूंटी जाकर वहां चल रहे एकल विद्यालय के कई आचार्यों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। जिसमें अड़की से फलिंद अहीर, शकुंतला देवी सुधा कुमारी। मुरहू से सुधा देवी, संगीता एवं चाहु। रनिया से गायत्री देवी, सुष्मिता एवं राजमुनी। खूंटी से अंजू देवी, पुष्पा देवी, राजमुनी। तोरपा से मिथिलेश्वरी देवी रेखा, नंदिता एवं योगेश्वरी देवी। खूंटी से अंजू पुष्पा एवं ऊषा देवी आदि को सम्मानित किया गया। वन बंधु परिषद के अध्यक्ष अंचल किंगर ने उपस्थित सभी आचार्यों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ योगा, पर्यावरण, देशभक्ति स्वालंबन,संस्कार, जागरण की शिक्षा से भी निपुण बनाना है एकल के हर बच्चे को। इस कार्यक्रम में रांची से रमेश धरनीधरका, अंचल किंगर, मनोज तुलस्यान, राजेश अडूकिया, विजया आजमानी, दीपक श्रीवास्तव, ललित त्रिपाठी, परमजीत होरा, शशि कुजारा, मेघा कपूर एवं एकल विद्यालय के खूंटी अंचल के जिलाध्यक्षज्योति कुमार भगत, उपाध्यक्ष मनोज कुमार एवं बालमुकुंद कश्यप भी शामिल थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजनाथ उरांव, अर्जुन सिंह, सुंदर पाहन, चंद्रशेखर कुमार, वीरेंद्र मुंडा,रूपा देवी, सुषमा देवी शामिल थी।

स्कूली छात्राओं के बीच पठन-पाठन सामग्री वितरित

रांची (आजाद सिपाही)। धुर्वा के टंकी साइड स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के निकट रविवार को आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच समाजसेविका पूनम सिंह ने पठन-पाठन सामग्री (पेन-पेंसिल, शार्पनर, इरेजर, कॉपी,फोल्डर आदि) का वितरण किया। रातू रोड के ओटीसी ग्राउंड (हेहल) निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अनिल बजाज और वेस्ट एंड पार्क, काजू बागान (हेहल) निवासी सेवानिवृत्त बैंककर्मी कृष्ण मुरारी गिरी के सौजन्य से बच्चों के लिए पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराई गयी। इस मौके पर समाजसेविका पूनम सिंह ने कहा कि सामाजिक सशक्तिकरण के लिए शिक्षित समाज का होना जरूरी है। शिक्षा के माध्यम से हमें ज्ञान प्राप्त होता है और ज्ञान प्राप्ति बेहतर जीवन जीने का एक सशक्त साधन है। पूनम सिंह ने बच्चों को मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करने तथा राष्ट्र के नवनिर्माण में सहभागिता निभाने का संकल्प दिलाया। हमारा सरना स्थल जहां लोग श्रद्धा से पूजा प्रार्थना करने आते हैं, लेकिन शराब दुकान खोलने की वजह से यहां असामाजिक तत्वों की भीड़ लगी रहती है। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा यह मांग करती है कि सिर्फ मोराबादी मैदान में ही नहीं पूरे झारखंड में जहां भी शिक्षण संस्थान अस्पताल धार्मिक स्थल के आसपास शराब दुकान खुली है उनको जल्द से जल्द बंद करवाने का कम करें। नहीं तो आदिवासी समाज के द्वारा जोरदार आंदोलन होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य पहान जगलाल पहान, मुन्ना हेमरोम, विशाल मुंडा, बबलू मुंडा, दीपक हेंब्रम, दिनेश मुंडा, रजनी टोप्पो, गीता कुजूर, पिंकी उरांव, बिना टोप्पो, मुखिया टोप्पो जल्दी उरांव, विमल हेंब्रम, रम्य देवी, पार्वती हेंब्रम, जगत उरांव, महावीर उरांव, एलबी पहान, अशोक उरांव, रविकांत टोप्पो, सूर्य तिर्की, राजू हेंब्रम, मनीष मुंडा, अशोक टोप्पो, बंटी समासी, श्याम उरांव, मंदुल केरकेट्टा, मोना मुंडा, राम टोप्पो, वीरेंद्र उरांव, आदि ग्रामवासी उपस्थित थे।

नीरजा सहाय डीएवी में शिक्षक दिवस मनाया गया

रांची (आजाद सिपाही)। कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी में शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए आर्ट ऑफ लीविंग संस्था के सौजन्य से ₹हेल्थ एंड हैप्पीनेस₹ टॉपिक पर सेमिनार का आयोजन किया गया । इस सेमिनार के माध्यम से आज के तनावपूर्ण एवं प्रतिस्पर्धी समय में कार्यक्षेत्र, परिवार, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य आत्मिक खुशी इत्यादि के बीच सामंजस्य स्थापित कर जीवन का आनंद लेते हुए जीने की कला को विकसित करने के कुछ अचूक उपाय शिक्षकों के साथ साझा किए गए। कार्यक्रम का संचालन 'आर्ट ऑफ लीविंग ' संस्था के प्रतिनिधियों डॉ हम्पी चक्रबर्ती और श्री हर्ष वैदेया ने किया। हर्ष एक सर्टिफाइड योगा ट्रेनर हैं जबकि डॉ हम्पी एक शिक्षिका होने के साथ ही साथ कंटेंट राइटर और कंसल्टेंट भी हैं। इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती किरण यादव ने कहा कि विद्यालय में शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को इस प्रकार की ट्रेनिंग और सेमिनारों के माध्यम से दैनिक जीवन के तनाव और क्षोभ को दूर करने का आसान तरीका बताया जाता है जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर डालता है और इससे उनकी कार्य क्षमता और कार्य कुशलता का भी विकास होता है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Channel 1
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 08 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

लालपुर में ओम गर्ल्स हॉस्टल से हो रहा था सेक्स रैकेट का संचालन

पुलिस ने छापामारी कर हॉस्टल से 10 लड़कियों को किया बरामद

- एक युवक और एक महिला भी हिरासत में

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लालपुर थाना क्षेत्र स्थित ओम गर्ल्स हॉस्टल में इन दिनों देह व्यापार में शामिल लड़कियों का ठिकाना बना हुआ था। मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची पुलिस द्वारा कार्रवाई की गयी है। गर्ल्स हॉस्टल में छापेमारी कर सेक्स रैकेट का संचालन कर रहे एक युवक और एक महिला सहित एक दर्जन लड़कियों को हिरासत में लिया गया है।

एसएसपी ने बताया कि जानकारी मिली थी कि कुछ लोग गर्ल्स हॉस्टल की आड़ में जिस्मफरोशी का धंधा चला रहे हैं। मामले की जांच करवाने के बाद इसमें सत्यता पायी गयी। इसके बाद सिटी डीएसपी केवी रमण और कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर उसमें बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों के साथ आधा दर्जन डीएसपी और लालपुर, कोतवाली, महिला थाना प्रभारी को दलबल को शामिल किया गया। टीम ने लालपुर थाना क्षेत्र स्थित ओम गर्ल्स हॉस्टल (लैंड मार्क होटल के पीछे) में छापामारी कर एक युवक, एक महिला और 10 लड़कियों को हिरासत में लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। रैकेट का संचालन कर रहे युवक और महिला से पूछताछ जारी है।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इन लड़कियों को हॉस्टल में रखा जाता था। वहीं से लड़कियों को विभिन्न जगहों पर ग्राहकों के पास भेजा जाता था।

सिटी डीएसपी ने कहा कि पूछताछ के बाद इस मामले में और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है। साथ ही रैकेट में शामिल अन्य लोगों को भी जल्द गिरफ्तार किया जायेगा। अभी तक जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार इस रैकेट का संचालन एक युवक और एक महिला के साथ चार-पांच लोगों द्वारा किया जा रहा था।

एसएसपी ने बताया कि हाल के दिनों में पुलिस द्वारा होटल में चलने वाले देह व्यापार गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गयी थी। इसके बाद से ही रैकेट चलाने वाले लोग अपना ठिकाना बदल रहे थे। इसी क्रम में जानकारी मिली कि अब गर्ल्स हॉस्टल के जरिए रैकेट चलाया जा रहा है। फिलहाल इस पूरे रैकेट में गर्ल्स हॉस्टल के संचालक की क्या भूमिका है, इसकी भी जांच की जा रही है। कई लड़कियां बाहर से मंगायी गयी है। लड़कियों को गर्ल्स हॉस्टल में रख कर रात में ग्राहक के पास भेजा जाता था। इसी बीच कुछ लड़कियों ने पैसे को लेकर रैकेट का संचालन कर रहे महिला और पुरुष से कहासुनी हुई थी। इसके बाद ये सूचना बाहर निकली की हॉस्टल से सेक्स रैकेट का संचालन हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने छापेमारी की है। गर्ल्स हॉस्टल से लड़कियों को बाइक (रेपिडो) से कस्टमर के पास भेजा जाता था। ग्राहकों को पहले फोटो भेजा जाता है, फिर रेट तय होने पर ऑनलाइन पैसा पहले जमा करवाया जाता है। एक रात की 5000 से 20,000 तक वसूली किया जाता है। हॉस्टल में कुछ ऐसे भी लडकियां हैं, जो पढ़ाई करती हैं। आज की कार्रवाई देखकर अचंभित हो गयीं। कुछ के लड़कियों के परिजन भी वहां पहुंचे और वे अपनी बच्चियों को लेकर घर चले गये।

रत्नाशु वेल्थ मैनेजमेंट और रियल एस्टेट ने मनायी 11वीं वर्षगांठ

- निवेशकों का भव्य मिलन समारोह आयोजित हुआ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रत्नाशु वेल्थ मैनेजमेंट और रियल एस्टेट अपनी स्थापना के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर द रिट्रीट कॉन्टिनेंटल होटल में निवेशकों का एक विशेष मिलन समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 से 80 निवेशकों ने हिस्सा लिया और कंपनी की अब तक की उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में कंपनी के प्रबंध निदेशक शक्ति शरण ने सभी निवेशकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने निवेश की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में निवेश केवल धन बढ़ाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन में आर्थिक सुरक्षा और स्थिरता प्रदान करता है।

समारोह में बंधन म्यूचुअल फंड से विशाल शांडिल्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने म्यूचुअल फंड निवेश के विभिन्न पहलुओं, बाजार की संभावनाओं और निवेशकों के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से चर्चा की।

कंपनी के निदेशक सचिन ने बताया कि रत्नाशु वेल्थ मैनेजमेंट एंड रियल एस्टेट ने निवेशकों के साथ विश्वास और पारदर्शिता को अपनी सबसे बड़ी पूंजी माना है। आने वाले वर्षों में कंपनी का लक्ष्य है कि और अधिक निवेशकों तक पहुंच बना कर उन्हें बेहतर वित्तीय समाधान उपलब्ध कराये।

इस अवसर पर कंपनी द्वारा निवेश से जुड़े सामान्य प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया, जिसमें निवेशकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को कंपनी की ओर से उपहार भेंट किये गये। समारोह का समापन सभी निवेशकों के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद और आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

भारत ने चौथी बार हॉकी एशिया कप जीता

- साउथ कोरिया को 4-1 से फाइनल हराया
- वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालिफाई किया

आजाद सिपाही संवाददाता

राजगीर। भारत ने मेंस हॉकी एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार को टीम इंडिया ने साउथ कोरिया को 4-1 से फाइनल हराया। भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता। इस जीत के साथ भारत ने 2026 के

वर्ल्ड कप में भी जगह बना ली।

भारत से फाइनल मैच के पहले ही मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दाग दिया था। दूसरे क्वार्टर में फिर दिलप्रीत सिंह ने गोल दागा और भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दिलप्रीत ने एक और गोल किया। चौथे क्वार्टर में अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और भारत को 4-0 से आगे कर दिया। साउथ कोरिया से सोन डायन ने इकलौता गोल किया। टीम इंडिया ने 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया को फाइनल हराकर चौथी बार टाइटल जीता। भारत ने 2017 में मलेशिया को फाइनल हराकर आखिरी बार एशिया कप जीता था। कोरिया दूसरी बार ही रनर-अप रही। टीम को 2007 में भी भारत ने ही फाइनल हराया था।

नगर निगम की लापरवाही से रोजाना कोकर चौक आदर्श नगर में बर्बाद हो रहा लाखों लीटर पानी

रांची (आजाद सिपाही)। एक तरफ सरकार जहां जल जीवन मिशन योजना चला रही है। वहीं दूसरी तरफ कोकर चौक आदर्श नगर में लगातार चार दिनों से पानी का पाइप फट जाने से आदर्श नगर निवासी पानी से वंचित हैं। नगर निगम के कर्मचारी और अधिकारी जानते हुए भी इस समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं। लगातार चार दिनों से यहां के निवासी पानी का इंतजार करते हैं और नगर निगम से उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही उसे ठीक कर पानी का संचालन दुबारा चालू करे, जिससे पानी बर्बाद नहीं हो और जरूरतमंद को पानी मिल सके।

आम आदमी पार्टी ने देश की राजनीति बदल दी है : सुशील

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आम आदमी पार्टी ने देश की राजनीति बदल कर रख दी है। मजबूरन दूसरे दलों को भी शिक्षा-स्वास्थ्य, बिजली-पानी, रोजगार-सम्मान राशि जैसे मुद्दों को अपने घोषणापत्र में शामिल करना पड़ रहा है। उक्त बातें रविवार को आम आदमी पार्टी के झारखंड सह प्रभारी सुशील सिंह ने कही।

रांची के धुर्वा स्थित पुराना विधानसभा के सभागार में कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पूरे झारखंड के हर जिले में संगठन विस्तार पर काम कर रही है। अभी से मिशन 2029 पर काम चल रहा है। सभी 14 लोकसभा क्षेत्र और 81 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी चल रही है। उन्होंने रांची रामगढ़ और खूंटी के कार्यकर्ताओं से नगर-निगम और पंचायत चुनाव की तैयारी में लग जाने का आह्वान किया गया है। इसके लिए प्रखंड से पंचायत तक संगठन निर्माण करने का निर्देश दिया गया है।

कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रभात शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की ओर देश की जनता आशा भरी निगाह से देख रही है। झारखंड में संगठनात्मक मजबूती लाकर विकल्प प्रस्तुत करना होगा। साथी झारखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार को जड़ से हटाने के लिए झारखंड की युवा ब्रिगेड ने कमरकस लिया है।

संचालन कर रहे जोनल पर्यवेक्षक राजेश लिंडा ने कहा कि पूरे झारखंड में सभी वर्गों के लोगों के बीच जाकर उनके मुद्दों को उठाकर संगठन मजबूत करना होगा। इसके साथ ही पलामू क्षेत्र से आने वाले हुसैनाबाद के पूर्व आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी के विश्वा को प्रदेश युवा मोर्चा प्रभारी बनाने की घोषणा झारखंड के शह प्रभारी के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश कम्युनिकेशन प्रभारी प्रीतम मिश्रा, जोनल प्रभारी दिनेश यादव, वरीय नेता पवन पांडेय, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र चौबे, पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश कुमार आदि ने भी संबोधित किया।

कोई भी धार्मिक स्थल, शिक्षण संस्थान, हॉस्पिटल के बगल से शराब दुकान अविलंब बंद हो : बबलू मुंडा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आदिवासी नवयुवक संघ सरना समिति सरईटांड़ मोराबादी रांची के द्वारा ईंद जतरा का आयोजन सादगी पूर्ण तरीके से पारंपरिक रीति रिवाज के अनुसार मुख्य पहान जगलाल पहान एवं मुन्ना हेमरोम द्वारा रंगवा मुर्गा, एवं चरका मुर्गा की बलि देकर गांव के लोगों की सुख-समृद्धि और गांव में हरियाली की कामना कर ईंद जतरा का संपन्न हुआ। मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि इंद जतरा हम आदिवासियों का धार्मिक सामाजिक परंपरा है। ईंद्र जतरा के पश्चात हम आदिवासियों का नया पारिवारिक रिश्ता जोड़ने का कार्य प्रारंभ होता है। आदिवासी नवयुवक संघ सरना

समिति के महासचिव विशाल मुंडा ने कहा कि इस वर्ष सरई टांड़ में गांव के ही प्रबुद्ध जन की आकस्मिक मृत्यु होने के कारण इस बार करमा और जतरा को सादगीपूर्ण तरीके से मनाया गया।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि मोराबादी स्थित सरना स्थल स्थल के बगल में शराब दुकान खोलने से लोग काफी आक्रोशित है। आस्था का केंद्र हमारा सरना स्थल जहां लोग श्रद्धा से पूजा प्रार्थना करने आते हैं, लेकिन शराब दुकान खोलने की वजह से यहां असामाजिक तत्वों की भीड़ लगी रहती है। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा यह मांग करती है कि सिर्फ मोराबादी मैदान में ही नहीं पूरे झारखंड में जहां भी शिक्षण संस्थान अस्पताल धार्मिक स्थल के आसपास शराब दुकान खुली है उनको जल्द से जल्द बंद करवाने का कम करें। नहीं तो जोरदार आंदोलन होगा।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य पहान श्री जगलाल पहान, मुन्ना हेमरोम, विशाल मुंडा, बबलू मुंडा, दीपक हेंब्रम, दिनेश मुंडा, रजनी टोप्पो गीता कुजूर पिंकी उरांव बिना टोप्पो मुखिया टोप्पो जल्दी उरांव विमल हेंब्रम रम्य देवी पार्वती हेंब्रम जगत उरांव महावीर उरांव एलबी पहान अशोक उरांव रविकांत टोप्पो सूर्य तिर्की राजू हेंब्रम मनीष मुंडा अशोक टोप्पो बंटी समासी श्याम उरांव मंदुल केरकेट्टा मोना मुंडा राम टोप्पो वीरेंद्र उरांव आदि उपस्थित थे।

महानगर औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गाला बैंक्वेट हॉल, सेक्टर-2, धुर्वा में रविवार को महानगर औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कार्तिक लाल शर्मा ने की। बैठक में स्व वेदप्रकश की फोटो पर माल्यार्पन एवं पूष्प अर्पित किया गया। इसके पश्चात सभी भक्तों को अंगस्वरूप चुनरी देकर सम्मानित किया गया। सभा में उपस्थित सभी पूजा समितियों के अध्यक्षों ने पूजा संबंधित बातों को रखा। तत्पश्चात विधिवत रूप से 2025 -26 के लिए महानगर औद्योगिक दुर्गा पूजा समिति, रांची की कार्यकारणी सदस्य का चुनाव किया गया। 2025 -26 वर्ष के लिए समीर सिंह (सुधीर कुमार) सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। इस बैठक में

राजधानी के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से 39 दुर्गा पूजा समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं लगभग 239 सदस्य सम्मिलित हुए।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2025-26 के लिए नयी संचालन समिति का गठन किया गया। इसमें मुख्य संरक्षक संजय सेठ, रक्षा राज्य मंत्री, सुबोधकांत सहाय, पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री, संरक्षक शशि भूषण राय, राजीव रंजन मिश्रा, शंभू सिंह, आंनद मूर्ति वर्तमान पार्षद, सयोजक कार्तिक लाल शर्मा, अध्यक्ष समीर सिंह (सुधीर कुमार) शामिल हैं। महिला मोर्चा अध्यक्ष वीणा मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम सिंह बांगी, संजय कुमार सिंह, राज कुमार चक्रवती, सुबोध कुमार सिंह, उपाध्यक्ष - सभी दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष, सचिव विनय सिंह, उप सचिव - राजू सिंह, कोषाध्यक्ष असीम दा, मिडिया प्रभारी अजय महनती, प्रभात कुमार राजन, मार्गदर्शक अरविन्द सिंह, दलवीर सिंह बोरे, सुशील सिंह शामिल हैं। कार्यकारी समिति सदस्य में पुरन कुमार सिंह, धमेन्द्र मिश्रा, श्याम सुंदर शर्मा, अरविन्द सिंह, सुशील सिंह, दलवीर सिंह बोरे, अजय मोहंती, प्रभात कुमार राजन, विनय कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह शामिल हैं। युवा दस्ता में अध्यक्ष रवि शंकर, सचिव नवनीत सिंह, उपाध्यक्ष - सागर यदूवंसी शामिल हैं। बैठक मे 39 विभिन्न समितियों के 239 सदस्य उपस्थित हुए। इसमें मुख्य रूप से शोभा यादव, सागर कुमार रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति, राजीव रंजन मिश्रा, आंनद मूर्ति, अजय सिंह, कामेश्वर सिंह, शंभु सिंह, उमेश यादव, वीणा मिश्रा, धमेंद्र मिश्रा, अन्य सभी लोग उपस्थित थे। सभा का धन्यवाद ज्ञापन शीला सिंह द्वारा किया गया।

डॉ अरुण कुमार सिंह : वर्दी और सफेद कोट में सेवा का एक जीवन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्वर्गीय डॉ अरुण कुमार सिंह ने अपने राष्ट्र और समाज दोनों की सेवा निष्ठा एवं समर्पण के साथ की। 1971 के भारतझपाक युद्ध के दौरान वे भारतीय सेना में कैप्टन के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने साहस, अनुशासन और सेवा भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया। सेना सेवा के बाद, उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में पाँच दशकों से अधिक समय तक कार्य किया और डमेटोलॉजी (त्वचा रोग विशेषज्ञता) में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं संवेदनशील चिकित्सक के रूप में ख्याति प्राप्त की। चिकित्सा शिक्षा और रोगी सेवा में उनका योगदान झारखंड की चिकित्सा जगत के लिए एक अमूल्य विरासत है।

विरासत और सम्मान

- त्वचा रोग चिकित्सा में 50+ वर्षों की विशिष्ट सेवा
- 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध में सीमा पर सेवा देने वाले सेनानी
- रांची की चिकित्सा समुदाय में अत्यंत सम्मानित स्थान
- झारखंड में युवा डॉक्टरों के लिए एक प्रेरणा और मार्गदर्शक
- अनुशासन, विनम्रता और राष्ट्रसेवा की मूलभूत भावना के लिए प्रसिद्ध

एक विशिष्ट चिकित्सा जीवन : रांची, झारखंड में स्थित स्व. डॉ अरुण कुमार सिंह, डमेटोलॉजी के क्षेत्र में पांच दशकों से अधिक समय तक सक्रिय रहे। अपने गहन ज्ञान, ईमानदारी और करुणामयी उपचार शैली के लिए प्रसिद्ध, वे झारखंड की चिकित्सा बिरादरी के एक स्तंभ थे। उन्होंने अनगिनत रोगियों का इलाज किया और कई पीढ़ियों के युवा डॉक्टरों को मार्गदर्शन दिया। चिकित्सा शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने त्वचा रोगों को अपना विशेष क्षेत्र चुना और झारखंड में इस क्षेत्र के शुरूआती विशेषज्ञों में से एक बने। उन्होंने लगातार 50 वर्षों तक सेवाएं दीं, और नैतिकता एवं उत्कृष्ट चिकित्सकीय मानकों का पालन करते हुए ख्याति अर्जित की। उनके क्लिनिक में पुराने त्वचा रोगों से लेकर आधुनिक कॉस्मेटिक डमेटोलॉजी तक का इलाज होता था – और यह पूरे झारखंड में रोगियों के लिए एक विश्वसनीय केंद्र बन चुका था।

1971 भारतझपाक युद्ध के वीर सेनानी : चिकित्सा सेवा को अपनाने से पहले, डॉ. अरुण कुमार सिंह ने भारतीय सेना में कैप्टन के पद पर कार्य किया। वे 1971 के ऐतिहासिक भारतझपाक युद्ध के दौरान सीमा क्षेत्र में सक्रिय ड्यूटी पर थे – जो भारत के सैन्य इतिहास का एक निर्णायक क्षण था। सेना में बिताए गए वर्षों ने उनमें अनुशासन, साहस और निस्वार्थ सेवा जैसे गुणों को और मजबूत किया। ये मूल्य उनके चिकित्सकीय जीवन में भी झलकते रहे। एक सैनिक से चिकित्सक की यात्रा ने उनकी सेवा भावना को दोहरे रूप में सामने रखा। देश की रक्षा और उसके नागरिकों के उपचार के रूप में।

स्वर्गीय डॉ. अरुण कुमार सिंह का जीवन एक दुर्लभ उदाहरण है : युद्ध में वर्दी पहन कर देश की रक्षा करना और शांति में सफेद कोट पहन कर लोगों की सेवा करना। उनकी विरासत न केवल चिकित्सा समुदाय बल्कि पूरे झारखंड के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

करम पर्व आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहर : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिरसानगर जोन नंबर 6 में आदिवासी उरांव समाज समिति के तत्वावधान में भव्य रूप से करम पर्व महोत्सव सह वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को सम्मानित करते हुए श्री काले ने युवाओं को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि करम पर्व आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहर है, जो भाई-बहन के स्नेह, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक

एकजुटता का संदेश देता है।

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं एवं संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। साथ ही समाज के युवाओं को शिक्षा, खेलकूद और सामाजिक सहयोग की दिशा में प्रेरित करते हैं।

आयोजन को सफल बनाने में पाहन महावीर कुजूर, राकेश उरांव, रामू तिर्की, अनूप टोप्पो, बुधराम खालको, गणेश कुजूर, कार्तिक उरांव, डॉ. विनु पाहन, बिरसा तिर्की, सावन लकड़ा, बबलू खालको, किशोर लकड़ा, सोना कोया, राजेश तिर्की, संतोष लकड़ा, प्रकाश कोया सहित अन्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे और श्रद्धा के साथ करम पूजा में शामिल हुए।

अमेरिका : भारत को मत गंवाओ

1940 के दशक के उत्तरार्द्ध और 1950 के शुरुआती वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका हू लॉस्ट चाइना बहस से घिरा हुआ था। अक्टूबर 1949 में चीन पर कम्युनिस्टों के कब्जे के बाद अमेरिकी विदेश नीति प्रतिष्ठान में एक राजनीतिक हड़कंप मच गया, जब माओ त्से तुंग के नेतृत्व में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की घोषणा हुई, जिससे कुओमिन्तांग राष्ट्रवादियों की हार हुई, जिनका नेतृत्व च्यांग काई-शेक कर रहे थे और जो ताइवान चले गये। कई दशकों तक यह एक नीति आपदा और शुरुआती शीत युद्ध में एक बड़ा झटका था, क्योंकि वाशिंगटन ने साम्यवाद को रोकने की कसम खाई थी। आज, 75 साल बाद, नयी दिल्ली खुद को चीन और रूस की गोद में पाती है और अमेरिका से दूर हो रही है। अमेरिकी 'हू लॉस्ट इंडिया' बहस में शामिल होने से पहले यह देखना चाहिए कि यह अभी टाला जा सकता है। दोनों देशों के बीच जो हो रहा है, वह अक्षम्य है अमेरिका-भारत संबंध जो विश्व के सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में से एक है, गलत दिशा में जा रहा है। फिर भी 7 दशकों में वाशिंगटन और नयी दिल्ली ने आपसी सम्मान और सांझा हितों की नींव पर संबंधों का निर्माण किया है। फिर भी, ट्रंप की दंडात्मक टैरिफ की लहर के भार तले और परिणामी कूटनीतिक तनाव के कारण यह नींव दरक रही है। भारत जो दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाये जाने वाले देशों में से है (औसतन लगभग 50 प्रतिशत, जबकि चीन का लगभग 20 प्रतिशत है) अमेरिका में अन्य प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अपने सामान को बाजार में लाने में कठिनाई महसूस करता है। इसका अर्थ यह है कि भारतीय निर्यातक, विशेष कर मॉस्को और बीजिंग की ओर देख रहे हैं। गहरी अविश्वास और अमरीकी व्यापार नीति के बारे में कड़वाहट ने हाल ही में घोषित इंडो-यूएस संबंध को पिछले चौथाई सदी में परिभाषित किया है, लेकिन यह केवल व्यापारिक सांझेदारी नहीं है, अगर वाशिंगटन यही चाहता है। यह अमेरिका के लिए समय है कि वह भारत को रणनीतिक सांझेदार के रूप में स्वीकार करे न कि केवल एक व्यापारिक प्रतिस्पर्धी के रूप में। 26 अगस्त तक भारत का अमेरिका को निर्यात 46.4 बिलियन तक बढ़ गया था, जबकि अमेरिका से आयातित सामान $57 बिलियन तक था। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सांझेदार है। प्रमुख निर्यात में कपड़े, चमड़ा, समुद्री भोजन और इंजीनियरिंग वस्तुएं (जैसे हीरे और फार्मास्यूटिकल्स) शामिल हैं। इसके बदले भारत अमेरिका से तेल और लगातार बढ़ते हुए रक्षा उपकरण खरीदता है। वाशिंगटन की जलवायु परिवर्तन फंड्स में रूस की युद्ध संचालित बाधा ने केवल अमेरिका से भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए तेल खरीदने की बाध्यता को और बढ़ा दिया है। भारत अमेरिका से लगभग $67 बिलियन का सामान निर्यात करता है, लेकिन टैरिफ से बहुत बड़ी मात्रा में प्रभावित होता है, लेकिन ये टैरिफ केवल आर्थिक दंड नहीं हैं, ये राजनीतिक संकेत हैं।

भारत अमेरिका से लगभग $67 बिलियन का सामान निर्यात करता है, लेकिन टैरिफ से बहुत बड़ी मात्रा में प्रभावित होता है, लेकिन ये टैरिफ केवल आर्थिक दंड नहीं हैं, ये राजनीतिक संकेत हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

आज भारत रत्न डॉ भूपेन हजारिका की जन्म जयंती है। वे भारत की सबसे असाधारण और सबसे भावुक आवाजों में से एक थे। ये बहुत सुखद है कि इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष का आरंभ हो रहा है। यह भारतीय कला-जगत और जन-चेतना की दिशा में उनके महान योगदानों को फिर से याद करने का समय है। भूपेन दा ने हमें संगीत से कहीं अधिक दिया। उनके संगीत में ऐसी भावनाएं थीं जो धुन से भी आगे जाती थीं। वे केवल एक गायक नहीं थे, वे लोगों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीत सुनते हुए बड़ी हुईं। उनके गीतों में हमेशा करुणा, सामाजिक न्याय, एकता और गहरी आत्मीयता की गूंज है।

भूपेन दा... भारत के रत्न

नरेंद्र मोदी

भारतीय संस्कृति और संगीत से लगाव रखने वालों के लिए आज 8 सितंबर का दिन बहुत खास है। और विशेष कर इस दिन के साथ असम के मेरे भाइयों और बहनों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं।

आज भारत रत्न डॉ भूपेन हजारिका की जन्म जयंती है। वे भारत की सबसे असाधारण और सबसे भावुक आवाजों में से एक थे। ये बहुत सुखद है कि इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष का आरंभ हो रहा है। यह भारतीय कला-जगत और जन-चेतना की दिशा में उनके महान योगदानों को फिर से याद करने का समय है। भूपेन दा ने हमें संगीत से कहीं अधिक दिया। उनके संगीत में ऐसी भावनाएं थीं जो धुन से भी आगे जाती थीं। वे केवल एक गायक नहीं थे, वे लोगों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीत सुनते हुए बड़ी हुईं। उनके गीतों में हमेशा करुणा, सामाजिक न्याय, एकता और गहरी आत्मीयता की गूंज है।

भूपेन दा के रूप में असम से एक ऐसी आवाज निकली जो किसी कालजयी नदी की तरह बहती रही। भूपेन दा सशरीर हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी आवाज आज भी हमारे बीच है। वो आवाज आज भी सीमाओं और संस्कृतियों से परे है। उसमें मानवता का स्पर्श है।

भूपेन हजारिका का जीवन हमें करुणा की शक्ति का एहसास कराता है।

भूपेन दा ने दुनिया का भ्रमण किया, समाज के हर वर्ग के लोगों से मिले, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे। असम की समृद्ध मौखिक परंपराएं, लोकधुनें और सामुदायिक कहानी कहने के तरीकों ने उनके बचपन को गढ़ा। यही अनुभव उनकी कलात्मक भाषा की नींव बने। वे असम की आदिवासी पहचान और लोगों के सरोकार को हर समय साथ लेकर चले।

बहुत छोटी उम्र से उनकी प्रतिभा लोगों को नजर आने लगी। केवल पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने सार्वजनिक मंच पर गाया। वहां लक्ष्मीनाथ बेझबरुआ जैसे असमिया साहित्य के अग्रदूत ने उनके कौशल को पहचाना। किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया। लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू था। भूपेन दा भीतर से एक बौद्धिक व्यक्तित्व थे। जिज्ञासु, साफ बोलने वाले, दुनिया को समझने की अटूट चाह रखने वाले। ज्योति प्रसाद अग्रवाला और विष्णु प्रसाद रभा जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया। सीखने की यही लगन उन्हें कॉटन कॉलेज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तक ले गयी। वो बीएचयू में राजनीति शास्त्र के छात्र थे, लेकिन उनका अधिकतर समय संगीत साधना में बीतता था। बनारस ने उन्हें पूरी तरह संगीत की तरफ मोड़ दिया। काशी का सांसद होने के नाते मैं उनकी जीवन यात्रा से एक जुड़ाव महसूस करता हूं और मुझे बहुत गर्व होता है। काशी से आगे बढ़ी जीवन यात्रा में फिर उन्होंने अमेरिका में कुछ समय बिताया। वहां उन्होंने अपने समय के नामचीन विद्वानों, विचारकों और संगीतकारों से संवाद किया। वे पॉल रोबसन से मिले, जो दिग्गज कलाकार और सिविल राइट्स नेता थे। रोबसन का गीत "Ol' Man River" उनके कालजयी गीत 'बिश्टीरनो परोरे' की प्रेरणा बना। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला एलेनॉर रूजवेल्ट ने भारतीय लोकसंगीत प्रस्तुतियों के लिए उन्हें गोल्ड मेडल भी दिया।

भूपेन हजारिका, संगीत के साथ ही मां भारती के भी सच्चे उपासक थे। भूपेन दा के पास अमेरिका में रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आये और संगीत साधना में डूब गये।

रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्री तक, हर माध्यम में वे पारंगत थे। जहां भी गये, नयी प्रतिभाओं को समर्थन दिया।

भूपेन दा की रचनाएं काव्यात्मक सौंदर्य से भरी रहीं, और साथ-साथ उन्होंने सामाजिक संदेश भी दिये। गरीबों को न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिक की ताकत, ऐसे अनेक विषय उन्होंने उठाए। उनके गीतों ने नाविकों, चाय बागान के मजदूरों, महिलाओं, किसानों की आकांक्षाओं को आवाज दी। उनकी रचनाएं लोगों को पुरानी स्मृतियों में ले जाती थीं, साथ ही, उन्होंने आधुनिकता को देखने का एक सशक्त नजरिया भी दिया। बहुत से लोग, खास कर सामाजिक रूप से वंचित तबकों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा पाते रहे...और आज भी पा रहे हैं।

भूपेन दा की जीवन यात्रा में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। उनकी रचनाओं ने भाषा और क्षेत्र की सीमाएं तोड़ कर एकजुट किया। उन्होंने असमिया, बांग्ला और हिन्दी फिल्मों के लिए संगीत रचा। उनकी आवाज में जो पीड़ा थी, वो बरबस हम सभी का ध्यान खींच लेती थी।

'दिल हूम हूम करे' में जो पीड़ा बहती है, वो सीधे दिल की गहराइयों को छू लेती है। और जब वे पूछते हैं, 'गंगा बहती है क्यूं', तो ऐसा लगता है मानो हर आत्मा को झकझोर कर जवाब मांग रहे हों। उन्होंने पूरे भारत के सामने असम को सुनाया, दिखाया, महसूस कराया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आधुनिक असम की सांस्कृतिक पहचान को गढ़ने में उनका बड़ा योगदान रहा।

असम के भीतर और दुनिया भर के असमिया प्रवासियों, दोनों के लिए वो असम की आवाज बने।

भूपेन दा राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे, फिर भी जनसेवा की दुनिया से जुड़े रहे। 1967 में वे असम के नौबोइचा से निर्दलीय विधायक चुने गये। यह दिखाता है कि लोगों को उन पर कितना गहरा विश्वास था। उन्होंने राजनीति को अपना करियर नहीं बनाया, लेकिन हमेशा लोगों की सेवा में जुटे रहे।

भारत की जनता और भारत सरकार ने उनके योगदान का सम्मान किया। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण, दादासाहेब फाल्के अवार्ड समेत कई सम्मान मिले। 2019 में हमारे कार्यकाल के दौरान उन्हें भारत रत्न मिला। यह मेरे लिए और एनडीए सरकार के लिए भी सम्मान की बात थी।

दुनिया भर में, खास कर असम और उत्तर-पूर्व के लोगों ने इस अवसर पर खुशी जताई। यह उन सिद्धांतों का सम्मान था, जिन्हें भूपेन दा दिल से मानते थे। वो कहते थे कि सच्चाई से निकला संगीत किसी एक दायरे में सिमट कर नहीं रहता। एक गीत लोगों के सपनों को पंख लगा सकता है और दुनिया भर के दिलों को छू सकता है।

मुझे 2011 का वह समय याद है, जब भूपेन दा का निधन हुआ। मैंने टीवी पर देखा, उनके अंतिम संस्कार में लाखों लोग पहुंचे। हर आंख नम थी।

जीवन की तरह, मृत्यु में भी उन्होंने लोगों को साथ ला दिया। इसलिए उन्हें जलुकबाड़ी की पहाड़ी पर ब्रह्मपुत्र की ओर देखते हुए अंतिम विदाई दी गयी, वही नदी जो उनके संगीत, उनके प्रतीकों और उनकी स्मृतियों की जीवनरेखा रही है। अब ये देखना बहुत सुखद है कि असम सरकार भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट के कार्यों को बढ़ावा दे रही है। यह ट्रस्ट युवा पीढ़ी को भूपेन दा की जीवन यात्रा से जोड़ने में जुटा है।

भूपेन दा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए देश के सबसे बड़े पुल को भूपेन हजारिका सेतु नाम दिया गया। 2017 में जब मुझे इस सेतु के उद्घाटन का अवसर मिला, तो मैंने महसूस किया कि असम और अरुणाचल...इन दो राज्यों को जोड़ने वाले, उनके बीच की दूरी कम करने वाले इस सेतु के लिए भूपेन दा का नाम सबसे उपयुक्त है।

भूपेन हजारिका का जीवन हमें करुणा की शक्ति का एहसास कराता है। लोगों को सुनने और अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की सीख देता है। उनके गीत आज भी बच्चों और बुजुर्गों, दोनों की जुबान पर हैं। उनका संगीत हमें माननीय और साहसी बनना सिखाता है। वह हमें अपनी नदियों, अपने मजदूरों, अपने चाय बागान के कामगारों, अपनी नारी शक्ति और अपनी युवा शक्ति को याद रखने को कहता है। वह हमें विविधता में एकता पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करता है।

भारत भूपेन हजारिका जैसे रत्न से धन्य है। जब हम उनके शताब्दी वर्ष का आरंभ कर रहे हैं, तो आइए यह संकल्प लें कि उनके संदेश को दूर-दूर तक पहुंचायेंगे। यह संकल्प हमें संगीत, कला और संस्कृति के लिए और काम करने की प्रेरणा दे, नयी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करे, भारत में सृजनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

कोल्हान की खबरें

गालूडी में सोमेश चंद्र सोरेन ने की बैठक, संगठन मजबूती पर दिया जोर

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। घाटशिला विधानसभा में उपचुनाव को लेकर झामुमो ने तैयारी शुरू कर दी। रविवार को पूर्व शिक्षा मंत्री स्वर्गीय रामदास सोरेन के सुपुत्र सोमेश चंद्र सोरेन गालूडी पहुंचे। जहां उन्होंने स्थानीय झामुमो नेता और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं और संगठनात्मक मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए श्री सोरेन ने कहा सभी समस्याओं को संज्ञान लिया गया है और इनके समाधान हेतु वे स्वयं सरकार तक बात पहुंचायेंगे। उन्होंने भावुक होते हुए कहा स्वर्गीय रामदास सोरेन आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन घाटशिला की जनता के लिए उनका सोच और सपना आज भी जीवित है। उनके सपनों का घाटशिला विधानसभा बनाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। सोमेश चंद्र सोरेन ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा किसी भी जनप्रतिनिधि की असली ताकत संगठन और उससे जुड़े कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही जनता तक सहयोग पहुंचता है। इसलिए सभी को एकजुट होकर संगठन को और मजबूत करना चाहिए तथा आम जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय प्रतिनिधि,पंचायत स्तर के कार्यकर्ता और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग सहित अन्य मौजूद रहे।

झारखंड गौरव सम्मान से नवाजे गये अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ल

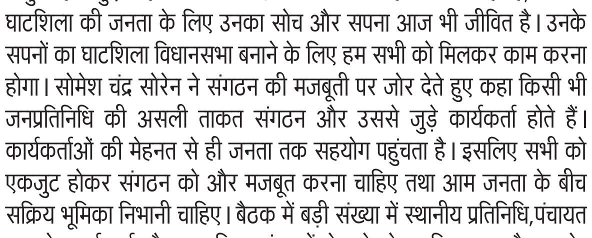

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय सैल्यूट तिरंगा द्वारा रविवार को माइकल जान ऑडिटोरियम में आयोजित झारखंड गौरव सम्मान समारोह में झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन सह वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार शुक्ल को झारखंड गौरव सम्मान एवं अधिवक्ता रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ यदुनाथ पांडेय, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय, तथा सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजेश झा सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. यदुनाथ पांडेय ने कहा कि राजेश शुक्ल अधिवक्ताओं के लिए गौरव हैं। अधिवक्ता कल्याण योजनाओं और लोकहित में उनका योगदान बेमिसाल है। सम्मान ग्रहण करते हुए राजेश शुक्ल ने कहा यह सम्मान झारखंड के सभी अधिवक्ताओं को समर्पित है। उनका साथ ही मेरा सबसे बड़ा संबल है।

रामदास सोरेन की स्मृति में 'हर घर कॉपी हर हाथ कलम' अभियान की शुरुआत

झामुमो ने उठाया शिक्षा जागरूकता का संकल्प, कुणाल षाड़ंगी ने बच्चों के बीच बांटी कॉपी और कलम

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री स्व रामदास सोरेन की स्मृति और उनके विचारों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से झामुमो युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत में हर घर कॉपी, हर हाथ कलम अभियान की शुरूआत की गयी। रविवार को बिरसानगर जोन नंबर 8 स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सह बहरगोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी शामिल हुए।मौके पर उन्होंने बच्चों के बीच कॉपियां और कलम का वितरण कर अभियान की शुरूवात की। पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी कहा ह्रस्व. रामदास सोरेन का सपना था झारखंड का कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे। यह अभियान उनके सपनों को साकार करने की दिशा में झामुमो का एक प्रयास है। श्री षाड़ंगी ने कहा हमारा उद्देश्य है पूर्वी सिंहभूम जिले का कोई भी बच्चा कॉपी और कलम की कमी के कारण पढ़ाई से न छूटे। मौके पर उपस्तित सैकड़ो स्थानीय नागरिकों और बच्चों ने इस पहल का स्वागत किया। सभी ने इसे सराहनीय कदम बताया। इस अवसर पर झामुमो नेताओं ने संकल्प लिया यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि शिक्षा हर घर तक पहुंच सके। इस अवसर पर झामुमो के पूर्व नगर अध्यक्ष दलगोविंद लोहरा, पूर्व नगर उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह, विष्णु प्रधान, रोहित लोहरा, आशीष मिश्रा, डी रवि, शुभम कुमार, अभय पांडे, मनीष चौहान, राकेश दास, सतनाम सिंह, रूपेश मुखी सहित सैकड़ों स्थानीय लोग और बच्चे उपस्थित रहे।

अवैध वसूली के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध

आदित्यपुर (आजाद सिपाही)। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के ग्राम आनंदपुर वार्ड संख्या 1 के ग्रामीणों ने रविवार को अवैध वसूली के खिलाफ आदित्यपुर थाना में लिखित शिकायत की। शिकायत के अनुसार कुछ युवक मंदिर निर्माण के नाम पर ग्रामीणों से जबरन 5000 की मांग कर रहे हैं। आरोपियों में प्रकाश चालक, सुखीगम चालक, मोहन सरदार और लकरबीचरण सरदार के नाम शामिल हैं। ग्रामीणों का आरोप है रंगदारी देने से मना करने पर आरोपियों ने उन्हें मारपीट, रास्ता रोकने, बिजली कनेक्शन काटने और जान से मारने की धमकी दी।ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से मांग की इस मामले में शीघ्र कार्रवाई कर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान की जाये। इस अवसर पर सैकड़ो पुरुष और महिला थाना पहुंच कर सामूहिक रूप से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

नीमडीह के रुपाडीह गांव में डायरिया पीड़ितों से मिली विधायक सविता महतो

चांडिल (आजाद सिपाही)। नीमडीह प्रखंड अंतर्गत टेंगाडीह पंचायत के रुपाडीह गांव में बीते 3 सितम्बर को एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों के डायरिया से पीड़ित होने की सूचना मिलने पर झामुमो विधायक सविता महतो ने मामले को गंभीरता से लिया। विधायक ने तुरंत चिकित्सा प्रभारी और अंचल अधिकारी से वार्ता कर गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने का निर्देश दिया, जिसके बाद मरीजों का उपचार शुरू हुआ। रविवार को विधायक स्वयं गांव पहुंचीं और पूरे इलाके का भ्रमण कर डायरिया पीड़ितों का हाल-चाल जाना। उन्होंने नीमडीह स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों से भी मुलाकात की और चिकित्सकों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर ईचागढ़ विधायक सविता महतो ने ग्रामीणों से भोजन अच्छी तरह पकाकर खाने और पानी को उबालकर पीने की अपील की। साथ ही अधिकारियों को गांव में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत और सोलर पानी टंकी को शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप, सरत मंडल, उदय महतो, अनिल मांझी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सरयू राय ने 12.38 करोड़ की लागत की योजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने रविवार को डिमना रोड स्थित एक होटल में कुल 12 करोड़ 38 लाख 60 हजार 952 की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें नगर विकास विभाग की योजनाओं से 1,55,75,900 के कार्यों का उद्घाटन और 2,98,78,300 के कार्यों का शिलान्यास शामिल है। वहीं 15वें वित्त आयोग की योजनाओं से 7,84,06,752 की परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया।मौके पर विधायक सरयू राय ने कहा जिस तरह बिष्टुपुर और सोनारी इलाका विकसित हुए वैसे ही पुल के उस पार का इलाका भी विकसित किया जाएगा। इसके लिए संकल्प लेना होगा। संकल्प से ही सिद्धि प्राप्त होती है।जब विकास की दिशा में कदम बढ़ेगा तो प्रगति निश्चित है।उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कभी मानगो में पानी और बिजली की गंभीर समस्या थी। संकल्प के साथ इस समस्या के समाधान की दिशा में कार्य शुरू किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि संजीव कुमार, मानगो नगर निगम के उपायुक्त कृष्ण कुमार, सहायक नगर आयुक्त आकिब जावेद, अभियंता मयंक मिश्रा, संतोष कुमार, सुबोध दास समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिविर में 70 यूनिट रक्त संग्रह

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पोटका प्रखंड के सोहदा पंचायत अंतर्गत ग्राम बलिजूरी स्थित पंचायत भवन में आदिवासी बहुउद्देशीय उत्थान सहकारी समिति लिमिटेड की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।इस अवसर पर पोटका विधायक संजीव सरदार के अनुज भरत सरदार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने रक्तदाताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि जीवनदान है। यह कार्य समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दशार्ता है। हमें इसे अपनी आदत बनाना चाहिए, क्योंकि एक छोटा सा प्रयास किसी के लिए पूरी दुनिया बदल सकता है। शिविर में कुल 70 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सीमा बास्के, सचिव सरस्वती मुर्मू, कोषाध्यक्ष रघुनाथ हांसदा, शिविर संयोजक राजेश मार्डी, नेता हितेश भकत, दुखु मार्डी, कृष्णा भकत सहित ग्राम प्रधान, माझी बाबा, नायके बाबा, बुद्धिजीवी और बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं रक्तदाता मौजूद रहे।

कैटेगरी- 02 के सभी 18 बालूघाटों की ई-नीलामी कार्यक्रम शुरू: खनन पदाधिकारी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला खनन पदाधिकारी राजेंद्र उरांव ने आम सूचना जारी करते हुए सर्वसाधारण को सूचित किया है, कि गढ़वा जिलांतर्गत कैटेगरी- 02 के सभी 18 बालूघाटों की ई-नीलामी कार्यक्रम दिनांक- 30.08.2025 से प्रारम्भ कर दी गई है। उक्त नीलामी कार्य www.jharkhandtenders.gov.in द्वारा ऑनलाईन ऑक्शन के माध्यम से संपादित की जायेगी। नीलामी किये जाने वाले सभी बालूघाटों की विवरणी ग्रुपवार www.garhwa.nic.in तथा अखबारों एवं जिला खनन कार्यालय, गढ़वा के नोटिस बोर्ड में लगाई गयी है। उक्त नीलामी कार्यक्रम में भाग लेने वाले इच्छुक सभी व्यक्ति/व्यवसायीगणों को निदेशानुसार पुनः आवश्यक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु दिनांक- 08.09.2025 को समाहरणालय, गढ़वा स्थित जिला खनन कार्यालय, गढ़वा में प्री-बीड बैठक का आयोजन- 3:30 बजे अपराहन में किया गया है, जिसमें सभी इच्छुक व्यक्ति/व्यवसायीगणों को आमंत्रित किया गया है।

झामुमो जिला कमेटी के पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

संगठन की सफलता के असली आधार कार्यकर्ता होते हैं : मिथिलेश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में पूर्व मंत्री श्री ठाकुर ने जिला कमेटी के नवमनोनीत सभी पदाधिकारियों को शॉल ओढ़ा कर, माला पहना कर एवं बुके देकर सम्मानित किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री श्री ठाकुर को झामुमो का प्रतीक चिन्ह तीर धनुष की तस्वीर भेंट कर एवं माला पहनाकर स्वागत किया।

मौके पर पूर्व मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि आज का यह अवसर अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है। आप सभी को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी है। आप सभी अपनी कर्मठता, समर्पण और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। झामुमो के नीति सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचायेंगे। उन्होंने कहा कि एक संगठन की सफलता केवल नीतियों और योजनाओं से नहीं होती बल्कि उसका असली आधार उसके कार्यकर्ता होते हैं। आप सभी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य करें। आज का यह सम्मान, केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि हमारी तरफ से आपके प्रति आभार व्यक्त करने का एक छोटा सा प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारी असली ताकत हमारी टीम है। उन्होंने कहा कि हम अपनी इमानदारी से काम करते हैं। जबकि विपक्ष के लोग सभी प्रकार की झूठ, फरेब का सहारा लेकर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो का राज्य का गठन कराया है, अब पूरे राज्य का सर्वांगीण विकास हो इसी सोच के साथ हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन काम करते हैं। इसमें हम सबों की जिम्मेवारी महत्वपूर्ण है।

इन पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

इस समारोह में जिला कमिटी के सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित पदाधिकारियों में जिलाध्यक्ष शंभु राम, सचिव मो. शरीफ अंसारी, कोषाध्यक्ष चंदन जायसवाल, उपाध्यक्ष श्रवण सिंह खरवार, मुक्तेश्वर पांडेय, लल्लू राम, उमेश यादव, विरेंद्र साव, रौशन पाठक, मो. फरीद, डॉ मकबूल आलम, सह सचिव आशीष गुप्ता, गंगेश्वर सिंह खरवार, अशोक चंद्रवंशी, मनोज यादव, राजेंद्र उरांव, मनीष कमलापुरी, मिथिलेश पासवान, डॉ रामसागर पाल, संगठन सचिव शिव कुमार चौधरी, सुनील कुमार गौतम, मो. सलीम जाफर, अनिल चंद्रवंशी, कामता प्रसाद, जिला कार्यकरिणी समिति सदस्य दशरथ प्रसाद, रामसागर यादव, चंदु कोरवा, संजय भगत, हरेंद्र कोरवा, अहमद रजा, साबिर सिद्धीकी, विकास सिंह कुशवाहा, मुखराम भारती, ओमप्रकाश चंद्रा, धनंजय तिवारी, सुदेश्वर राम, निर्मल पासवान, राजेश मेहता, ऐनुल अंसारी, जितेंद्र सिन्हा, कबुतरी देवी, गायत्री गुप्ता, आयुष गुप्ता, संजय चौधरी, सोगरा बीबी, मनोज दुबे, गुलाब सिंह, अहमद अली, रामसागर उरांव, बबलू सिंह, तेतरी देवी, निशांत चौधरी, फखरे आलम, चैतू सिंह खरवार, सहित जिला सदस्य आदि का नाम शामिल है। मौके पर मुख्य रूप से जवाहर पासवान, तनवीर आलम, रेखा चौबे, ओमप्रकाश गुप्ता, नितेश, ताहिर सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

छात्राओं ने स्वागत में एक से बढ़कर एक नृत्य कला का किया प्रदर्शन

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान : डॉ लालमोहन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। एसडी मेमोरियल एकेडमी में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन कर सेवानिवृत शिक्षकों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक ब्रजेश कुमार मिश्र, सेवानिवृत शिक्षक सुरेंद्र चौबे, राम जन्म तिवारी, सुरेंद्र मिश्र, रामनाथ विश्वकर्मा, गोपाल राम, दशरथ प्रसाद, विनोद प्रसाद, अजय प्रसाद गुप्ता विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन आदि ने सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। तत्पश्चात उपस्थित सेवानिवृत शिक्षकों को फूल माला, अंग वस्त्र एवं कलम देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत तथा एक से बढ़कर एक नृत्य कला का प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक ने कहा कि एचडी मेमोरियल स्कूल में सिलेबस के साथ-साथ संस्कार और अध्यात्म की भी जानकारी दी जाती है ताकि बच्चे विद्वान के साथ-साथ संस्कारवान बने। डॉ लालमोहन ने गुरु की महिमा का बखान करते हुए कहा- यह तन विष की बेलरी गुरु अमृत की खान, शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान। इस अवसर पर सेवानिवृत सभी शिक्षकों ने भी गुरु शिक्षक की परंपरा और अपने अनुभव को साझा करते हुए बच्चों को आज्ञाकारी बनने की सीख दी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से चंद्रमणि पाठक, जहूर रंगसाज, प्रमोद गुप्ता, प्रशांत तिवारी शाहिद बड़ी संख्या में अभिभावक, गणमान्य लोगों के साथ-साथ विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य अरुण कुमार तथा संचालन अमरेंद्र कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

आरके पब्लिक स्कूल ने शिक्षक दिवस समारोह का किया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। आर.के. पब्लिक स्कूल, अधौरा श्री बंशीधर नगर ने 7 सितंबर को एक भव्य शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने आसपास के क्षेत्रों से शिक्षकों, प्रोफेसरों और गणमान्य व्यक्तियों को एक साथ लाया, जिनमें सेवानिवृत्त शिक्षक भी शामिल थे जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह समारोह स्कूल की नोबल पेशे के रूप में शिक्षण को सम्मानित करने और छात्रों के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों के योगदान को पहचानने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस कार्यक्रम में कमलेश्वर पांडेय, गदाधर पांडेय, कृष्ण मिस्त्री और दिनेशवर चौबे जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया और छात्रों के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डाला।

विजया लक्ष्मी नगर पंचायत अध्यक्ष ने शिक्षकों की भूमिका पर जोर दिया कि वे केवल ज्ञान हस्तांतरण से आगे बढ़कर छात्रों के लिए मार्गदर्शक और आदर्श बनें। निदेशक अलख नाथ पांडेय ने छात्रों में आलोचनात्मक सोच, जीवन कौशल और चरित्र विकास को बढ़ावा देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने स्कूलों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जो सामाजिक, भावनात्मक और शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक संरचित वातावरण प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम का समापन एक शॉल समारोह के साथ हुआ, जहां गणमान्य व्यक्तियों और सेवानिवृत्त शिक्षकों को शिक्षा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में श्री कमलेश्वर पांडेय, गदाधर पांडेय, कृष्ण मिस्त्री, विजया लक्ष्मी नगर पंचायत अध्यक्ष और ओम प्रकाश पांडेय, एक सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों को भी उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए छोटे उपहारों से सम्मानित किया गया।

आर.के. पब्लिक स्कूल के शिक्षकों में राहुल सोनी, रविकांत चौबे, अखिलेश पांडेय, सुधांशु मिश्रा, कुमार कार्तिकेय, आयुष राज, मिस पूजा सोनी, मिस प्रीति सोनी, मिस सुप्रिया चौबे, मिस लकी गुप्ता, प्रतिभा कुमारी, श्रीमती प्रीति देव, रेणु कुमारी, प्रीति देवी और प्रिया कुमारी शामिल थे।

पीएलवी ने चलाया जागरूकता अभियान

रंका (आजाद सिपाही)। रंका प्रखंड अंतर्गत मानपुर पंचायत के पीएलवी समाजसेवी अमरेंद्र कुमार एवं कैमुद्दीन अंसारी ने सिरोईखुर्द पंचायत के ग्राम बीरबांध उत्क्रमित मध्य विद्यालय में नशा मुक्ति,बाल विवाह, बाल मजदूरी, ऑनलाइन गेमिंग, पर्यावरण संरक्षण, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी, सामाजिक कुरीतियां, भेदभाव, छुआछूत, अंधविश्वास आदि के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी छात्र-छात्राओं को इन सबसे बचने का सलाह दिया गया। साथ ही कंप्यूटर शिक्षा में अपना करियर बनाने का सुझाव दिया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक चंद्रकिशोर सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रंकाकला पंचायत भवन में चौदह विभागों का समीक्षा बैठक कल

रंकाकला पंचायत के मुखिया रणजीत सोनी।

रंका (आजाद सिपाही)। रंकाकला पंचायत भवन में दिनांक - 09/09/2025 को चौदह विभागों का समिक्षा बैठक आयोजित की गयी है। जिसमें रोजगार सेवक एवं बीएफटी, सभी जलसहिया, सभी आंगनबाड़ी सेविका, पंचायत सहायक, सभी बागवानी सखि एवं सक्रिय स्वयंसहायता समूह, सभी जनवितरण प्रणाली विक्रेता, सभी प्रधानाध्यापक प्रा०/मध्य/उच्च विद्यालय, सभी कृषि मित्र, सभी स्वास्थ्य सहिया, सभी प्रज्ञा केंद्र, विद्युत विभाग एवं विद्युत मित्र, पशुपालन विभाग, रंका थाना एवं चौकीदार, कल्याण विभाग कुल चौदह विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों को उपस्थित रहने का निर्देश प्रखंड पंचायतीराज पदाधिकारी दिनेश कुमार ने जारी किया है। जिसमें पंचायत के मुखिया रणजीत सोनी ने इस समीक्षा बैठक में सभी पंचायत के ग्रामीण जनता से उपस्थित होने और लाभ उठाने का आग्रह किया है।

शिवशरण सेवा संस्थान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। खरौंधी रोड स्थित शिव शरण सेवा संस्थान परिसर में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन उत्तर प्रदेश के आये प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. ए.के. श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में दो दर्जन से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें रक्तचाप, शुगर, हड्डी और जोड़ों से संबंधित समस्याओं के अलावा सामान्य रोगों की भी जांच की गई। ग्रामीणों ने शिविर आयोजित करने पर डॉ. श्रीवास्तव एवं संस्थान परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह की पहल से गरीब व वंचित वर्ग को काफी लाभ मिलता है।

भगवान घाटी के समीप अनियंत्रित होकर बाइक पलटने से दो बच्चे समेत कुल चार घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर-केतार मुख्य मार्ग पर भगवान घाटी के समीप रविवार को बाईक दुर्घटना में बाईक सवार दो बच्चे सहित कुल चार लोग घायल हो गये। घायलों में मेराल थाना क्षेत्र के पेशका निवासी ममता देवी पति प्रदुम्न विश्वकर्मा, पुत्र पीयूष विश्वकर्मा 3 वर्ष, पुत्री प्रीति कुमारी 2 वर्ष व केतार थाना क्षेत्र के दासीपुर निवासी छोटू विश्वकर्मा का नाम शामिल है। उक्त सभी को ईलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक प्रिंस कुमार द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पीयूष को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है, कि छोटू विश्वकर्मा रविवार के दोपहर अपनी बहन ममता देवी और उसके बच्चों को बाईक पर बैठाकर दासीपुर से उसके ससुराल मेराल के पेशका गांव छोड़ने जा रहा था, तभी भगवान घाटी के समीप उसकी बाईक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी, जिससे बाईक सवार सभी लोग घायल हो गये।

आत्म जागरण से राष्ट्र जागरण की ओर-विहंगम योग का दिव्य आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। भवनाथपुर टाउनशिप स्थित बोकारो माइंस महाविद्यालय के प्रांगण में ब्रह्म विद्या विहंगम योग संस्थान द्वारा आयोजित एक दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम ने आत्म जागरण से राष्ट्र जागरण का पावन संदेश जन-जन तक पहुंचाया। यह आयोजन संत नामदेव जी महाराज के 44वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु सहभागी बने। संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने अपने करकमलों से महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ संत विज्ञान देव जी महाराज, पूर्व विधायक भानु प्रताप साही एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा अखंड दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। विहंगम योग के संस्थापक अनंत श्री सदगुरु सदाफल देव जी महाराज, स्वर्वेद भाष्यकार धर्मचंद्र देव महाराज एवं वर्तमान सदगुरु आचार्य स्वतंत्र देव महाराज के चित्रों पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किये गये। मुख्य अतिथि भानु प्रताप साही को संत समाज द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

समर्पण दीप अध्यात्म महोत्सव एवं 25000 कुंडीय विश्व शांति वैदिक महायज्ञ का संदेश पूरे वातावरण में गुंजायमान रहा, जिसने आयोजन को वैश्विक आध्यात्मिक चेतना से जोड़ दिया। इस अवसर पर सुरेंद्र प्रसाद सिंह, उदय प्रताप सिंह, ललीत सिंह, अखिलेश्वर शर्मा, उपेंद्रनाथ मिश्रा, नंदलाल पासवान, अरविंद प्रसाद गुप्ता, महिला शक्ति, पुलिस बल एवं गुरु भाई-बहन उपस्थित रहे।

गायत्री महामंत्र के नियमित जाप से उत्पन्न होती है असीमित ऊर्जा: अच्युतानंद तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

गायत्री शक्तिपीठ मझिआंव में भाद्रपद पूर्णिमा पर हवन यज्ञ

मझिआंव। गायत्री शक्तिपीठ मझिआंव में भाद्रपद पूर्णिमा के अवसर पर हवन यज्ञ एवं भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में अजय चौधरी एवं उनकी पत्नी प्रमिला देवी द्वारा माता गायत्री,माता लक्ष्मी, माता सरस्वती, मां दुर्गा तथा गुरुदेव पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा की पूजा अर्चना की गयी। इस दौरान प्रखंड उप समन्वयक देवमुनि विश्वकर्मा द्वारा कर्मकांड संपन्न कराया गया, जबकि युवा मंडल के जिला समन्वयक बिरेंद्र सोनी द्वारा युग संगीत एवं भक्ति गीत की शानदार प्रस्तुति दी गयी, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के केंद्रीय टोली सदस्य सह गढ़वा जिला ट्रस्टी अच्युतानंद तिवारी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गायत्री महामंत्र के नियमित जाप से उत्पन असीमित ऊर्जा एवं इससे होने वाले लाभ तथा गुरुदेव पं श्रीराम शर्मा आचार्य के सिद्धांतों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। मौके पर महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता चौरसिया, धन्ना देवी, रानी देवी, युवा अशोक गुप्ता, विक्रांत गुप्ता, हंसराज तिवारी, रवि शंकर विश्वकर्मा, पारस नाथ मिस्त्री, अरुण कुमार सोनी उर्फ बबलू, अशोक चौरसिया, बबलू कमलापुरी, उज्जवल कुमार, पवन कुमार अग्रवाल, बेचन राम, दिनेश पाल परिवाचक, धर्मशिला देवी, सारो देवी, सीमा देवी, सरिता देवी, मुस्कान कुमारी, फुलझरी देवी व कई श्रद्धालु उपस्थित थे।

खरडीहा बजनवा हनुमान मंदिर दुर्गा पूजा समिति का गठन, अश्विनी बने अध्यक्ष

रंका (आजाद सिपाही)। खरडीहा हनुमान मंदिर के प्रांगण में दुर्गा पूजा समिति की बैठक पूर्व मुखिया पारसनाथ पांडेय की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समिति का पुनर्गठन किया गया। इस समिति का सर्वसम्मति से अश्विनी कुमार पांडेय को अध्यक्ष बनाया गया। उपाध्यक्ष लव पांडेय, सचिव रामप्यारी यादव, उपसचिव मुकेश तिवारी, संरक्षक गुड्डू यादव उर्फ संजय यादव, कोषाध्यक्ष देवकुमार यादव, उपकोषाध्यक्ष अरूणलाल श्रीवास्तव को बनाया गया, जबकि मिडिया प्रभारी अरूण कुमार यादव, प्रमोद कुमार यादव तथा सदस्य विजय यादव, लालविहारी यादव, राजीव रंजन यादव, चंदन यादव, अवधेश यादव, विनोद पांडेय, शिव राम, बैजनाथ यादव, बुधन यादव, अमरेश पांडेय को बनाया गया है।

मां दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने

मेराल (आजाद सिपाही)। लगमा देवी मंडप में मां दुर्गा पूजा महोत्सव के आयोजन को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। पूजा-अनुष्ठान के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए 'मां दुर्गा पूजा समिति, देवी मंडप लगमा' का गठन किया गया, जिसका संरक्षक द्वारिकानाथ पांडेय एवं मनोज सोनी को बनाया गया। पूजा समिति के अध्यक्ष के रूप में पंकज चौधरी को सातवीं बार दायित्व दिया गया। अनंत प्रसाद, शैलेंद्र पांडेय, अरविंद पांडेय को सचिव, सुमंत पांडेय, मिथलेश सोनी, मुक्तेश्वर पांडेय को संयोजक बनाया गया। उपाध्यक्ष के रूप में आशीष गुप्ता, पंकज पांडेय तथा शिव पटेल कार्यरत रहेंगे। कोषाध्यक्ष के रूप में संजय सोनी, मुकेश गुप्ता, मनोज गुप्ता व जितेंद्र पांडेय कार्यभार संभालेंगे। उप सचिव आश्विनी गुप्ता, ददई कुमार रवि तथा बालेश्वर राम एवं उप संयोजक शशिकांत पांडेय, रंजीत आर्य तथा मंजय राम को बनाया गया। उप कोषाध्यक्ष के रूप में बाबूलाल पटेल, पवन पटेल, राहुल गुप्ता एवं नारद राम मनोनीत किये गये। कार्यकारिणी सदस्य की भूमिका में धर्मेंद्र विश्वकर्मा, हर्ष पांडेय, विवेक मधेशिया, आर्यन गुप्ता, मिथिलेश गुप्ता, अजय गुप्ता, राजू पटेल, गोलू पांडेय, मिंकु पांडेय, क्षितिज पांडेय, मंदीष गुप्ता, संजय ठाकुर, जयप्रकाश पटेल, अनिकेत आर्या, अभिषेक तिवारी, जयशंकर पांडेय, चंदन शर्मा, पीयूष ठाकुर, गणेश ठाकुर, तुषार पांडेय, रंजन गुप्ता, बादल पटेल, छोटू सोनी, शिवम पटेल, आकाश पटेल, प्रभात शर्मा, प्रीतम गुप्ता रहेंगे। पूजन-अनुष्ठान के दायित्व को आचार्य त्रिपुरारी पांडेय एवं ग्राम प्रतिनिधि दीपांशु सोनी व आयुष पटेल समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से पूर्ण करायेंगे।

पत्रकारों ने जीता मैत्री क्रिकेट प्रतियोगिता, पुलिस टीम को नौ विकेट से हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

धुरकी। धुरकी प्रखंड के अंबाखोरिया मैदान में रविवार को एक रोचक और मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया, जिसमें धुरकी पुलिस और पत्रकारों की टीम आमने-सामने थीं। इस मैच का उद्देश्य पुलिस और पत्रकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध को और मजबूत करना था। खेल की शुरूआत टॉस के साथ हुई, जिसमें पुलिस टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पुलिस टीम ने निर्धारित 12 ओवर में खेलते हुए 8 विकेट के नुकसान पर कुल 97 रन बनाये। जवाब में पत्रकारों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल एक विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाकर मैच जीत लिया। पत्रकारों ने बेहतरीन बल्लेबाजी का नमूना पेश करते हुए खेल को एकतरफा बना दिया। मैच में पत्रकार टीम के राहुल कुमार यादव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, पत्रकार टीम के कप्तान श्याम बच्चन यादव को बेहतरीन गेंदबाजी के लिए बेस्ट बॉलर का पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं आयोजनकर्ता धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन रावत ने कहा कि खेल को हमेशा खेल की भावना से खेलना चाहिए। हार-जीत खेल का हिस्सा होती है, लेकिन खिलाड़ियों को अपने आत्मबल और मनोबल को बनाए रखना चाहिए। नगर ऊंटरी थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा प्रतिभा भी सामने आती है। भवनाथपुर थाना प्रभारी रजनीश कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन पुलिस और पब्लिक के बीच मधुर संबंध स्थापित करते हैं।

वहीं विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव ने कहा कि पहले लोग पुलिस से बात करने में डरते थे, लेकिन अब ऐसे आयोजनों से पुलिस और आम जनता के बीच की दूरी घट रही है और आपसी समझ व सहयोग बढ़ रहा है। वहीं सगमा प्रखंड के ब्लॉक प्रमुख अजय साह ने कहा कि गांवों में कई प्रतिभाएं छिपी होती हैं, जिन्हें अवसर नहीं मिल पाता। इस अवसर पर पत्रकार अनूप जायसवाल, मुनीर अहमद खान, संतोष बैठा, दीपू सिंह, मोहम्मद गुलाम, आशीष कुमार, कृष्ण यादव, विनोद पटेल, रंजन यादव, इद्रीश अंसारी, रामानंद प्रजापति, समेत अन्य पत्रकारों ने भाग लिया और खेल का आनंद उठाया।

राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में गढ़वा के सत्येंद्र ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड के रांची होटवार खेलगांव शूटिंग रेंज में 2 से 5 सितंबर तक आयोजित 15वीं झारखंड राज्य राइफल शूटिंग प्रतियोगिता में गढ़वा जिले से 19 सदस्यीय टीम ने भाग लिया। इसमें गढ़वा जिला के खिलाड़ियों ने अपने-अपने कैटगरी में खेले और अच्छा प्रदर्शन किया। खेले गये प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर पिस्टल में सत्येंद्र प्रसाद यादव ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर द गढवा राइफल क्लब के अध्यक्ष आलोक मिश्रा ने कहा कि यह गढ़वा के लिए बहुत बड़ा उपलब्धि है। उनके इस उपलब्धि पर क्लब के उपाध्यक्ष उदय नारायण तिवारी संयुक्त सचिव धर्मेंद्र पाल, अजय कांत कोषाध्यक्ष पियूष प्रयाग, गढ़वा जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र पाठक, उपाध्यक्ष विजय केसरी, मदन प्रसाद केसरी, ओमप्रकाश तिवारी, डॉ उमेश सहाय, कौशलेश तिवारी राजकमल तिवारी, मनोज संसाई अनिता दत्त आदि लोगों ने बधाई दिया है।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 08 सितंबर, 2025
www.azadsipahi.in

सूर्य मंदिर बुंडू परिसर में भादर मिलन समारोह

बूंडू (आजाद सिपाही)। पंचपरगनिया भाषा प्रेमी द्वारा सूर्य मंदिर बुंडू परिसर में भादर मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राजकिशोर स्वांसी और पुरेंद्र नाथ अहीर के वंदना गीत से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक डॉ. गोविंद महतो ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंचपरगनिया भाषा विकास केन्द्रीय समिति के सचिव डॉ. करमचंद्र अहीर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का अपील किया। स्नातकोत्तर पंचपरगनिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. तारकेश्वर सिंह मुंडा ने कहा कि सांस्कृतिक विकास के साथ साहित्य का भी विकास होना चाहिए। मुंडारी विभाग के विभागाध्यक्ष ने कहा कि के भाषा कला संस्कृति को बचा कर रखना है। शारीरिक शिक्षक सुरेश चंद्र महतो ने कहा कि भादर मिलन समारोह एकज्जुटता को दिखाता है। कुड़मालि विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष भूतनाथ प्रमाणिक ने कहा कि इन्होंने सरकार द्वारा पंचपरगनिया भाषा को सरकार उपेक्षित कर रही है। भादर मिलन समारोह में पंचपरनिया साहित्यकार गोरेंद्रनाथ गोंझू, डॉ. वासुदेव महतो, जयप्रकाश उरांव, कृष्ण सिंह मुंडा, समाजसेवी रामदुर्लभ सिंह मुंडा, सैनाथ मुंडा, सुरेंद्र अहीर, गोपाल, हलधर, सहदेव, मोहित, प्रीतम, ललित, सुदर्शन, हेमंत, सुनीता देवी आदि शामिल हुए।

दुर्गा पूजा कमेटी का गठन, रमनेश बने अध्यक्ष

मुरी (आजाद सिपाही)। आगामी शारदीय नवरात्र को लेकर सिंगपुर मुरी स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में रविवार को एक बैठक आहुत की गयी। इस बैठक में धूमधाम से दशहरा मनाने एवं पंडाल निर्माण, बेहतर प्रबंधन आदि पर विचार विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से डॉक्टर रमनेश प्रसाद को पूजा समिति का अध्यक्ष चुना गया। उमेश महतो को उपाध्यक्ष, सत्या महतो को सचिव, गौतम महतो को उपसचिव, कोषाध्यक्ष राजू महतो तथा सह कोषाध्यक्ष देवफूल भूषण को चुना गया। इसके अलावा कई सक्रिय सदस्य चुने गये। बैठक की अध्यक्षता गणेश महतो ने की तथा संचालन प्रभात रंजन ने किया।

पिपरवार में ऑल इंडिया एससी/एसटी/बीसी इंप्लाई को-ऑर्डिनेशन काउंसिल की बैठक

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा में रविवार को ऑल इंडिया एससी/ एसटी/ बीसी एंप्लाई को-ऑर्डिनेशन काउंसिल की बैठक हुई। इस बैठक में सोमवार 8 सितंबर को ऑल इंडिया एससी/एसटी/बीसी एम्प्लाई को-ऑर्डिनेशन काउंसिल, सीआईएल, सीसीएल के महामंत्री बृज किशोर राम के पिपरवार दौरे को लेकर विचार विमर्श किया गया। काउंसिल के उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन ने बताया कि संस्था के सीआईएल, सीसीएल महामंत्री बृज किशोर राम 8 सितंबर को पिपरवार क्षेत्र एवं परियोजना की रोस्टर, प्रमोशन सीनियरिटी बैकलॉक वेलफेयर से संबंधित क्षेत्र का भ्रमण करेंगे एवं प्रबंधन के साथ उक्त मुद्दों से संबंधित बैठक कर चर्चा की जायेगी। बैठक में मुख्य रूप से सीसीएल उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन, क्षेत्रीय सचिव रतन लाल, गणेश रविदास, एसडी राम, सरजू सिंह, मथुरा मंडल, रामचंद्र उरांव, रथू गंझू, राहुल राम, रामेश्वर भोक्ता, दिलीप सहित काउंसिल के कई लोग मौजूद थे।

रैयत विस्थापित मोर्चा का डकरा परियोजना कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना आज

खलारी (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा डकरा शाखा के द्वारा डकरा परियोजना कार्यालय के समक्ष रैयत विस्थापित की समस्याओं को लेकर 8 सितंबर को एकदिवसीय धरना दिया जायेगा। इस धरना में मोर्चा के एरिया और विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी सहित परियोजना से जुड़े रैयत विस्थापित शामिल होंगे। इस संबंध में डकरा शाखा अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि डकरा खदान में जो रैयत विस्थापित अपना जमीन दिये हैं उस विस्थापित गांव का एक भी विकास का काम नहीं हुआ है जैसे बिजली सड़क पानी स्कूल स्कूल बस चिकित्सा सहित कोई बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हुई है। वहीं कुछ रैयत जिस की जमीन अधिग्रहण कर लिया गया पर अभी तक नौकरी मुआवजा पुनर्वास नहीं मिल पाया है और ना ही रोजी रोजगार के लिए कोई ठोस कदम विस्थापितों के लिए उठाया गया है, जबकि यहां के रैयत देश की ऊर्जा बढ़ाने के लिए अपनी जमीन देकर के दर-दर भटकने को मजबूर हैं। वहीं प्रबंधन स्थापित के मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य समस्याओं को लेकर पूरी तरह से उदासीन बना हुआ है। जिसको लेकर के मोर्चा ने प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत कर दिया है।

नाबालिग किशोरी से दो युवकों ने किया दुष्कर्म, दोनों गये जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जरियागढ़ थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के साथ दो युवकों द्वारा दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पुलिस ने दोनो आरोपियों अमन लकड़ा (21 वर्ष) और सुरा बारला को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार दोनों आरोपित जरियागढ़ थाना क्षेत्र के डुमारी गांव के रहने वाले हैं।

जानकारी के अनुसार पीड़िता अपने भाई के साथ शुक्रवार को डोड़मा साप्ताहिक हाट गयी थी। वापस लौटते वक्त दोनो सड़क के किनारे खड़े होकर ऑटो का इंतजार कर रहे थे। तभी वहां अमन लकड़ा और सूरा बारला पहुंचे। अमन ने पीड़िता के भाई से कहा कि तुम सूरा की बाइक पर बैठ जाओ, मैं तेरी बहन को घर छोड़ दूंगा। अमन लड़की को अपनी बाइक पर बैठाने के बाद घर छोड़ने के बजाय सेमला जंगल ले गया और पीड़िता के साथ जबरन दुष्कर्म किया। यही नहीं, उसने अपने दोस्त सुरा बारला को फोन कर बुलाया। दोनो ने युवती को डराया-धमकाया और सूरा लड़की को अपने घर ले गया और एक कमरे में बंद कर दिया। वहां सुरा ने नाबालिग लड़की के साथ रात में कई बार दुष्कर्म किया। सुबह कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर सुरा कहीं चला गया। इसी बीच सुरा के एक परिजन ने किसी काम से दरवाजा खोला, तो अंदर बंद पीड़िता वहां से निकलकर सीधे अपने घर भागी और परिवार के लोगों को घटना की पूरी जानकारी दी। उसके बाद पीड़िता के परिवार वाले कियोरी को लेकर शनिवार को जरियागढ़ थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया। पुलिस ने छापामारी कर दोनो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

तपकारा के कोचा पाकरटोली से एक क्विंटल प्रतिबंधित मांस बरामद, दो पर प्राथमिकी दर्ज

खूंटी (आजाद सिपाही)। पुलिस ने तपकारा थाना क्षेत्र के कोचा पाकरटोली गांव के पास रविवार को एक क्विंटल प्रतिबंधित मांस बरामद किया है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह को तपकारा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कोचा पाकरटोली गांव के समीप झाड़ियों से घिरे एक स्थान पर प्रतिबंधित मांस की बिक्री जा रही है। इस सूचना पर थाना प्रभारी नितेश गुप्ता पुलिस बल के जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को आता देख प्रतिबंधित मांस की खरीद-बिक्री करने वाले लोग भाग निकले। पुलिस ने लगभग एक क्विंटल प्रतिबंधित मांस, तराजू, लकड़ी का टुकड़ा, औजार सहित अन्य सामान बरामद किये हैं। पुलिस ने पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर दो लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है।

बालू घाटों की नीलामी के खिलाफ संयुक्त ग्रामसभा कर जताया विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के सोड़ो मौजा के जारगोडीह कालेज परिसर में रविवार को ग्राम प्रधान सह मुखिया नयन सिंह मुंडा की अध्यक्षता में संयुक्त ग्रामसभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में सोड़ो, जारगोडीह, बामुनडीह, गोविंदपुर, सपादा, बिरडीह एवं बालीडीह घाट को मिलाकर एक ग्रुप के माध्यम से बालु घाट का नीलामी का विरोध करते हुए एकल घाटों का नीलामी करने का मांग किया गया, ताकि क्षेत्र के मध्यमवर्गीय लोग भी नीलामी में भागीदारी ले सके। ग्राम प्रधानों का कहना है कि पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में ग्राम सभा को दरकिनार कर नीलामी करना न्याय संगत नहीं है। बताया गया कि पूर्व में एकल घाटों का नीलामी के लिए ग्रामसभा किया गया था। ग्रामीण व ग्राम प्रधानों ने कहा कि एक ग्रुप बनाकर सभी घाटों को सामिल किया गया है, ताकि बाहर के पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया जा सके। यहां के स्थानीय ग्रामीणों को लाभ से वंचित करने का साजिश है। संयुक्त ग्रामसभा में हुंकार भरी की विभाग मनमानी ढंग से नीलामी किया तो उच्च न्यायालय का सरन में जायेंगे। मौके पर ग्राम प्रधान नयन सिंह मुंडा, शिशुपाल सिंह मुण्डा, सुधीर सिंह मुंडा, राजेन सिंह मुंडा, शिवराम महतो, भोलानाथ महतो, पंचानन पातर, सुबोध राय, दीलीप महतो सहित सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे।

वर्षा जल संचयन भविष्य में जल संकट रोकने का बेहतर उपाय

खूंटी (आजाद सिपाही)। मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में रविवार को वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्षा जल संचयन के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के ग्रुप ने वर्षा जल संचयन पर आधारित मॉडल बनाकर इसे प्रदर्शित किया, साथ ही इसके महत्व से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। आर्यन ग्रुप, राहुल ग्रुप, शिवा ग्रुप, जिया और सिया ग्रुप को बेहतरीन मॉडल प्रदर्शित करने के लिए पुरस्कृत भी किया गया।

वाहन ऑनर संघ का गठन

10 सितंबर को बंदी करने का किया गया आहवान

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा दक्षिणी पंचायत भवन में वाहन ऑनर संघ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अब्दुल कुदूस और संचालन प्रमोद प्रजापति ने किया। बैठक मे सीसीएल के पांच क्षेत्र पिपरवार, एनके, मगध संघमित्रा, आम्रपाली चंद्रगुप्त और राजहरा एरिया मे टेडंर पर चलने वाले प्राईवेट वाहन के मालिक मौजुद थे। बेठक में ऑनरो की विभिन्न समस्या को लेकर सीसीएल प्रबंधन को सौंपे गये 12 सूत्री मागों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। वक्ताओं ने कहा कि प्रबधंन को दिये गये मांग पत्र को लेकर सोमवार आठ सितंबर को पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय मे प्रबधंन और ऑनरो के बीच वार्ता आहुत की गयी है, यदि वार्ता में मांगों को पुरा किया जाता है तो ठीक है और यदि मांगों पर कोई पहल नही की गयी, तो 10 सितंबर को वाहन ऑनर संघ के बैनर तले एक दिन का सांकेतिक रूप से बंदी किया जायेगा और इसके बाद भी मांगों को पुरा नहीं किया गया तो बाध्य होकर सभी गाड़ी ऑनर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जायेंगे। बैठक में वाहन ऑनर संघ का गठन किया गया, जिसमे संरक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह, अरूण कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, संतोष कुमार गिरी, चंद्रभुषण सिंह को बनाया गया। वहीं अध्यक्ष अनिल यादव, उपाध्यक्ष निर्भय सिंह,प्रवीण चौहान, कमलेश चौहान, प्रवीण कुमार सिंह, कमलजीत सिंह, सचिव रोहित केशरी, उप सचिव प्रमोद कुमार, कुदुस अंसारी, मुकेश केशरी, अबरार अंसारी, संजय महतो, कोषाध्यक्ष रौशन गोस्वामी और उप कोषाध्यक्ष सेतु सिंह व उदय राज को बनाया गया, इसके अलावा कई लोगो को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। बैठक मे उक्त पांचो क्षेत्रो के प्रतिनिधि मौजुद थे।

करम मिलन समारोह का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। जेएलकेएम के तत्वावधान में भादर सह करम मिलन समारोह का आयोजन मारधान मैदान में दमयंती मुंडा केंद्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा के अध्यक्षता में हुई। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्रीमती मुंडा ने अपनी पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत के बारे जानकारी देते हुए कहा कि हमारी विलुप्त होती पारंपरिक सांस्कृतिक को बचाए रखना हम युवाओं के कंधे पर इसे बखूबी परंपरा को निभाना है। सरकार पर सवाल करते हुए श्रीमती मुंडा ने कहा कि मंईयां सम्मान के नाम से 25 सौ रुपये देकर झारखंडियों को ठगने का काम कर रही है और बाहरी को 75 हजार की सरकारी नौकरी दे रही है। श्रीमती मुंडा ने कहा कि सरकार को सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले को सीबीआई से जांच करानी चाहिए, ताकि दुध का दुध और पानी का पानी हो जाये। सरकार रिम्स 2 के नाम से नगड़ी में आदिवासी मूलवासियों को उजाड़ चाहती है। विकास के नाम से खेती योग्य भूमि का अधिग्रहण जेएलकेएम बर्दाश्त नहीं करेगी। सरकार को विकास ही करना है तो बंजर भूमि पर करे। जबरन भूमि अधिग्रहण किया जायेगा तो जेएलकेएम सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन तेज करेगी। समारोह में विशेष अतिथि के रूप में सुखराम मुंडा, भानुमती महतो, देवेंद्र नाथ महतो, पूजा महतो, फुलेश्वर बैठा, विनोद स्वांसी, डॉ बसंती हेंबरम प्रीति राज, प्रेम मार्डी, अलोक उरांव रांची जिला सभी कमेटी, बुंडू प्रखंड सभी कमेटी, अड़की प्रखंड कमेटी आदि शामिल हुए।

12 लाख की इनामी फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए निकाली गयी बाइक रैली

खूंटी (आजाद सिपाही)। भगवान बिरसा मुंडा एवं मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की पावन धरती खूंटी में छह दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट पांच से 10 नवंबर तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम खूंटी में किया जायेगा। पुरस्कार के तौर पर 12 लाख 40 हजार रुपये नगद पुरस्कार और एक ईवी स्कूटी दिये जाएंगे। प्रथम पुरस्कार तीन लाख रु, द्वितीय पुरस्कार तीन लाख रु, तृतीय पुरस्कार एक लाख 20 हजार रु के अलावा अन्य टीमों को भी नकद पुरकार दिया जायेगा। इस टूर्नामेंट के मुख्य संरक्षक खूंटी के सांसद काली चरण मुंडा और सह संरक्षक खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा और तोरपा कें विधायक सुदीप गुड़िया को बनायाग या। खूंटी में फुटबॉल टूनार्मेंट आयोजन समिति द्वारा खेल के प्रमोशन के लिए रविवार को बाइक रैली निकाली गयी, जिसमें बसंत सुरीन, आरिफ टोपनो, विक्रम सिंह, जीतेन सोय, विजय टोपनो, एबोन हीरो, सामुएल पूर्ति, राजेंद्र तिरु, नेल्सन हेरेंज, मगन मनजीत तिरु, विजय सांगा, फिलिप सोय, अजय कोनगाड़ी आदि शामिल हुए।

मिलन चौक में करुणा होंडा बाइक शोरूम का उद्घाटन

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के मिलन चौक के मिलन दरबार में रविवार को करूणा होंडा बाइक शोरूम का विधिवत उद्घाटन पीबको होण्डा के जीएम राजन कृष्णन, दिलीप कुमार दास, महेश्वर गोप, डॉसृष्टि धर महतो, मनोज साहू, रोहित कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटा कर व दीप प्रज्वलित कर किया वहीं जीएम श्री कृष्णन ने उपस्थित लोगों को नये लंच हुए होंडा बाइक का विशेषता के संबंध में जानकारी दिया। वहीं संचालक रोहित कुमार ने कहा कि मिलन दरबार में एक छत पर ही सभी पाटर्स, सर्विसिंग आदि उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि बाइक खरीदने वाले को रजिस्ट्रेशन नंबर एवं कागजात बाइक के साथ ही दिया जायेगा। उन्होंने खरीदारों के लिए आफर का भी घोषणा किया। मौके पर डॉ पूर्ण शशी महतो, अजय रक्षित, दामोदर सिंह मुंडा,चिंटू साहु, हरेंद्र नाथ, कृष्ण चंद्र साहु, रंजीत सिंह मुंडा, खालीद अंसारी, शमशेर आलम, धीरेंद्र नाथ दास आदि सैकड़ों व्यवसायिक उपस्थित थे।

क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता बनी रांची फाइटर

बुंडू (आजाद सिपाही)। रविवार को जनकल्याण समिति ऐदलहातु बुंडू के द्वारा आठ टीमों के बीच एकदिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन टोल प्लाजा बुंडू के पास स्थित क्रिकेट मैदान में किया गया। प्रतियोगिता का विजेता रांची फाईटर टीम बनी, जिसे प्रथम पुरस्कार 20 हजार और उपविजेता टीम बाजी ग्रुप बुंडू रही, जिससे द्वितीय पुरस्कार 14 हजार नगद राशि मुख्य अतिथि रांची जिला के कांग्रेस नेता अमित खलखो बिरसा विकास समिति के प्रवक्ता समाजसेवी नीतीश पांडेय मानव सेवा संस्था बुंडू के संस्थापक समाजसेवी रोशन महतो कांग्रेस नेत्री प्रियंका माधुरी एक्का जिला महासचिव हसिब अंसारी नंदकिशोर साहु सजल कुंडु बंटी मुंडा अरसद अंसारी ने संयुक्त रुप से अपने हाथों से दिया।

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की डकरा में बैठक

खलारी (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की बैठक रविवार को डकरा ऑफीसर्स क्लब में हुई। जिसकी अध्यक्षता विजय सिंह और संचालन संजीव सिंह रंजन ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में ललन प्रसाद सिंह शामिल हुए। बैठक में आगामी 23 सितंबर को यूनियन के जनरल सेक्रेटरी सह बेरमो विधायक अनूप सिंह और कुमार महेश सिंह के आगमन को लेकर तैयारी पर चर्चा की गयी। बैठक के दौरान क्षेत्र के सभी परियोजनाओं से यूनियन के सदस्य शामिल हुए। बैठक में गोपाल सिंह, प्रदीप प्रसाद, अजयसिंह, उज्जवल सिंह, मुबारक खान, चंदन सिंह, सुदेश्वर ठाकुर, अर्जुन महतो, फूलमनी देवी, रितेश कुमार वर्मा, संजय कुमार, गणेश प्रसाद, धीरेंद्र सिंह, संजीव रंजन सिंह, सुधीर कुमार, प्रदीप प्रसाद सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

बच्चों की सफलता ही शिक्षकों का सबसे बड़ा सम्मान: राजेश मिश्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। संकल्प संस्थान में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस रविवार को धूमधाम से मनायाग या। कार्यक्रम का शुभारंभ संकल्प संस्थान के निदेशक राजेश मिश्रा, खूंटी थाना के सब-इंस्पेक्टर आदित्य रंजन तथा संतोष राजक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर आदित्य रंजन ने कहा कि संकल्प संस्थान छोटे शहर खूंटी में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने बच्चों को काक चेष्टा, बवो ध्यानम श्लोक का महत्व समझाया। साथ ही सोशल मीडिया से दूरी बनाने, संदिग्ध एपीके फाइल से बचने तथा किसी भी साइबर क्राइम से संबंधित समस्या के लिए 1930 हेल्पलाइन और पुलिस संबंधी समस्याओं के लिए 112 नंबर का प्रयोग करने की सलाह दी। संतोष राजक ने बच्चों को अफीम के दुष्प्रभाव, अंधविश्वास (विशेषकर डायन प्रथा), मानव तस्करी तथा सड़क दुर्घटना जैसे गंभीर मुद्दों से अवगत कराया। संस्थान के निदेशक राजेश मिश्रा ने कहा कि शिक्षक कई चुनौतियों का सामना करते हुए बच्चों को शिक्षित करने का कार्य करते हैं और जब उनके पढ़ाये बच्चे सफल होते हैं तो वही शिक्षक के लिए सबसे बड़ा गर्व का क्षण होता है। शिक्षक नवीन मिश्रा ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन आदर्शों पर प्रकाश डाला। वहीं बिरसा कॉलेज के राजकुमार गुप्ता ने सांप्रदायिक सोच के उन्मूलन, 15 से 25 वर्ष की आयु को स्वर्णिम काल बताते हुए विभिन्न पौराणिक विषयों पर चर्चा की। बीकेबी मेमोरियल पब्लिक स्कूल टोरपा के प्राचार्य एवं झारखंड के प्रसिद्ध नागपुरी गायक लक्ष्मीकांत बड़ाईक ने अपने मधुर गीतों से सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

जेआइआइटी एकेडमी कंप्यूटर सेंटर ने शिक्षक दिवस मनाया

खूंटी (आजाद सिपाही)। जेआईआईटी एकेडमी कंप्यूटर सेंटर, तोरपा रोड खूंटी कें तत्वावधान में रविवार को स्थानीय टाउन हॉल में रंगारंग कार्यक्रम के साथ शिक्षक दिवस मनाया गया। सेंटर के संचालक बिरेंद्र नाग, हेड ऑफिस की डायरेक्टर बुलबुल और सहयोगियों ने द्वीप प्रज्वलित और केक काटकर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धा-सुमन अर्पित किया गया। शिक्षक दिवस समारोह में लगभग 600 नये-पुराने विद्यार्थी शामिल हुए। मौके पर 108 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया। सभी विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम पेश किये। कार्यक्रम में गणेश ने विद्यार्थियों को नये कोर्स आशुलिपि कोर्स स्कोप के बारे बताया। डायरेक्टर बुलबुल ने विद्यार्थियों को जीवन में मेहनत से आगे बढ़ने के बारे में समझाया। संचालक बिरेंद्र नाग ने विभिन्न पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोनी रानी, रोजलिन, गणेश स्वांसी, रेणु, पुष्पा, आशीष, सोनी, मोनिका, बिंदू, एलिस, आनंद, जसीस, तनु, अर्जुन, गुलशन, सृष्टि, पुतुल, रिया, जयमंगल, मनीषा, एमलेन, एमिमा, एलिन, पूर्वी, आरोही, आरवी, अभिनव, आयुष, अभय, प्रियंका एवं अन्य सभी विद्यार्थियों ने योगदान दिया।

चलाया गया चेकिंग सह जागरूकता अभियान

पिपरवार (आजाद सिपाही)। पिपरवार पुलिस के द्वारा थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग सह जागरुकता अभियान चलाया गया। चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के निर्देश पर पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के कई जगहों पर यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में पुलिस के द्वारा वाहन चला रहे लोगों से हेलमेन्ट का उपयोग करने, तेज गति से वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाने के वक्त नशा का सेवन नहीं करने, वाहन से संबंधित जरूरी कागजात साथ में रखने, नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने के लिए नहीं देने सहित मोटर अधिनियम एक्ट का पालन करने को लेकर जागरूक किया। इस संबंध में पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि चतरा एसपी के निर्देश पर पिपरवार थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग सह जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें पुलिस के द्वारा आम लोगों को जागरूक किया गया।

भक्ति बिना निरर्थक है मनुष्य का जीवन: स्वामी डॉ निर्मलानंद

खूंटी (आजाद सिपाही)। महर्षि मेंही आश्रम शबरी कुटिया शांतिपुरी मुरहू में आयोजित 15 दिवसीय ध्यानाभ्यास शिविर का समापन रविवार को हुआ। कार्यक्रम में भागलपुर के स्वामी डॉ निर्मलानंद जी महाराज ने कहा कि मनुष्य का जीवन भक्ति बिना निरर्थक है, जैसे भोजन में नमक के नहीं रहने से फीका हो जाता है। मोक्ष पाने के लिए भक्ति ही पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि माता शबरी को भक्ति का ज्ञान भगवान श्री राम ने नवधा भक्ति के माध्यम से दिया है, जो हम सभी मनुष्यों के लिए परम हितकारी है। उन्होंने कहा कि निष्कपट और दीन होकर गुरु की सेवा करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलकर ही सच्ची भक्ति करने से जीवन में सुख शांति और मोक्ष की प्राप्ति संभव है। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो, राम बिहारी लाल, योगेश राम वर्मा, अरुण भगत आदि शामिल होकर संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर डॉ. डीएन तिवारी, डॉ. संजय सत्संगी, जूरन मुंडा, मनु गोप, जगन्नाथ मुंडा,सुबोध मंडल, सूरजमल प्रसाद, सगुन दास सनातन कुमार बीरु, सुनीता कुमारी, सुलेखा कुमारी, गोला मुंडा, रामहरि साव, सुबोध कुमार समेत अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

ग्रामीण एसपी और डीएसपी ने झखराटांड़ पहुंच कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया

घटनास्थल के कारतूस के पांच खोखे और बाइक बरामद, जांच में जुटी पुलिस

पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिये हमलावर की पहचान करने में जुटी

एफएसएल की टीम भी घटनास्थल पहुंच कर कर रही है जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के झखराटांड़ में रविवार की शाम 6.30 बजे अज्ञात अपराधी ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान रवि कुमार के रूप में हुई है। वह टंडवा थाना क्षेत्र का रहने वाला था। उसकी पीठ एवं गले के पीछे तीन गोली मारी गयी है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पांच खोखे बरामद किये हैं, जबकि इसी हादसे में गोली लगने से झखराटांड़

घायल राजबल्लम गोप।

निवासी राजबल्लम गोप घायल हो गये हैं। गोली उनके चेहरे को छूते हुए निकल गयी। वारदात के बाद आनन-फानन में परिजनों ने घायल राजबल्लम को पहले रातू के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये। जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकत्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार झखराटांड मुंडा टोली स्थित प्रदीप लोहरा के घर देशी शराब बनाया जाता है। राजबल्लम और उसका साथी रविवार की शाम छह बजे वहां शराब पीने पहुंचे थे। इसी दौरान एक अज्ञात युवक वहां पहुंचा। उसका चेहरा कपड़े से ढका था। उसने पिस्टल निकाल कर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिससे राज बल्लम घायल हो गया, जबकि उसके साथी की मौके पर ही मौत हो गयी।

उधर, घटना कि जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी रामनारायण सिंह मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने घटनास्थल से पांच खोखा और एक बुलेट (बाइक) जब्त किया है। लगे हाथ मामला दर्ज कर मृतक और हमलावर की पहचान जुटाने में जुट गयी है। दूसरी ओर ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर और डीएसपी अरविंद कुमार भी हत्या की सूचना पाकर मौके पर पहुंच गये और घटना की जानकारी ली। वहीं, एफएसएल की टीम पहुंच कर जांच कर रही है। इसके अलावा पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिये हमलावर की पहचान करने में जुट गयी है।

नकली पिस्तौल और चाकू का भय दिखाकर नकद-मोबाइल की लूट

ग्रामीणों ने खदेड़कर दो युवकों को पकड़ा, एक फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। पुलिस ने नकली पिस्तौल और चाकू के बल पर लूट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात नामकुम थाना क्षेत्र के कुटीयातू आर्मी भर्ती मैदान में बैठे लड़कों से तीन युवकों ने नकली पिस्तौल और चाकू का भय दिखाकर नकद एवं उनका मोबाइल फोन लूट लिया। तीनों लूटेरे स्कूटी पर सवार होकर सदाबहार चौक की ओर भागने लगे। जिसका पीछा करते हुए स्थानीय लोगों ने खदेड़कर उन्हें पकड़ लिया और पिटाई करने के बाद नामकुम पुलिस को सौंप दिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद हुजैफा और मोहम्मद साह अमन के रूप में हुई है। इस बाबत थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गौरव कुमार, आर्यन सिंह (अमेठिया नगर) एवं कुटीयातू निवासी गोलियत होरो मैदान में बैठे थे। तभी तीनों युवक उनके पास आये। उनमें से एक

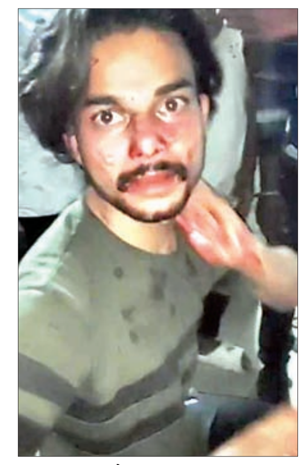

युवक पिस्तौल, जबकि दूसरे ने चाकू निकालकर उनके पास मौजूद सभी सामान देने को कहा। तीनों ने गौरव से 3500 रुपये नकद और मोबाइल, जबकि गोलियत होरो से करीब 2500 रुपये नकद छिनतई कर ली। इसके बाद पास में बैठे लोवाडीह निवासी रोहन कुजूर, अभिजीत मिंज को भी पिस्तौल का भय दिखाकर 500 रुपए एवं फोन छिन लिया और स्कूटी पर सवार होकर नामकुम की ओर भागने लगे। पर वहां मौजूद युवकों ने तीनों का पीछा किया और प्रखंड कार्यालय के समीप दो में से एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा फरार हो गया। वहीं, दूसरे युवक को भी दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। पकड़े गए युवकों के पास से एक नकली लाइटर वाला पिस्तौल, चाकू, छिनतई किया गया दो मोबाइल एवं नकद बरामद किया गया है।

युवा व्यवसायी पप्पू की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की

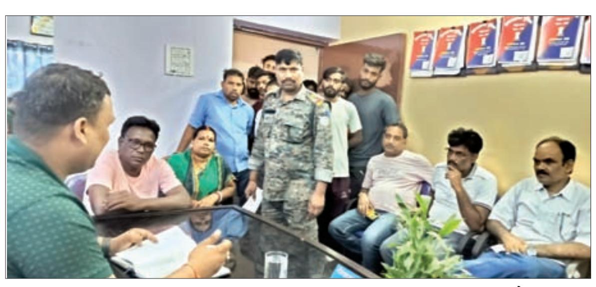

बेड़ो (आजाद सिपाही)। युवा व्यवसायी गौतम कुमार राम उर्फ पप्पू की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर रविवार को समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, दुकानदार, ग्रामीण और स्वजन बेड़ो के थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान से मिले। उन्होंने पप्पू की मौत की गहन एवं निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं, थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम के अलावा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की भी मदद ले रही है। साथ ही पुलिस ने पप्पू द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले दोनों मोबाइल फोन और नंबर की काल डिटेल निकलवायी है। उन्होंने कहा कि पुलिस की पूरी टीम जांच में लगी है। जल्द ही घटना का खुलासा हो जायेगा। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव, पूर्व उपप्रमुख धनंजय कुमार राय, मुखिया सुशांति भगत, पंसस राखी भगत, बलराम सिंह, मृतक के बड़े भाई मुकेश कुमार और कुणाल वर्मा आदि मौजूद थे।

मारपीट में घायल युवक की मौत, तीन गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। नरकोपी थाना क्षेत्र के डोरंडा पीपर टोली गांव में विगत चार सितंबर की रात में हुई मारपीट में घायल युवक कुलदीप भगत की रविवार की सुबह रांची के देव कमल अस्पताल में मौत हो गयी। पोस्टमार्टम के बाद इस दिन शाम को शव पैतृक आवास पहुंचा। शव पहुंचते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। उधर, नरकोपी पुलिस ने मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उनकी पहचान नरकोपी थाना क्षेत्र के डोरंडा पीपरटोली गांव निवासी मालिकचंद साहू, बसंत लोहरा और सोनू उरांव के रूप में हुई है।

दिशोम गुरु को भारत रत्न देने की मांग को लेकर पैदल यात्रा पर निकले उत्तम यादव का ओरमांझी में स्वागत

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव अपने साथियों शैलेश नंद तिवारी, उमेश साहू, नितेश वर्मा, दुर्गा चरण, सावन लिंडा, सोनू गुप्ता, रामप्रवेश गुप्ता, रोहित यादव और छोटू बेदिया के साथ नेमरा से मिट्टी लेकर पदयात्रा करते हुए राज भवन पहुंचेगें। जहां राज्यपाल को मिट्टी देते हुए गुरुजी को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग केंद्र सरकार से करेंगे। इसी क्रम में शनिवार को ओरमांझी पहुंचने पर रात हो जाने के कारण मुखिया दीपक बड़ाइक से रात्रि विश्राम का आग्रह किया। ओरमांझी मुखिया ने इसे प्राथमिकता देते हुए उतम यादव और उनके मित्रों को रहने-खाने

और गुरु जी की चित्र को रखने की व्यवस्था करायी। मुखिया दीपक बडाइक ने रविवार सुबह ग्राम प्रधान दीनदयाल लोहरा, सत्यम राज कुशवाहा, रंजन करमाली, उत्तम करमाली, टुनटुन साहू, उमेश बड़ाइक, रोशन बड़ाईक, योगेंद्र मुंडा, भीम मुंडा, मुन्नी देवी, किरण देवी, रिंकी देवी, प्रीतम करमाली आदि ने गुरु जी के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उत्तम यादव की मांग को जायज ठहराते हुए साथ देने का वादा किया। मुखिया संघ अध्यक्ष दीपक बड़ाइक ने कहा कि झारखंड की अस्मिता और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए शिबू सोरेन का योगदान ऐतिहासिक रहा है। उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करना न केवल उनके संघर्षों की पहचान होगी, बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव का प्रतीक भी होगा।

रातू में मारुति मंगल फुटबॉल प्रतियोगिता 12 अक्टूबर से

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने के लिए तिगरा टिकरा टोली स्थित मैदान में मारुति मंगल परिवार के तत्वाधान में छह दिवसीय प्राइज मनी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 12 अक्टूबर से आरंभ होगा। इसे सफल बनाने को लेकर शनिवार को मारुति मंगल परिवार के सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें समाज के अगुवा नेतृत्वकर्ता बुद्धिजीवी वर्ग एवं मारुति मंगल परिवार के पदाधिकारियों-सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा के बाद प्राइज मनी फुटबॉल

प्रतियोगिता को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष संदीप रुद्रा ने कहा कि 12 से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें शामिल होंगी। जिसका प्रवेश शुल्क 25 हजार रुपये है। इसमें विजेता टीम को तीन लाख 33 हजार 333 रुपये, उपविजेता को दो लाख 22 हजार 222 रुपये, तीसरा और चौथे स्थान पर आने वाले टीम को 33 हजार 333 रुपये एवं ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक मैच में प्लेयर ऑफ द मैच, बेस्ट गोल कीपर और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया जाएगा।

गांव में सेवा योद्धा बनाने को लेकर बैठक

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। पंचायत भवन में आर्ट ऑफ लिविंग के पदाधिकारियों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रोजेक्ट भारत के निखिल राज ने की। इसमें श्रीश्री बाल विद्या मंदिर के शिक्षक को प्रोजेक्ट भारत के योजना के अंतर्गत सेवा योद्धा अपने गांव में कैसे बनाना है इसकी विस्तृत जानकारी दी गयी। बैठक में आर्ट ऑफ लिविंग के शिक्षक सोनाराम महतो, प्रोजेक्ट भारत के युवाचार्य मुन्नी देवी,

युवाचार्य अजय कुमार, ओरमांझी मुखिया संघ के अध्यक्ष दीपक बड़ाइक, पूर्व मुखिया मीना देवी, श्रीश्री बाल विद्या मंदिर ओरमांझी और अनगड़ा के कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा के सफल आयोजन के लिए प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर में सौंपा गया प्रार्थना पत्र

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। 10 दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव को सफल बनाने के लिए श्री रामचरितमानस नवाहण परायण महायज्ञ दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में अध्यक्ष राहुल चौधरी के नेतृत्व रविवार को समिति के संरक्षक मंडली, वरीय पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्यों की उपस्थित में प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर में पंडित पंकज पांडेय द्वारा पूजन कार्य कराते हुए भगवान त्रिभुवन पति भगवान श्रीकृष्ण सहित अन्य देवी देवताओं को प्रार्थना पत्र सौंपा गया। सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भगवान श्री विष्णु के दरबार में सामूहिक रूप से पांच भजन गाये और गगनभेदी जयकारा लगाया। मौके पर रांची जिला ग्रामीण दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सह वरीय संरक्षक तपेश्वर केसरी, दौलत राम केसरी, चुडामनी महतो, नगड़ी मुखिया जय गोपाल उरांव, पंसस शीला देवी, प्रभात महतो, गनेश महतो, ओम प्रकाश चौधरी उर्फ. ओम केसरी, दिनेश केसरी, अरविंद भगत, सत्यनारायण चौधरी, रवि कुमार केसरी ओंकार, आदित्य केसरी, अरुण प्रमाणिक, मनोज महतो, पुरूषोतम केसरी, लाला चौधरी, राजकुमार केसरी, देवानंद चौधरी, मास्टर रवि प्रकाश सोनी उर्फ संजय, आशीष चौधरी, पवन महतो और सत्यनारायण महतो आदि उपस्थित थे।

जितिया-दुर्गा पूजा में सफाई और लाइटिंग को लेकर बैठक

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के तुसमु गांव स्थित देवी मंडप प्रांगण में रविवार को ग्रामीणों की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता समाजिक कार्यकर्ता आशुतोष कुमार ने की। इसमें जितिया और दुर्गा पूजा के मद्देनजर साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था आदि को लेकर चर्चा की गयी। साथ ही तुसमु गांव के देवी मंडप प्रांगण के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर भी चर्चा की गयी। समिति ने ग्रामीणों के सामूहिक

प्रयास और सक्रिय भागीदारी से नियोजित कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णयों के सुचारू क्रियान्वयन के लिए 'देवी-मंडप समिति, तुसमु' नाम से समिति का गठन किया गया। जिसमें मुख्य संरक्षक संजय कुमार, राजेश पांडे, संरक्षक श्संजीत कुमार, सुरेश उरांव, राजेंद्र महतो, मणि भूषण महतो, रघु गोप, आनंद गोप, विकास कुमार, गंगाधर महतो, परदेसी महतो, जयराम उरांव, अध्यक्ष सत्यम कुमार, उपकोषाध्यक्ष जयंत पांडे, सचिव सिकंदर महाली, महासचिव आशुतोष कुमार, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार महतो, उपकोषाध्यक्ष मनीराम महतो आदि को बनाया गया है।

तार से प्रवाहित हो रहे करंट के बीच आधी रात चोरों ने बिजली खंभे से उतार लिया ट्रांसफार्मर

बेड़ो (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के जमनी महुआ टोली गांव में लगा 10 केवीए का विद्यत ट्रांसफार्मर शनिवार की देर रात एक बजे चोरी हो गई। इससे गांव के लोग अंधेरे में डूब गये। चोरी की जानकारी ग्रमीणों को रविवार की सुबह हुई। 40 घरों की आबादी वाले इस गांव को इसी ट्रांसफार्मर से विद्युत आपूर्ति दी जाती थी। ग्रामीणों का कहना है कि शनिवार आधी रात के बाद बिजली चली गई। ग्रामीणों को लगा कि फॉल्ट के चलते बिजली गई है। इधर, चोरों ने ट्रांसफार्मर को खंभों से उतार लिया और

उसकी बॉडी (कवर) को छोड़ पूरा सामान चोरी कर ले गये। उधर, रविवार की सुबह ग्रामीण जब अपने खेतों की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्हें ट्रांसफार्मर के कुछ कलपुर्जे पड़े मिले। दूसरी ओर, चोरी की जानकारी मिलने पर मुखिया लक्ष्मी कोया और युवा समाजसेवी सुनील कच्छप गांव पहुंचे और चोरी की घटना का मुआयना कर विद्युत विभाग के कर्मचारियों को इसकी सूचना दी।

द्वारिका अस्पताल में करम मिलन समारोह का आयोजन

करम पर्व भाई-बहन के प्रेम की पूजा : डॉ निराला

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। प्रखंड के महिलौंग पुरुलिया रोड स्थित द्वारिका अस्पताल परिसर में रविवार को द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के तत्वावधान में करम मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें अस्पताल के निदेशक सह डॉक्टर एसके निराला ने करम पूजा के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि करम पर्व भाई-बहन के प्रेम की पूजा है। बहनें अपने भाई की लंबी उम्र के लिए पूजा करती है। साथ ही उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करने का भी संदेश दिया। कार्यक्रम को शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ एंटोनी किस्कू, अधिवक्ता पंकज कुमार रवि, डॉ डीकेएल चैहान, आयुष्मान मित्र शांति खलखो ने भी संबोधित

किया। अंत में उपस्थित लोगों ने संयुक्त रुप से करम गाने पर नृत्य कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर अस्पताल में राज्यकर्मी स्वास्थ बीमा योजना जागरूकता अभियान की शुरूआत की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रुप में झारखंड ऑटो यूनियन लीडर अध्यक्ष दिनेश सोनी के अलावा सचिव रमाशंकर सिंह, पीएफ ऑफिस रंजन चौधरी, छात्र क्लब मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा, अधिवक्ता पंकज कुमार रवि, संजय साव, बलभद्र कुमार, मुकेश नायक आदि मौजूद थे। वहीं, कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ पल्लवी कौशल, डॉ मेजर सीमा, जनसंपर्क अधिकारी देवा पासवान, वैष्णवी निराला, समीर श्रीवास्तव, संजय उरांव, सिस्टर सोनाली खलखो, नीतू टोप्पो, झनिका एक्का, सिंधु कुमारी, बुलबुल कुमारी, अंजली राजवाड़, प्रियंका महतो, सपना साहू और ऋतु यादव आदि उपस्थित रहे।

दो बाइक की टक्कर में दो घायल, पैर टूटा

लापुंग (आजाद सिपाही)। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के कैची मोड़ के पास रविवार की दोपहर दो बजे दो बाइक की टक्कर हो गयी। इस हादसे में एक ही बाइक पर बैठे दो लोगों का दाहिना पैर टूट गया।

जानकारी के मुताबिक रविवार को जम्हार बाजार होने के कारण रास्ते में भीड़ थी। तभी बाइक सवार लोग एक ही दिशा से जा रहे थे। अचानक एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में दोनों की टक्कर हो गयी। इस हादसे में जोरोंग आइंद अिैर नियारजन आइंद नामक व्यक्ति घायल हो गये। दोनों जरियागढ़ थाना क्षेत्र के ईठे गांव के रहने वाले हैं। दोनों का दाहिना पैर टूट गया। पताचला है कि ये लोग जम्हार बाजार से गोबिंदपुर की ओर जा रहा था। जबकि दूसरा बाइक सवार गोबिंदपुर से जम्हार बाजार की ओर जा रहा था। उसमें सवार छटू लोहारा और धानों स्वासी सांगोर (कर्रा) ने अपना साइड छोड़कर विपरीत दिशा से आ रहे अन्य बाइक पर सवार लोगों को टक्कर मार दिया। इसकी सूचना पाकर जरियागढ़ थाना के एएसआई परमेश्वर सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और 108 एंबुलेंस की मदद से कर्रा सीएससी ले गये। लगे हाथ दोनों बाइक को भी जब्त कर लिया।

दुर्गा पूजा को लेकर चिलदाग पूजा समिति की बैठक

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चिलदाग गांव में रविवार को दुर्गा पूजा की तैयारीयों को लेकर पूजा समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता पूजा समिति के अध्यक्ष रामनाथ महतो ने किया। इसमें इस बार भी दुर्गा पूजा भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। बताया गया कि इस अवसर पर भक्ति संगीत, जागरण एवं रंगारंग नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होगा। इस मौके पर पूजा समिति के संरक्षक

सह मुखिया दुर्गा पाहन, संयोजक राजेंद्र मुंडा, ग्रामप्रधान श्रीनाथ मुंडा, संरक्षक झबुलाल महतो, कोषाध्यक्ष रामकुमार नायक, सचिव बाबूलाल महतो, उपाध्यक्ष मदन साहू, उपसचिव विरसिंह नायक, रामचरण महतो, वर्मा नायक, नरेश महतो, लालू महतो, शिकारी महतो, काली महतो, राजू महतो आदि उपस्थित थे।

कामडारा में सड़क दुर्घटना में दो घायल

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अरहरा मोड़ पर एक मवेशी से टकराकर बाईक सवार दो व्यक्ति गिरकर गंभीर रुप से जख्मी हुए। यह घटना रविवार को दिन के लगभग 10 बजकर 30 मिनट के आसपास की है। बताया जा रहा है कि गांव मुरुमकेला मिलगाटोली निवासी सिमोन सुरीन उम्र 25 वर्ष और जेरल केरकेट्टा उम्र 45 वर्ष रविवार को एक बाईक मे सवार होकर गांव कोटबो से अपने घर मुरुमकेला मिलगाटोली जा रहे थे। उसी दौरान कामडारा-बेड़ो पथ पर गांव अरहरा मोड़ के समीप उनलोगों के बाइक के आगे अचानक एक बैल आ पहुंचा और टकराकर दोनो व्यक्ति बाइक सहित गिर पड़े। जिसके कारण उन्हें गंभीर चोट लगी है। वहीं स्थानीय ग्रामीणो ने तुरंत उठाकर उक्त दोनों घायलों को इलाज के लिये सीएचसी कामडारा मे भर्ती करा दिया है।

जिलाध्यक्ष के लिए पर्यवेक्षक बसिया पहुंचे, कार्यकर्ताओं से बातचीत की

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। प्रखंड मुख्यालय के वनविश्रामागार में कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन अभियान 2025 के तहत जिला अध्यक्ष के चयन हेतु परामर्श लिया गया। जिला अध्यक्ष के चयन हेतु नियुक्त पर्यवेक्षक पूर्व सांसद सह अखिल कांग्रेस कमिटी सदस्य डॉ रघु शर्मा, झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, आवास बोर्ड के चेयरमेन संजय लाल पासवान उपस्थित रहे। इस मौके पर पर्यवेक्षक डॉ रघु शर्मा ने कहा कि आप सभी कांग्रेस पार्टी के रीढ़ है। इस बार आपके परामर्श से जिला अध्यक्ष का चयन किया जायेगा। जो भी जिलाध्यक्ष बनेंगे उन्हें तीन महीना के अंदर जिला से लेकर पंचायत बीएलओ तक संगठन को दुरुस्त करना होगा। हम सभी जिला के सभी प्रखंडों में इस बार घूम घूम कर सभी कार्यकर्ताओं का फीडबैक ले रहे है ओर उस फीडबैक को केंद्रीय कमेटी को सौंपा जायेगा। गुमला जिला में कांग्रेस काफी मजबूत है। जो कार्यकर्ता कार्य करेगा, वही पद पर रहेगा जो काम नही करेगा वो पद पर नही रहेगा। जब उनसे पूछा गया कि विगत वर्षों में गुमला जिला के तीनों विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के विधायक हुआ करते थे लेकिन आज एक भी सीट नही है? इसपर मुख्य पर्यवेक्षक डॉ रघु शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अब अपने संगठन को मजबूत करने में लगी है और उसी कवायद के तहत संगठन सृजन अभियान 2025 कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की और आवास बोर्ड के चेयरमैन संजय लाल पासवान द्वारा भी कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष चयन, संगठन विस्तार के संबंध में जानकारी दिया गया। बंधु तिर्की ने कहा कि हम उस पार्टी के सिपाही है जिसमें देश के लिए लेडी आयरन इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने जान दे दी। जबकि भाजपा ने कभी देश की झंडा को सम्मान नहीं दिया। नागपुर में कभी तिरंगा नही फहराया जाता था, भाजपा देश की आजादी वर्ष 1947 को न मानकर 2014 को मानती है। भाजपा और उसका पूर्व संघ संघठन का देश के आजादी में कभी कोई योगदान नही रहा है। झारखंड के जयपाल सिंह मुंडा बोनिफास जैसे महान लोगों ने संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभायी। संगठन के मजबूती के लिए सबके सहयोग से जिला अध्यक्ष का चयन किया जायेगा।

इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव रोशन बरवा ने जिलाध्यक्ष के लिए अपना नामांकन पत्र मुख्य पर्यवेक्षक डॉ रघु शर्मा, पूर्व मंत्री सह कांग्रेस के प्रदेश कार्यकरी अध्यक्ष बंधु तिर्की और आवास बोर्ड के चेयरमैन संजय लाल पासवान को सौंपा। डॉ रघु शर्मा द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को अकेले में बुलाकर जिलाध्यक्ष के संबंध में उनका मंतव्य लिया जिसे केंद्रीय कमेटी को सौंपा जायेगा। इस मौके पर प्रदेश सचिव रोशन बरवा, अकील रहमान, सुशील कुमार होता, चैतू उरांव, अभय चौधरी, अजित गुड़िया, राजनील तिग्गा, आजाद अंसारी,विकास साहू, पंकज सिंह, जेडी नायक, मुंतजिर खान, ज्योति लकड़ा, मुमताज खान, जंसिता बागे समेत प्रखंड से पंचायत तक के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस के प्रदेश सचिव अकील रहमान से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि गुमला जिला में सदान वर्ग से आखिर बार रामशरण जायसवाल जिलाध्यक्ष थे जिनका कार्यकाल के दौरान ही 8 नवबंर 1991 को हत्या कर दी गयी है। उसके बाद अभी तक कोई सदान वर्ग से कोई जिलाध्यक्ष नही बन पाया है। स्व रामशरण जायसवाल के पुत्र सुजीत कुमार जायसवाल वर्तमान में सक्रिय रूप से कांग्रेस में है और जिलाध्यक्ष हेतु दावेदारी पेश कर रहे है।

विकास भारती ने अनाथ बच्चियों को लिया गोद

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्रखंड के नावाडीह गांव में सड़क दुर्घटना ने एक परिवार से उसका सहारा छीन लिया। इस हादसे में गांव निवासी प्रकाश उरांव की मौत हो गयी, जिससे उनकी तीन मासूम बेटियां, जिनकी उम्र 6 से 12 वर्ष है, अनाथ हो गयी। पिता की असमय मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया और बच्चियों की पढ़ाई-लिखाई पर सवाल खड़ा हो गया। ऐसे कठिन समय में विकास भारती बिशुनपुर के सचिव पद्मश्री अशोक भगत आगे आये और तीनों बेटियों की शिक्षा और भविष्य की जिम्मेदारी लेने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि संस्था बच्चियों की पढ़ाई के साथ उनके सुरक्षित भविष्य की भी व्यवस्था करेगी। संस्था के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत ने भी गांव पहुंचकर आश्वासन दिया कि बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर संभव सहयोग मिलेगा। ग्रामीणों ने इस कदम का स्वागत करते हुए संस्था के प्रति आभार जताया। उनका कहना है कि विकास भारती की पहल से इन मासूमों के जीवन में फिर से उम्मीद की किरण जगी है। जहां सड़क हादसे ने परिवार का सहारा छीन लिया, वहीं शिक्षा और सहयोग अब उनके जीवन की नयी राह बनेगा।

विद्यार्थियों को माता-पिता और अभिभावकों के प्रति आदर भाव रखने की दी गयी सीख

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर। रविवार को वर्मा क्लासेज प्रेम नगर चैनपुर में शिक्षक दिवस का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण किया गया और पुरोहित विश्वनाथ पाठक जी के द्वारा सरस्वती वंदना की गई। शिक्षक छटन साहू और मुकेश वर्मा ने अपने संदेश में छात्रों को शिक्षा के महत्व और संस्कारों के पालन की प्रेरणा दी। उमेश वर्मा की माता ने भी अपने आदर्श जीवन मूल्यों और मुश्किलों से लड़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कठिनाइयों से हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षक उमेश कुमार वर्मा ने छात्रों को अच्छे संस्कार, कर्तव्य पालन, नैतिक मूल्यों का अनुपालन और माता-पिता और अभिभावकों के प्रति आदर भाव रखने की सिख दी। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए इन मूल्यों का पालन करना आवश्यक है। इस अवसर पर गुरु-शिष्य परम्परा को जीवंत किया गया और छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट किया। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिससे वे अपने छात्रों को सही मार्गदर्शन और प्रेरणा दे सकें। वर्मा क्लासेज में शिक्षक दिवस का आयोजन एक सफल और यादगार आयोजन रहा। इस अवसर पर छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट किया और शिक्षकों ने छात्रों को शिक्षा के महत्व और संस्कारों के पालन की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिनमें कन्दर्प सोनम, अंजलि, परी, सुम्बुल, वर्षा, नेहा, अंजनी, सोनी, ईसाबेल, जरीन, एलिन, परिधि, दीपशिखा, प्रिया, अन्विशा, उषा, सौरव, प्रिंस, आर्यन, अनुष्का, आशीष, हैप्पी, अर्पिता, खुशबू, यश पाठ, गौरव, भाष्कर शर्मा, सौमिक, सूरज, नयन, रुद्र, सिद्धिविनायक, सुमित, कन्दर्प, राहेल, रब्बानी, प्रिंस, दामिनी, आर्यन, रामीजसहेब, मुकेश, अखिल, अभिषेक, गुलसन सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उर्वरक बीज एवं कीटनाशक व्यापारी संघ के अध्यक्ष बने लालमोहन साहु

आजाद सिपाही संवाददाता

अध्यक्ष लाल मोहन साहु, उपाध्यक्ष विनोद कुमार साहु और सचिव अजित गुप्ता।

गुमला। शहर के बाईपास रोड स्थित होटल सेलिब्रेशन इन में रविवार की अपराह्न 4 बजे गुमला जिला उर्वरक बीज एवं कीटनाशक व्यापारी संघ की बैठक संपन्न हुई। बैठक में नए सिरे से कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष लालमोहन साहु, उपाध्यक्ष विनोद कुमार जायसवाल, सचिव अजीत कुमार गुप्ता, उप सचिव जावेद अंसारी, कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार, सह कोषाध्यक्ष शंकर अग्रवाल, मीडिया प्रभारी पिंकू, मुख्य संरक्षक मोहम्मद मोइन, संरक्षक धनीराम यादव को बनाया गया है। वही कार्यकारिणी सदस्य में गुमला से अभिषेक लोहानी, रवि शंकर शाह, रायडीह से संजय कुमार गुप्ता, पूरेन्दर साहू और लव कुमार, चैनपुर से अमित जायसवाल, सुभाष जायसवाल, डुमरी से विशाल केसरी, संदीप पालकोट से नीरज शाह, प्रमोद साहू बसिया से दुबराज ओहदार, सुदन कामडारा से कृष्ण, संतोष साहु सिसई से कामेश्वर महतो, नमन साहु, बिट्टू यादव, अरशद अंसारी भरनो से निखिल केसरी, विष्णु केसरी, अनामुल खान, दिनेश केसरी घाघरा से मनोज साहु, राहुल यादव, मनोज गुप्ता, संदीप बिशुनपुर से लक्ष्मी नारायण, चरण साहु और जारी से वकील अंसारी का चयन किया गया है। बैठक में व्यापारियों ने कहा गुमला जिले में बीते दिनों यूरिया की भारी किल्लत देखी गयी। जिससे किसानों को काफी परेशानी हुई किसान दुकान दुकान भटकते रहे। वहीं विभाग का भी खूब चक्कर लगाया लेकिन उन्हें सरकारी दर पर यूरिया नहीं मिला। व्यापारियों ने बताया पूरे झारखंड में सभी जिलों में यूरिया उपलब्ध है लेकिन सिर्फ गुमला जिला में यूरिया के किल्लत देखी गयी। वहीं विभाग द्वारा भी व्यापारियों को परेशान किया गया जिसका सभी ने खुलकर विरोध किया। सभी व्यापारी एक स्वर में व्यापारियों की एकता पर बल दिया। साथ ही भविष्य में किसी प्रकार की भी परेशानी होने पर एक जुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। व्यापारियों ने कहा कृषि विभाग द्वारा कुछ चहेते व्यापारियों को लाभ पहुंचाया जाता है। और कुछ व्यापारियों को बेवजह परेशान किया जाता है। मंच का संचालन सुडन साहु ने किया। कार्यक्रम में जिला सहित प्रखंड से काफी संख्या में व्यापारी शामिल हुए।

राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 54 खिलाड़ी साहेबगंज गये

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालययों के चतुर्थ राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता-2025 में भाग लेने हेतु एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय,बसिया के 54 खिलाड़ी छात्रों का दल दो संरक्षक शिक्षकों, अमरदीप बक्सराय और आर्यन शाह भोगनाडीह, साहेबगंज के लिए रवाना हुए। यह खेलकूद प्रतियोगिता भोगनाडीह, साहेबगंज में 8 से 10 सितंबर तक आयोजित है। इस खेलकूद प्रतियोगिता में एथलेटिक्स की विभिन्न विधाओं यथा 100 मी, 200मी, 400मी, 1500मी, लंबी कूद, उंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक, भाला फेंक के अतिरिक्त वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, कैरम शतरंज तथा योग जैसे व्यक्तिगत, समूह तथा इनडोर खेलों को शामिल किया गया है। राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी छात्र नवंबर में राउरकेला, उड़ीसा में होने वाले एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालययों के चतुर्थ राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता-2025 में भाग लेंगे। प्राचार्य संजय कुमार सिंह, विद्या विकास समिति के निरीक्षक अखिलेश कुमार तथा प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने सभी खिलाड़ी छात्रों को शुभकामना दिया।

बज्मे रब्बानी ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित मुकाबले का समापन

पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मिला इनाम

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर बज्मे रब्बानी ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित होने वाली इनामी मुकाबला का फाइनल रविवार को सम्पन्न हुई। मुकाबले में पहला,दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद पीरे तरीकत अल्हाज सैयद अहमद रब्बानी साहब के मुबारक हाथों से दिया गया। मुकाबले में चार-चार फाइनलिस्ट प्रतिभागियों का चयन चार सितंबर को आयोजित टेस्ट के माध्यम से किया गया था। चार से पांच साल के बच्चों के बीच हुई पेंटिंग प्रतियोगिता में पहला स्थान आलिजा प्रवीण दूसरा स्थान जुबिया सिद्धिक और तीसरा स्थान पर सहला निगार फातिमा रही। इसी प्रकार छह से सात साल में नूर इस्लाम,सीदरा फातिमा, मो शाहान।वहीं 13 से 18 साल की बच्चियों के बीच हुई लिखित प्रतियोगिता में पहला स्थान शिफा नाज,दूसरे पर महविश फातिमा और तीसरे स्थान पर सिम्मी प्रवीण रही।तकरीर (प्रवचन) में आठ से 12 साल के बच्चे बच्चियों में पहला स्थान पर नौरिन तूबा रहीं दूसरा स्थान पर सारिया परवीन और तीसरे पर साइमा नाज रहीं। क्विज कंपीटिशन में आठ से 12 साल के बच्चे बच्चियों पहला स्थान पर नौरिन तूबा दूसरा स्थान पर माहिरा नाज और तीसरा स्थान पर आयजा सिद्दीका।इसी प्रकार 13 से अधिक उम्र के लड़कों के बीच हुई क्विज कंपीटिशन में पहला स्थान पर अबू रेयान दूसरे स्थान पर जिशान अख्तर और तीसरे स्थान पर मोहम्मद फरहान रहे। उक्त मुकाबले में पहला स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे को 21 सौ रूपये का नगद इनाम दिया और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 11 सौ और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 501 रुपया का नगद ईनाम के साथ साथ मेडल और शिल्ड देकर प्रोत्साहित किया गया। जज की भूमिका में जामा मस्जिद के इमाम रब्बानी, गौसिया मोती मस्जिद के इमाम हाफिज जाहिद रब्बानी, मदरसा फैजाने अशरफ के कारी अरबाज अत्तारी रहे जबकि मुकाबला का फाइनल स्कोरर फैजयाब अत्तारी ने किया। मौके पर ट्रस्ट के सदर फिरोज अली उर्फ पप्पू रब्बानी, सचिव साहेब रब्बानी, तहसीन रब्बानी, गुलाब रब्बानी,हसन रब्बानी,छोटू रब्बानी, एखलाक रब्बानी, मो कौसर,मुर्शीद रब्बानी, सादिक रब्बानी और सोनू रब्बानी समेत ट्रस्ट के सभी सदस्यों के अलावे काफी संख्या में अभिभावक मौजूद थे।

बिरसा मुंडा पब्लिक स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पुसो के बिरसा मुंडा पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष अमन यादव एवं विशिष्ट अतिथि पुसो थाना प्रभारी जहांगीर खान के द्वारा संयुक्त रूप से डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन करते हुए दीप प्रज्वलित किया गया और विधिवत फीता काट कर एवं नारियल फोड़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। थाना प्रभारी जहांगीर खान ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुटनी ग्राम में हुआ था। वे देश के प्रथम उपराष्ट्रपति थे और वे एक महान शिक्षाविद् एवं दार्शनिक थे।वर्ष 1954 ई में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान (भारत रत्न) से सम्मानित किया था। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अमन यादव ने अपने स्कूली जीवन में बिताए हुए पलों को याद करते हुए कहा कि स्कूल का दिन सबसे अच्छा दिन होता है। यदि हमलोग थोड़ी बहुत गलतियां करते थे तो शिक्षक हमें डांटते समझाते थे ताकि हमारे अंदर अनुशासन बना रहे और संस्कार का पालन हो सके। कभी कभी थोड़ी बहुत मार भी पड़ती थी लेकिन वो हमारे लिए मार्गदर्शन का काम करती थी। स्कूल का समय गोल्डन समय होता है यही वह समय है जो हमारे जीवन की दिशा तय करता है। अतिथियों के द्वारा विद्यालय में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, सचिव रामचरित्र सिंह, प्रधानाचार्य पुरुषोत्तम कुमार एवं विद्यालय के सभी शिक्षक,शिक्षिकाएं छात्र छात्राएं एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

आदिवासी दिवस सह मिलन समारोह में 80 गांव के लोग हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर के बरवे मैदान में रविवार को आदिवासी एकता मंच के तत्वाधान में आदिवासी दिवस सम्मेलन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र के करीब 80 गांव से आदिवासी अपने पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा और वाद्य यंत्रों ढोल नगाड़ों के साथ हजारों की संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि गलंगसांग डूंगडूंग सहित कई अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से किया गया।

मुख्य अतिथि गलंगसांग डूंगडूंग ने कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्र के हजारों आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया की ताकत हमारी जल जंगल जमीन को हमारी भाषा संस्कृति को हमारे पूरे समाज को खत्म करना चाहती है उसके सामने हमें पूरे ताकत के साथ लड़ने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। झारखंड अलग राज्य आदिवासियों के लिए बना पर झारखंड राज्य के 24 वर्ष हो जाने के बाद भी पेसा कानून की नियमावली नहीं बन रही है यह सबसे बड़ा चिंतनीय विषय है। बाहरी लोग सरना और इसाई के नाम पर आदिवासियों को लड़ाकर हमारी जमीन हड़प रहें है। इस राज्य में 40% खनिज संपदा है आपके राज्य और आपके जिले से सारा का सारा खनिज संपदा बाहर जा रहा है पर आपको उसका पैसा नहीं मिल रहा है। गुमला के डीसी और डीडीसी सारा पैसा मनमानी तरीके से खर्च कर रहे हैं जबकि उनको एक-एक ग्राम सभा से पूछना है। हमें चारों ओर से लूटा जा रहा है आदिवासी भारत के मूल निवासी और मालिक हैं उन्होंने आदिवासियों के कई अधिकारों की भी बात की।

वही बिंदोरा पंचायत के मुखिया सुशील दीपक मिंज ने आदिवासियों के लिए अलग राज्य बनाने वाले दिशुम गुरु शिबू सोरेन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए झारखंड अलग राज्य की लड़ाई में शिबू सोरेन की योगदान से लोगों को अवगत कराया।

जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने अतिथियों का परिचय कराया और सभा को संबोधित किया। वहीं इस कार्यक्रम को अन्य कई आदिवासी नेताओं ने भी संबोधित किया।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि एवं अतिथियों को अल्बर्ट एक्का चौक से आदिवासी रीति-रीवा से नाचते गाते स्वागत कर मंच तक लाया गया जहां उन्हें बैच और अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र के गांव से पहुंचे कई नृत्य मंडलियों ने इस मौके पर अपना-अपना आदिवासी नित्य प्रस्तुत कर लोगों को फिर थिरकने पर विवश कर दिया। उत्कृष्ट नृत्य प्रदर्शन करने वाले मंडलियों को पुरस्कृत भी किया गया।

इस मौके पर मुख्य रूप से फादर जेभिरियानुस तिर्की, फादर जेभिरियानुस किण्डो, उषालीमा तिग्गा, शोभा देवी, शांत टोप्पो, कमल कुजूर, पलासीदीयुस टोप्पो, प्रमोद खालको, अल्बर्ट तिग्गा, अनूप संजय टोप्पो, सुशील तिर्की सहित कई आदिवासी नेता और हजारों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स

येलो बेल्ट के 9, ऑरेंज बेल्ट के 5, ग्रीन बेल्ट के 10, ब्लू बेल्ट के 8, पर्पल बेल्ट के 5, ब्राउन बेल्ट के 12 और ब्लैक बेल्ट के 4 कराटे खिलाड़ी शामिल हैं

चार लड़कियों को मिली ब्लैक बेल्ट प्रथम डन की उपाधि

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड और इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के सयुक्त तत्वाधान में कामिल बुल्के पथ स्थित संत जोसफ क्लब में बेल्ट सेरेमनी का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रेडिंग में सफल रहे कराटे खिलाड़ियों को सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड के राज्य प्रतिनिधि सह इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने येलो से ब्लैक बेल्ट तक बेल्ट एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया। जिसमें येलो बेल्ट के 9, ऑरेंज बेल्ट के 5, ग्रीन बेल्ट के 10, ब्लू बेल्ट के 8, पर्पल बेल्ट के 5, ब्राउन बेल्ट के 12 और ब्लैक बेल्ट के 4 कराटे खिलाड़ी शामिल है। ब्लैक बेल्ट खिलाड़ियों को शिहान सुनील किस्पोट्टा के द्वारा उनके पुराने ब्राउन बेल्ट को हटाकर ब्लैक बेल्ट पहनकर उन्हें विशेष रूप से सम्मान दिया गया। साथ ही उन्हें प्रथम डन की उपाधि से नवाजा गया।

पांच सूत्री मांगों को लेकर पोषण सखियों ने की बैठक

धनबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य एकीकृत पोषण सखी संघ की ओर से पांच सूत्री मांगों को लेकर धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में रविवार को बैठक की गई। जिसमें मुख्य रूप से संघ की प्रदेश अध्यक्ष अंजनी कुमारी भी शामिल हुई। धनबाद जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे एवं प्रदेश अध्यक्ष अंजनी कुमारी ने संयुक्त रूप से कहा गया की पहले विधानसभा सत्र में पोषण सखियों के पांच सूत्री मांग पर सहमति बनी थी जिसमें ड्रेस कोड, बीमा, मानदेय बढ़ोतरी की बातें कही गई थी। पर अब तक मांगों को पूरा नहीं किया गया है। यदि वर्तमान सरकार पांच सूत्री मांगों को पूरी नहीं करती है तो संगठन ठोस निर्णय लेने के लिए बाध्य होगा।

चोरी की घटना का उद्भेदन, पांच गिरफ्तार

सभी आरोपी रामगढ़ जिले के, कार सहित चोरी की संपत्ति भी बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

पकड़े गये चोरों की जानकारी देते एसपी हरविंदर सिंह एवं अन्य अधिकारी।

बोकारो। जरीडीह थाना अंतर्गत बहादुरपुर गांव में विगत 27-28 अगस्त की रात अज्ञात चोरों द्वारा की गई चोरी की घटना का पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने रामगढ़ जिले के रहवे वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से नकदी सहित चोरी की गई वस्तुएं भी बरामद कर ली हैं। जानकारी के अनुसार बहादुरपुर निवासी शशि शेखर द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर थाना 29 अगस्त को धारा 305/331 (4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना के उद्भेदन के लिए एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) वशिष्ठ नारायण सिंह के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। जिसने तकनीकी साक्ष्य और मानवीय सूचना के आधार पर पांच लोगों को गिरफ्तार किया। इस बाबत एसपी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि पकड़े गये आरोपियों की पहचान रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोठार गांव निवासी रवि कुमार खेरवार, अंगरक्षक खेरवार, कोहिनूर खेरवार, आशुतोष कुमार उर्फ सन्नी और रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत छतरपुर गांव निवासी अभय कुमार साव के रूप में हुई है। इन लोगों ने न केवल बहादुरपुर में चोरी की बात स्वीकार की, बल्कि कसमार थाना क्षेत्र के दांतू गांव में भी दो घरों में चोरी की बात स्वीकार की है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रवि कुमार खेरवार और अभय कुमार साव का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। रवि कुमार खेरवार के विरुद्ध हजारीबाग सदर थाना, सिल्ली और भंडरा थाना में तीन आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। जबकि, अभय कुमार साव के विरुद्ध भी गोला थाना में एक मामला पहले से दर्ज है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर एक कार, कांसा एवं पीतल के बर्तन (लगभग 40 किलोग्राम) सोने के जेवरात का गलाया हुआ टुकड़ा (8.5 ग्राम), चांदी (लगभग 280 ग्राम), बजरंगबली लॉकेट (1.62 ग्राम), नकद 4,500 रुपये, महिला घड़ी एवं घटना में प्रयुक्त औजार प्लास, पेचकस, लोहे की रॉड आदि बरामद कर जब्त किया है। उधर, मामले के उद्भेदन को गठित एसआईटी में वशिष्ठ नारायण सिंह (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बेरमो), शैलेन्द्र कुमार सिंह (अंचल निरीक्षक, जरीडीह) विपिन चन्द्र महतो (थाना प्रभारी, जरीडीह), भजन लाल महतो (थाना प्रभारी, कसमार), राजू कुमार मुण्डा (थाना प्रभारी, पेटरवार), हितनारायण महतो, कुंदन कुमार, विकास कुमार विश्वकर्मा, मनोज कुमार ठाकुर आदि शामिल थे।

इस्पात मंत्री से मिलकर ढुल्लू महतो ने किया लाइसेंस की अवधि 60 महीने करने का आग्रह

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील प्लांट के बंद पड़े गैर आवासीय भवनों को लाइसेंस पर देने का मामला केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री के पास पहुंच गया है। बोकारो स्टील प्रबन्धन ने बंद पड़े गैर आवासीय भवनों को 33 महीने के लाइसेंस पर देने का सर्कुलर जारी किया था। जिसकी अवधि आठ सितंबर तक है। शनिवार को धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी से मिलकर लाइसेंस की अवधि 33 महिने से बढ़ाकर 60 महीने करने और 50 प्रतिशत विस्थापितों को आवंटित करने का आग्रह किया है। उन्होंने इस्पात मंत्री को याद दिलाया कि इस संदर्भ में उन्होंने सेल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश को आठ दिसंबर 2024 को मुलाकात कर एक पत्र दिया था जिसमें उक्त मांगें की गई थी। पुनः 19 अगस्त 2025 को पत्र देकर पूरे प्रकरण की जानकारी दी गई। इस्पात मंत्री ने सांसद की बातों को गंभीरता से लेते हुए इस संबंध में सकारात्मक पहल करने की बात कही है।

बाइक रैली निकाल कर हक-अधिकार के लिए ग्रामीणों को किया गया जागरूक

चिरकुण्डा (आजाद सिपाही)। दामोदर वैली वस्तुहारा संग्राम समिति पंचेत यूनिट की ओर से रविवार को विशाल बाइक रैली निकाल कर ग्रामीण को जागरूक किया गया। समिति के अध्यक्ष मुख्तार अंसारी ने बताया कि पंचेत के विभिन्न क्षेत्रों में बाइक रैली के जरिए ग्रामीणों को अपने हक और अधिकार को समझने एवं आंदोलन में शामिल होकर सहयोग करने की अपील की गयी है। आरोप लगाया कि डीवीसी प्रबंधन भोले-भाले ग्रामीणों को देश हित की बात बातकर लगभग 10 परिवारों का जमीन अधिग्रहण कर लिया है। पर आज तक उन परिवारों को न मुआवजा दिया, ना नियोजन और ना ही स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क की व्यवस्था दी। कहा कि हमलोग इस लड़ाई को बिना किसी नेता के संवैधानिक तरीके से लड़ रहे हैं। आज उस जमीन पर कानूनी रूप से ग्रामीणों का हक और अधिकार है। डीवीसी प्रबंधन एनटीपीसी के माध्यम से सोलर प्लांट लगाकर हमारी जमीन का अधिग्रहण करना चाहती है। हालात ऐसे हो गये हैं कि विस्थापितों को ही अतिक्रमणकारी बता दिया जा रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि डीवीसी प्रबंधन पुलिस प्रशासन का भय दिखाकर ग्रामीणों की जमीन को लूटना चाहते हैं, जो हरगिज नहीं होने देंगे। बताया कि 15 अक्टूबर को पंचेत में एक विशाल जनसभा होने जा रही है। जिसमें बंगाल और झारखंड के लगभग 30 से 40 हजार लोग शामिल होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

बिरनी में लंबे समय से हो रही राशन की कालाबाजारी केशोडीह में डीलर ने फिर नहीं बांटा अनाज, हंगामा

उपप्रमुख की तत्परता, ग्रामीणों का आक्रोश

मामला तब उजागर हुआ जब इसकी जानकारी उपप्रमुख शेखर सुमन को मिली। उन्होंने तुरंत संज्ञान लेते हुए एमओ सुरेंद्र यादव को जांच का आदेश दिया। जिसमें सच्चाई सामने आई और ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा। देखते ही देखते पंचायत में भारी हंगामा हो गया। ग्रामीणों ने डीलरों को घेर लिया और सवालों की झड़ी लगा दी। गुस्साए ग्रामीणों के दबाव में आखिरकार डीलरों ने आश्वासन दिया कि दो दिनों के भीतर अगस्त माह का चावल सभी कार्डधारियों को बांट दिया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि अनाज पहले ही बेचा जा चुका है। आश्वासन महज लीपापोती है।

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह/बिरनी। किशोडीह पंचायत में गरीबों के हक का अनाज डकारने का बड़ा मामला उजागर हुआ है। पता चला है कि बाराय केशोडीह और सिरमाडीह के डीलरों ने अगस्त माह का राशन गोदाम से तो उठा लिया था, लेकिन लाभुकों के बीच वितरित नहीं किया है। कार्डधारियों से साइन और अंगूठा लगवा लिया गया, पर किसी को भी एक दाना नहीं मिला। वहीं, बराय के संगम एसएचजी केंद्र पर जब एमओ सुरेंद्र यादव और मुखिया कृष्णकांत वर्मा पहुंचे, तो वहां सचिव कुसमी देवी, अध्यक्ष बसंती देवी और कोषाध्यक्ष सुदामी देवी ने खुलासा किया कि उन्हें खुद का अपना राशन तक नहीं मिला है। कहा कि उनका नाम केवल कागज पर दर्ज है, जबकि असली संचालन कोई और करता है। वहां के संचालन खुद अगस्त माह का चावल नहीं मिलने का दावा कर रहे थे, जबकि एमओ का कहना है कि बिरनी से अगस्त माह का चावल भेज दिया गया है। इस बाबत समाजसेवी विनोद मंडल ने एमओ से पूछा कि क्या राशन उठाने से पहले फिंगर लगाना अनिवार्य है? इस पर एमओ ने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि हमेशा तो नहीं, कभी-कभी वैकल्पिक व्यवस्था दी जाती है। इस पर विनोद मंडल ने विधायक नागेंद्र महतो का हवाला देते हुए कहा कि फिंगर पहले लगाने का कोई प्रावधान ही नहीं है। जब तक गरीब को अनाज हाथ में नहीं मिलता, तब तक किसी से फिंगर या साइन लेना ही अवैध है।

गरीबों को परोसा जा रहा सड़ा अनाज

गिरिडीह/बिरनी (आजाद सिपाही)। बिरनी प्रखंड के मनकडीह जनवितरण प्रणाली दुकान में अगस्त माह के राशन वितरण के दौरान शनिवार को कार्डधारियों को सड़ा और बदबूदार अनाज का वितरण किया गया। चावल देखते ही उपभोक्ता भड़क उठे और लेने से साफ इनकार कर दिया। डीलर डोली देवी ने हाथ खड़े करते हुए कहा कि वो वही दे रहे हैं, जो एजीएम गोदाम से भेजा गया है। हमने बोरियां खोलीं तो आठ बोरी पूरी तरह खराब निकली। करीब एक क्विंटल चावल सड़ चुका है। विभाग को सूचना दी गयी थी। लेकिन वहां से आदेश मिला कि जो आया है, वही बांट दो। उधर, घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि किस तरह से राशन की बोरियों में खराब चावल भरा पड़ा है। ग्रामीणों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि अगर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल का संयुक्त वार्षिक आम सम्मेलन का समापन

धनबाद (आजाद सिपाही)। बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल के धनबाद इकाई 1, 2, 3, 4, वेतन बचत योजना प्रकोष्ठ और गोविंदपुर इकाई का संयुक्त वार्षिक सम्मेलन रविवार को जोडाफाटक रोड स्थित आईसीए हॉल में संपन्न हुआ। जिसमें सरकार की जनविरोधी नीतियां, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के निजीकरण और मेहनतकश लोगों की कड़ी मेहनत से अर्जित अधिकारों पर हमलों के जरिये श्रमिक कानूनों को नियोक्तापरक बनाने के अलावा सार्वजनिक संपदाओं को चहेते पूंजीपतियों के हाथों लूटने की बनाये गये नियमों के विरोध में चर्चा की गयी। संगठन के महामंत्री जगदीश चंद मित्तल ने कहा कि संसद के आगामी सत्र में बीमा कानून संशोधन विधेयक पेश करने पर सरकार आमदा है। तीन कानून बीमा अधिनियम 1938, जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956, बीमा विनियम विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 में संशोधन लाने का प्रस्ताव है, जिसके विरोध में आंदोलन जारी रखे है। आने वाले महीने में सरकार ऑफर फॉर सेल के जरिए एलआईसी में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। जिसका संगठन विरोध करता हैं। वहीं, संगठन के अध्यक्ष हेमंत मिश्रा ने कहा कि बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को 74 फीसदी से बढ़कर 100 फीसदी करने की सरकार की जिद समझ से परे है। क्योंकि विदेशी बीमा कंपनियां भारत की बीमा क्षेत्र में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिख रही हैं। संगठन सचिव अमित कुमार ने कहा कि एलआइसी के कुल कर्मचारियों की संख्या में चिंताजनक गिरावट आई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक सचिव सुबीर राम, राहुल प्रसाद, राकेश कुमार, शुभम राज, रिशु गुप्ता, सुमित बास्की, पंकज कुमार, गोपाल कुमार, सुबीर राम, निशेष सिन्हा, सपन दास, संजय पाठक, रोहित बर्मन, अमित कुमार और जोगेश्वर राम आदि का योगदान सराहनीय रहा।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति श्याम नगर ने मनाया अपना पहला वर्षगांठ

धनबाद (आजाद सिपाही)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के एक वर्ष पूरे होने के साथ ही संस्था के कार्य से प्रभावित होकर रोटी बैंक यूथ क्लब के अध्यक्ष रवि शेखर ने सभी सदस्यों को सम्मानित किया। फाउंडेशन डे के अवसर पर संस्था के सदस्यों ने केक काटा। इस मौके पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस समिति के अध्यक्ष राकेश कांति विश्वास, सचिव दिलबाग सिंह, कोषाध्यक्ष राजीव बनर्जी, बंगाली वेलफेयर सोसाइटी के मुख्य अतिथि गोपाल भट्टाचार्जी, पवन अग्रवाल, रोटी बैंक यूथ क्लब के अध्यक्ष रवि शेखर, संयोजक राजेंद्र प्रसाद साहू, समिति के मीडिया प्रभारी नीलकमल खवास, विश्वजीत मुखर्जी, रमेश यादव, प्रदीप श्रीवास्तव, हसन जहांगीर, सोनू, प्रदीप बौरी, संदीप साव, रिंकू साव, मिंटू साव, सुमेश साव, नीलम शर्मा, मुस्कान परवीन और मंजू सिंह आदि उपस्थित रहे।

बेरमो थाना परिसर में लगा 'सर तन से जुदा' का नारा, हिन्दू संगठनों ने की शिकायत

30 नामजद और 120 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज

बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह ने कहा कि थाना परिसर में विवादित नारा लगाने को लेकर बोकारो एसपी हरविंद्र सिंह के नेतृत्व में 150 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। इसमें 30 नामजद और 120 अज्ञात लोग हैं। वहीं, बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि पोस्ट को लेकर पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया था। लेकिन कुछ लोग कानून को अपने हाथ में लेकर पुलिस के काम में बाधा उत्पन्न किये थे। हमने बेरमो पुलिस को कार्रवाई का निर्देश दिया है। प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। अब तक छह लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। बेरमो थाना परिसर में शनिवार को मुस्लिम समुदाय की ओर से 'सर तन से जुदा' जैसे विवादित नारा लगाये जाने पर हिन्दू संगठन में आक्रोश है। रविवार को हिंदू संगठन ने कस्तूरवा श्री विद्या निकेतन विद्यालय में सामूहिक रूप से बैठक करने के बाद बेरमो थाना में सामूहिक आवेदन देकर विवादित नारा लगाने वाले सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की अपील की है। वहीं, पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय ने ऐसे विवादित नारा लगाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गयी है। वहीं, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह ने कहा कि बेरमो शांतिप्रिय जगह है। समाज विरोधी लोग थाना परिसर में विवादित नारा लगाकर बेरमो के माहौल को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। थाना प्रभारी से निवेदन है कि सभी आरोपी को तीन दिन में गिरफ्तार कर उचित कार्रवाई करें। वहीं, भाजपा बोकारो जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कहा कि जब थाना में नारेबाजी हो रहा था तब मैं यही थी। इस तरह की नारेबाजी आज तक बेरमो में नहीं हुआ था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों पर देश द्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

पुराना बाजार स्टेशन सड़क की मरम्मती से हर्ष, मिठाइ बांट कर मनायी गयी खुशी

धनबाद (आजाद सिपाही)। पुराना बाजार स्टेशन रोड की मरम्मती को लेकर युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के बैनर तले हुए आंदोलन की रविवार को जीत हुई है। आंदोलन के कारण ही रेलवे प्रबंधन ने पुराना बाजार स्टेशन सड़क की मरम्मती करा सभी को दुर्गापूजा का तोहफा दिया। इसे लेकर रविवार को युवा संघर्ष मोर्चा के बैनर तले पुराना बाजार के दुकानदार एवं स्थानीय लोगों ने लड्डू बांट कर खुशी मनायी। इस मौके पर समाजसेवी कुम्भनाथ सिंह, युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के केंद्रीय अध्यक्ष सह समाजसेवी दिलीप सिंह, पुराना बाजार चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सोहराब खान, समाजसेवी प्रभात सुरुलिया, समाजसेवी संजय सिंह, ददन सिंह, अभिभावक संघ के महासचिव मनोज मिश्रा और भाजपा नेत्री बॉबी पांडे को दुकानदारों ने फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दिलीप सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेलवे मंत्रालय और धनबाद डीआरएम का आभार व्यक्त किया है। कहा कि आज डीआरएम साहब ने दुकानदार भाइयों और राहगीरों को सड़क मरम्मती कर दुगार्पूजा का तोहफा दिया है। वहीं, चेंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार के अध्यक्ष सोहराब खान ने रेल महाप्रबंधक का आभार व्यक्त करने के साथ ही अंडरपास की बंद स्ट्रीट लाइट को चालू करने का आग्रह किया है। मौके पर संतोष सिंह, दिवाकर सिंह, परमजीत सिंह सरदार, सलाउद्दीन महाजन, इमरान अली जीवा, धर्मेंद्र सोनकर, सोनू गिरी, निर्भय सिंह, सरोज प्रसाद, विकास सिंह, अनिल अग्रवाल, अजीत साव, टिंकू साव, जीत सोनी, अजीत शर्मा, संजीत सिंह, रंजन यादव, सरवन, मुकेश सोनी, संतोष रवानी आदि मौजूद थे।

झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के धनबाद इकाई का जिला अधिवेशन संपन्न

धनबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ की धनबाद जिला शाखा का अधिवेशन रविवार को निरसा के गोपालगंज स्थित धनबाद टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित हुआ। जिसमें शिक्षकों ने शिक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और नई जिला कार्यकारी समिति का चुनाव किया। इसमें झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के महासचिव रविंद्र प्रसाद सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए उनके हितों की रक्षा के लिए संघ की प्रतिबद्धता दोहराई। जबकि मुख्य अतिथि और मुख्य संरक्षक के रूप में उपस्थित विधायक अरूप चटर्जी ने शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के योगदान की सराहना की और उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान, सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारी समिति का चुनाव किया गया। इसमें नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने पदभार ग्रहण किया और शिक्षकों के कल्याण एवं शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए मिलकर काम करने की शपथ ली। सदस्य किशोर कुमार सिंह, तारक नाथ मिश्रा, सुरेष मंडल, शंभु साव, रोहित कुमार, ब्रजेश झा, दीपक दा, अरविंद यादव, असलम सज्जाद, मनोज कुमार यादव, राजेश कुमार सिंह, पंकज कुमार, अमित रजक, शंकर प्रसाद घोषाल आदि मौजूद रहे। उक्त जानकारी नीलकमल खवास ने दी।

धनबाद में आयोजित हुआ डाक कर्मचारी संघ का महासम्मेलन

8वां वेतन आयोग और पुरानी पेंशन के लिए देशव्यापी आंदोलन का निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। देशभर के डाक कर्मचारी और केंद्रीय कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर एकजुट हो रहे हैं। धनबाद में रविवार को अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ, पोस्टमैन एवं एमटीएस की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति का दो दिवसीय महासम्मेलन शुरु हुआ। जिसकी अध्यक्षता झारखंड परिमंडल, रांची के सर्कल सचिव रवि रंजन सिंह ने की। इसमें देशभर के सभी सर्कलों के कर्मचारी नेता और प्रतिनिधि शामिल हुए, जिसका मुख्य उद्देश्य डाक विभाग और केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं पर गहन चर्चा करना और सरकार पर दबाव बनाने के लिए एक ठोस रणनीति बनाया था। इससे पहले सम्मेलन का उद्घाटन एनएफपीआई के जनरल सेक्रेटरी जनार्दन मजूमदार, झारखंड राज्य अति पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष जानकी यादव, निरसा विधायक अरुप चटर्जी और सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने संयुक्त रूप से किया। इसमें मुख्य रूप से उपस्थित राष्ट्रीय डाक कर्मचारी महासंघ के सचिव ने 8वें वेतन आयोग पर जोड़ दिया। कहा कि कर्मचारियों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि एक जनवरी 2026 से लागू होने वाले इस आयोग की कमेटी का गठन अभी तक नहीं किया गया है। कर्मचारी नेताओं का मानना है कि समय रहते कमेटी का गठन होने से पोस्टमैन, एमटीएस और अन्य सभी कैडर के कर्मचारियों की स्थिति का सही मूल्यांकन किया जा सकेगा। कर्मचारी नेताओं ने सवाल उठाया कि जब देश के बड़े-बड़े नेताओं को पुरानी पेंशन का लाभ मिलता है, तो उन्हीं के लिए काम करने वाले कर्मचारियों को इससे वंचित क्यों रखा जा रहा है। उन्होंने साफ कर दिया कि वे नई पेंशन योजनाओं जैसे यूपीएस (यूनिवर्सल पेंशन स्कीम) और एनपीएस (नेशनल पेंशन स्कीम) को स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं, बैठक में डाक विभाग के भीतर की कई अव्यवस्थाओं को भी उजागर किया गया। कर्मचारी नेताओं ने 'इंडिपेंडेंट डिलीवरी सेंटर' नामक योजना की कड़ी आलोचना की। इस योजना के तहत तीन डाकघरों को मिलाकर एक किया जा रहा है, जिससे पोस्टमैन और एमटीएस कर्मचारियों को 15-15 किलोमीटर दूर डिलीवरी के लिए भेजा जा रहा है। विडंबना यह है कि बाइक का प्रावधान होने के बावजूद उन्हें ये वाहन नहीं दिए जा रहे हैं, और साथ ही बैठने के लिए भी पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा, डाक विभाग में 50,000 से भी अधिक पद खाली पड़े हैं, जिससे मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ बेतहाशा बढ़ गया है। कर्मचारी संगठनों ने सरकार से इन खाली पदों को तुरंत भरने की मांग की। उन्होंने कैडर रिव्यू कमेटी को भी अपडेट करने की अपील की, जिसे 1993 से अब तक लागू नहीं किया गया है।

विद्युत साउंड एंड डीजे डेकोरेटर्स संघ कतरास शाखा का 15वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न

कतरास (आजाद सिपाही)। सिनीडीह स्थित शुभ संस्कार भवन में रविवार को धनबाद जिला विद्युत साउंड एंड डीजे डेकोरेटर्स संघ का 15 वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ। जिसका उद्घाटन जिला अध्यक्ष महादेव मंडल ने किया। उन्होंने कहा कि संगठन में बहुत शक्ति होती है। संगठन मजबूत होगा तो आप मजबूत होंगे। इस दौरान 40 रक्तदाताओं को मेमोटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर महासचिव शिवकुमार बनर्जी, कृष्ण नंदू चटराज, पंकज शर्मा, दीपक कुमार, समर सरकार, अमित अग्रवाल, बबलू पांडेय, रणवीर भंडारी उर्फ राणा, शमी अख्तर खान, खुर्शीद अंसारी उर्फ मुन्ना, जितेंद्र दास, विक्की रवानी, गेंदु लाल महतो, बैजनाथ महतो, नारायण मास्टर विनोद गोप, आशीष दे आदि उपस्थित थे।

मोदी से इजरायल क्या सीख सकता है: राष्ट्रीय सम्मान एक रणनीतिक संपत्ति है

जकी शालोम, द जेरूसलम पोस्ट

पिछले कुछ महीनों में अमेरिका और भारत का संबंध भरोसे के गहरे संकट में फंसा रहा है। इसकी पृष्ठिभूमि में टैरिफ नीति पर गंभीर मतभेद, रूस के साथ भारत के विशेष रिश्ते और पाकिस्तान के साथ भारत की सीमा झड़पों को लेकर अमेरिकी प्रशासन का रुख शामिल रहा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार इस बात पर नाराजगी जताई कि भारत अमेरिका से आने वाले आयात पर बहुत ऊंचे शुल्क लगाता है। उनके शब्दों में कहें तो 'दुनिया में सबसे ऊंचे शुल्कों में से एक।' इसके जवाब में उन्होंने अमेरिकी टैरिफ बढ़ा कर कुल मिलाकर लगभग 50% तक कर दिए। फिर भी, यह सिर्फ एक मोर्चा था। रूस के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाला और रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार माने जाने वाला भारत, ट्रंप के तीखे शब्दों का शिकार बना।

ट्रंप ने रूस और भारत की अर्थव्यवस्थाओं को 'मरी हुई अर्थव्यवस्थाएं' कहते हुए दावा किया कि वे 'एक-दूसरे को कुचल रहे हैं,' और उन पर आरोप लगाया कि उनका आपसी व्यापार मॉस्को की यूक्रेन के खिलाफ युद्ध मशीन को ताकत दे रहा है।

इतना ही नहीं, उन्होंने यहां तक कह दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'यूक्रेन में मरने वालों की परवाह नहीं है'- यह बयान न केवल व्यक्तिगत अपमान था, बल्कि भारत की उभरती शक्ति की स्थिति को ठेस पहुंचाने वाला भी था। पाकिस्तान के साथ सीमा झड़पों में ट्रंप ने खुद को एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश की। कहा जाता है कि उन्होंने दोनों पक्षों पर भारी दबाव डाला, प्रतिबंधों की धमकी दी और अंततः युद्धविराम करवा दिया। हालांकि, बाद में पाकिस्तान ने उनकी मध्यस्थता की इतनी सराहना की कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार देने का प्रस्ताव तक रख दिया। दूसरी ओर, नयी दिल्ली ने वाशिंगटन की भूमिका को कमतर आंका, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते अविश्वास का एक और संकेत था।

मोदी की कड़ी प्रतिक्रिया केवल आर्थिक और सैन्य तनाव पर आधारित नहीं थी, बल्कि मुख्य रूप से व्यक्तिगत और राष्ट्रीय सम्मान की ठेस पहुंचने से प्रेरित थी। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के चार फोन कॉल तक स्वीकार नहीं

किए। इसी संदर्भ में, इजराइल कुछ महत्वपूर्ण सीख सकता है।

खान यूनिस की घटना

25 अगस्त को खान यूनिस के नासेर अस्पताल पर इजरायल का गोला गिरा। इस हमले में लगभग बीस लोग मारे गए, जिनमें पत्रकार भी शामिल थे। कुछ ही घंटों में इजराइली सेना के प्रवक्ता, सेना प्रमुख और प्रधानमंत्री ने प्रतिक्रिया दी। सेना प्रवक्ता ने अंग्रेजी में बयान जारी कर 'निर्दोष नागरिकों' को नुकसान पहुंचने पर माफी मांगी।

सेना प्रमुख ने तुरंत जांच शुरू करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने इस घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण हादसा' बताया और कहा कि इसकी पूरी तरह जांच होगी। इन तीनों बयानों से न केवल अंतरराष्ट्रीय जनमत को शांत करने की इच्छा झलकती थी, बल्कि इस घटना के नतीजों को लेकर गहरी चिंता झ और शायद घबराहट भी साफ दिखाई दी। नेताओं ने अपने बयानों से यह संदेश दिया कि निर्दोष नागरिकों की मौत की कुछ जिम्मेदारी वे स्वीकार कर रहे हैं। यह संदेश अंतरराष्ट्रीय कानून के लिहाज से खतरनाक मिसाल बन सकता था।

हालांकि, बाद की घटनाओं से पता चला कि कई पीड़ित वास्तव में हमास से जुड़े हुए थे। लेकिन पूरी जानकारी आने का इंतजार करने के बजाय, इजराइल ने बाहर की दुनिया में ऐसा संदेश दिया मानो वह ज़िम्मेदारी स्वीकार कर रहा हो और यही उसकी कूटनीतिक और कानूनी स्थिति को कमजोर कर गया।

भारत से सबक

यही वह जगह है जहां हमें मोदी के उदाहरण को देखना चाहिए। ट्रंप के अभूतपूर्व मौखिक हमलों का सामना करते हुए मोदी ने जल्दबाजी में माफी नहीं मांगी, बल्कि कड़ा जवाब देकर राष्ट्रीय सम्मान को कायम रखा। उनका तरीका भले ही कठोर लगा हो, लेकिन इससे साफ संदेश गया कि भारत अधीनस्थ या छोटे देश जैसा व्यवहार स्वीकार नहीं करेगा। इसके विपरीत, खान यूनिस घटना में इजराइल ने जरूरत से ज्यादा पारदर्शिता और चिंता दिखा दी। यह तरीका शायद तुरंत नुकसान को कम करने के लिए था, लेकिन इससे दीर्घकालिक रणनीतिक हितों को नुकसान पहुंच सकता है।

निष्कर्ष यह है कि किसी भी देश को कठिन और जटिल परिस्थितियों में भी अपने राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा करनी चाहिए। जल्दबाजी में ज़िम्मेदारी स्वीकार करना कमजोरी के रूप में देखा जा सकता है और दुश्मन इसका फायदा उठा सकते हैं।

ऐसे समय में शब्दों में सावधानी और सिद्धांतों में दृढ़ता बेहद जरूरी होती है। भारत से हमें यह सीख मिलती है कि राष्ट्रीय सम्मान कोई विलासिता नहीं, बल्कि दूरगामी रणनीतिक संपत्ति है। यदि इजराइल अपनी स्थिति और सुरक्षा को मजबूत करना चाहता है, तो उसे दुनिया के सामने अटल और मजबूत छवि पेश करनी होगी। इसका मतलब है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव चाहे कितना भी हो, माफी जैसे बयान देने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।

जापान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया

- पार्टी टूटने से बचाने के लिए पद छोड़ा
- बहुमत खोने के बाद इशिबा को हटाने की मांग हुई थी

एजेंसी

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार को इस्तीफा दे दिया है। इशिबा ने यह कदम सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर विभाजन से बचने के लिए उठाया है। जापानी मीडिया एनएचके ने यह खबर दी है। इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) के चुनाव में हार गयी थी। इशिबा ने इसके लिए हाल ही में माफी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफा देने के बारे में निर्णय लेंगे। चुनावी हार के बाद एलडीपी के भीतर 'इशिबा को हटाओ' आंदोलन तेज हो गया था। पार्टी के कुछ नेताओं और सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाये, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी। अब उनके हटने के बाद एलडीपी में नयी लीडरशिप की दौड़ शुरू होगी।

इशिबा की पार्टी ऊपरी सदन में बुरी तरह हारी थी : इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी दल ने जुलाई में हुए चुनावों में देश के ऊपरी सदन में अपना बहुमत खो दिया था। हालांकि उस समय उन्होंने कहा था कि वो प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। जापानी संसद के उच्च सदन में कुल 248 सीटें हैं। इशिबा के गठबंधन के पास पहले से 75 सीटें थीं। बहुमत

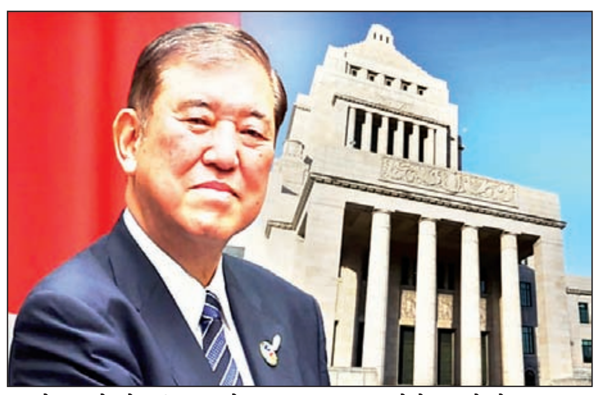

बनाये रखने के लिए उन्हें इस चुनाव में कम से कम 50 नयी सीटों की जरूरत थी, लेकिन उन्हें केवल 47 सीटें ही मिल पायीं। इनमें से एलडीपी को 39 सीटें मिली थीं। यह हार पीएम इशिबा के लिए दूसरी बड़ी राजनीतिक असफलता थी। इससे पहले अक्टूबर में निचले सदन का चुनाव हारने के बाद अब यह गठबंधन दोनों सदनों में अल्पमत में चला गया था। यह पहला मौका था जब गठबंधन ने दोनों सदनों में बहुमत खो दिया है। एलडीपी की स्थापना 1955 में हुई थी।

संसद में बहुमत नहीं, फिर भी इशिबा प्रधानमंत्री बने थे : जापान में अक्टूबर 2024 में हुए चुनाव में एलडीपी-कोमेतो गठबंधन को 465 में से सिर्फ 215 सीटें मिली थीं। यहां बहुमत के लिए 233 सीटें चाहिए। एलडीपी सबसे बड़ी पार्टी रही। कोई दूसरा गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में नहीं था। मुख्य विपक्षी दल सीडीपीआइ को 148 सीटें मिलीं। बाकी विपक्षी पार्टियां आपस में बंटी हुई हैं। विपक्ष नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाना चाहता था, लेकिन इशिबा ने चेतावनी दी कि ऐसा हुआ तो वे संसद भंग करके दोबारा चुनाव कराएंगे। जिससे विपक्ष पीछे हट गया। अब इशिबा डीपीपी जैसे छोटे दलों से मुद्दों पर समर्थन लेकर बिल पास करवा रहे हैं। बजट, सब्सिडी और टैक्स सुधार जैसे मामलों में वे विपक्ष के कुछ नेताओं को अपने पक्ष में कर पाये हैं। यानी पीएम को सरकार चलाने के लिए अब विपक्ष के समर्थन की जरूरत पड़ रही है और यही सबसे बड़ा संकट है।

हमारे जीवन में फिजियोथेरपिस्ट की अहम भूमिका को दर्शाता है वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे

डॉ राजीव रंजन

रांची। वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे हमारे जीवन में फिजियोथेरपिस्ट की अहम भूमिका को दर्शाता है। फिजियोथेरपी न केवल चोट या दर्द से राहत दिलाने का माध्यम है, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का भी एक महत्वपूर्ण साधन है। पेडियाट्रिक्स में यह बच्चों के विकासात्मक विकारों और शारीरिक संतुलन को सुधारने में सहायक होती है। जेरियाट्रिक्स यानी बुजुर्गों के लिए यह हड्डियों की मजबूती, गतिशीलता और स्वतंत्र जीवन जीने की क्षमता को बनाये रखने में मदद करती है।

गाइनकोलॉजी में प्रसव पूर्व और प्रसव के बाद की देखभाल में फिजियोथेरेपी अत्यंत आवश्यक

है, जिससे महिलाओं को दर्द से राहत और शरीर को पुनः सामान्य बनाने में सहायता मिलती है।

वहीं ऑर्थोपेडिक्स में यह हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों की चोटों, फ्रैक्चर या सर्जरी के बाद पुनर्वास में अनिवार्य मानी जाती है। इस प्रकार हर आयु और हर परिस्थिति में फिजियोथेरपी स्वास्थ्य और सुखद जीवन की आधारशिला है।

(लेखक : जेएससीपीटी के अध्यक्ष, आइएपी झारखंड शाखा के सचिव और गुलमोहर अस्पताल के फिजियोथेरेपिस्ट विभाग के अध्यक्ष हैं।)

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेटर से एक्टर बने, 'द चेज' में दिखेंगे

- टीजर में आर. माधवन के साथ फायरिंग करते दिखे कैप्टन कूल

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब एक्टिंग की दुनिया में अपनी नयी पारी शुरू करने जा रहे हैं। जल्द ही वह एक्टर आर माधवन के साथ 'द चेज' में दिखेंगे। रविवार को आर माधवन ने इसका टीजर साझा किया। इसमें धोनी और माधवन ब्लैक आउटफिट और सन ग्लासेस पहने हैं। हाथों में गन लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। यह फिल्म है या वेबसीरीज, यह टीजर में क्लियर नहीं किया गया है। इसे वासन बाला ने डायरेक्ट किया है। वासन आलिया भट्ट की मूवी जिगरा के भी निर्देशक थे। टीजर में धोनी का इंट्रो द कूल हीरो के तौर पर दिया गया है।

आर माधवन ने इंस्टाग्राम पर टीजर पोस्ट किया : माधवन ने लिखा कि

वन मिशन। टू फाइटर्स। तैयार हो जाइये, धमाकेदार चेज शुरू होने वाली है। 'द चेज' टीजर अब आउट है। डायरेक्टेड बाय वासन बाला। कमिंग सून। हाल ही में माधवन फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आये थे। वहीं, वह जल्द फिल्म 'धुरंधर' में दिखेंगे, जो 5 दिसंबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना और संजय दत्त भी नजर आयेंगे। इसे 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के डायरेक्टर आदित्य धर ने निर्देशन किया है। फिल्म को आदित्य धर, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

धोनी की बॉयोपिक हिट हुई थी : धोनी के जीवन पर फिल्म 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' बन चुकी है। यह साल 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने धोनी का किरदार निभाया था। इसके अलावा दिशा पाटनी, कियारा आडवाणी, अनुपम खेर और भूमिका चावला जैसे कलाकार भी इसमें अहम भूमिकाओं में दिखे थे। करीब 104 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 216 करोड़ रुपये कमाये थे।

2020 में इंटरनेशल क्रिकेट से संन्यास लिया था : धोनी फिलहाल इंटरनेशल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। आइपीएल और सीएसके की ओर से खेलते हैं। धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया। 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया। उन्होंने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था

हिमाचल में अब तक 350 लोगों की हुई मौत

- 4.07 लाख करोड़ का नुकसान, उत्तराखंड में बादल फटा, पीएम मोदी 9 सितंबर को पंजाब जायेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन (24 जुलाई से लेकर 7 अगस्त) तक बारिश-बाढ़, लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य सरकार को ?4 लाख करोड़ की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। शिमला में 116% और कुल्लू में 113% बारिश हुई, जो सामान्य से दोगुनी है। पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 3 दिन बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन लुधियाना का ससराली बांध टूटने का खतरा बना हुआ है। पीएम मोदी 9 सितंबर को बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा करेंगे। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के नौगांव में शनिवार शाम को बादल फटा। बाजार और कई घरों में पानी-मलबा घुस गया। सड़क पर खड़ी कई गाड़ियां भी बह गयीं। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी शहर से 1 किमी दूर तक पहुंच गई है। घाट किनारे के आश्रमों में 5 फीट तक पानी भरा है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पानी में डूबा है।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले आज विपक्षी दल करेंगे मॉक वोटिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। नौ सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इसके लिए राजनीतिक पार्टियों में सुगबुगाहट तेज होती दिख रही है। इसी बीच इंडिया ब्लॉक ने रविवार को जानकारी दी कि उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले सोमवार को विपक्षी सांसदों को वोटिंग की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद इसी शाम को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उनके लिए संसद परिसर के एनेक्सी में डिनर का आयोजन करेंगे। इतना ही नहीं सूत्रों ने ये भी बताया कि सोमवार दोपहर लगभग 2:30 बजे संसद भवन के सेंट्रल हॉल में ह्यमॉक पोलह्व यानी फर्जी वोटिंग भी कराई जाएगी ताकि सांसद वोटिंग प्रक्रिया को समझ सकें।

उपराष्ट्रपति चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर और राज्यसभा के सचिव पीसी मोदी ने बताया कि मतदान नौ सितंबर को सुबह 10 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे बंद होगा। मतदान संसद भवन के कमरे नंबर एफ101, वसुधा में होगा। वोटों की गिनती उसी दिन शाम छह बजे शुरू होगी और तुरंत परिणाम घोषित किया जायेगा।

पूर्व पीएम देवगौड़ा के पोते को जेल में काम मिला

बेंगलुरु की अग्रहारा जेल में लाइब्रेरी संभालेगा, रोजाना मिलेंगे 522 रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा का पोता प्रज्वल रेवन्ना जेल में लाइब्रेरी संभालेगा। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल प्रशासन ने रविवार को यह जानकारी दी। जेल प्रशासन ने बताया कि रेवन्ना का काम जेल की लाइब्रेरी में कैदियों को किताबें जारी करना और उनका रिकॉर्ड संभालना होगा।

जेल के नियमों के मुताबिक कैदियों को हर महीने कम से कम 12 दिन यानी हफ्ते में तीन दिन काम करना जरूरी है। अगर रेवन्ना तय शर्तों को पूरा करते हैं तो उन्हें हर दिन की मजदूरी 522 रुपये के हिसाब से मिलेगी। हर कैदी को उसकी योग्यता

और इच्छा के आधार पर काम दिया जाता है। दरअसल, बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने 2 अगस्त को रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्रकैद की सजा सुनायी थी।

रेवन्ना पर 4 मामले दर्ज, 1 में दोषी

बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने 2 अगस्त को रेवन्ना पर 11.50 लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया था। इसमें से 11.25 लाख रुपए पीड़ित को दिए जाएंगे। इससे पहले कोर्ट ने 1 अगस्त को रेवन्ना को दोषी ठहराया था। उसके खिलाफ रेप के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इनमें से यह पहला केस है, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है।

महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप

रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने अप्रैल 2023 में रेवन्ना के खिलाफ एफआइआर दर्ज करायी थी। इसमें रेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही प्रज्वल रेवन्ना का नाम कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में भी आया था। उस पर 50 से ज्यादा महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप भी है। उसके खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों में अब तक 4 एफआइआर दर्ज की गयी हैं।

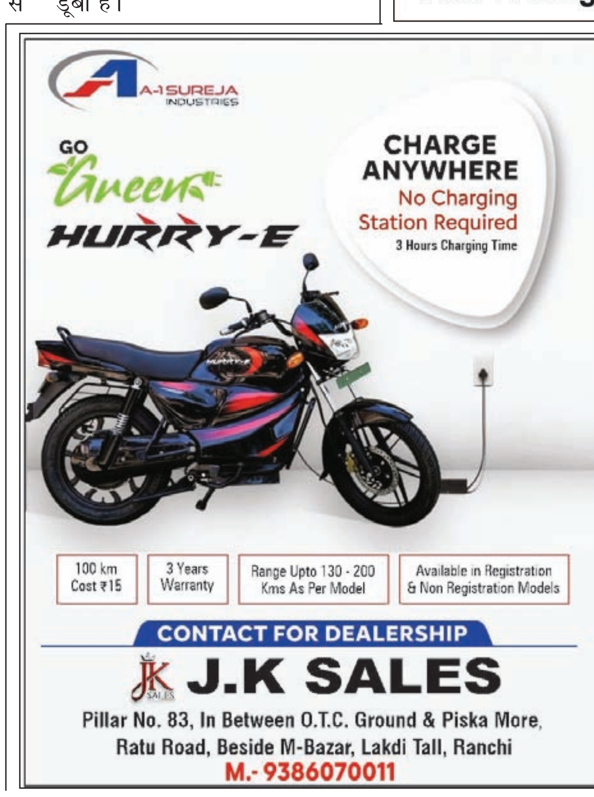

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**